हनी सिंह के मुंबई कॉन्सर्ट में सुरक्षा... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कंफर्ट जोन से बाहर आकर एक्शन-कॉमेडी... 11

वर्ष - 01, अंक - 358 | गाजियाबाद / बुधवार 01 अप्रैल 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

प. बंगाल चुनाव: तबादलों के खिलाफ याचिका खारिज

कोलकाता (एजेंसी)। आईएएस व आईपीएस अधिकारियों के तबादलों के संबंध में चुनाव आयोग के निर्देश को चुनौती देने वाली कल्याण बनर्जी द्वारा दायर जनहित याचिका (पीआईएल) खारिज कर दी। साथ ही, मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने ओसीसी और आईसी के तबादलों से संबंधित याचिका को भी खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों के तबादलों के संबंध में चुनाव आयोग की शक्ति पर कोई विवाद नहीं है। दरअसल, चुनाव आयोग ने 294 सदस्यीय पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा के तुरंत बाद राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव और डीजीपी सहित कई महत्वपूर्ण अधिकारियों के स्थानांतरण का आदेश दिया था।

पाकिस्तान में भारी बारिश, 11 लोगों की मौत, 49 घायल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में भारी वर्षा के कारण 11 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें 10 बच्चे और एक महिला शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ये हादसे बन्नू, उत्तरी वजीरिस्तान और कोहाट जिलों में हुए, जहां भीषण वर्षा के कारण छतों के गिरने और कई घरों को आंशिक क्षति पहुंचने की खबरें हैं। वर्षाजनित हादसों में 49 लोग घायल भी हुए। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग ने प्रांत के कई जिलों में रुक-रुक कर वर्षा होने का अनुमान जताया है। अधिकारियों ने लोगों को अनावश्यक यात्रा से बचने और उचित सुरक्षा सावधानी बरतने की सलाह दी है।

ईरान के खिलाफ अमेरिकी योजना 'मिशन इम्पॉसिबल' जैसी : डॉ. साइमन त्सिपिस

मॉस्को (एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा और राजनीति विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. साइमन त्सिपिस ने कहा है कि अमेरिका का ईरान के विशाल भंडार को अपने कब्जे में लेने और निकालने का कोई भी प्रयास व्यवहारिक रूप से संभव नहीं लगता है। डॉ. त्सिपिस ने स्पुतनिक को यह जानकारी दी। वह राष्ट्रीय सुरक्षा, राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के एक प्रमुख विशेषज्ञ हैं, जो मुख्य रूप से इजराइली रक्षा प्रणालियों और लेजर हथियारों (जैसे 'आयरन बीम') पर अपने विश्लेषण के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि ईरान का यूरेनियम मजबूत भूमिगत बंकरों में संग्रहित है और इन तहखानों तक पहुंचना और उनमें सेंध लगाना बहुत कठिन होगा। यूरेनियम एक खतरनाक पदार्थ है जिसके लिए सावधानीपूर्वक रखरखाव की आवश्यकता होती है। ईरान के पास कई 100 यूरेनियम है। जिसे निकालने के लिए बड़ी मात्रा में विशेष मशीनरी और उपकरणों की आवश्यकता होगी। विशेषज्ञों के अनुसार इस तरह का कोई भी ऑपरेशन विरोध के बिना नहीं हो सकता। इसके अलावा, यदि यूरेनियम कंटेनर को निकालते समय कोई नुकसान पहुँचता है, तो इससे आसपास के क्षेत्र में रेडियोधर्मी प्रदूषण फैलने का गंभीर खतरा है।

कुवैती तेल टैंकर पर ईरानी ड्रोन हमला, बाल-बाल बचे 24 कर्मचारी

दुबई (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में दुबई के समुद्री क्षेत्र में लंगर डाले एक कुवैती तेल टैंकर पर मंगलवार को ईरानी ड्रोन से हमला किया गया। इससे जहाज पर भीषण आग लग गई, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ, न ही तेल रिसाव की कोई रिपोर्ट है। ब्रिटिश सैन्य निगरानी एजेंसी 'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस' के अनुसार, 'अल-सलमी' नामक इस टैंकर को दुबई से लगभग 31 समुद्री मील उत्तर-पश्चिम में निशाना बनाया गया। दुबई की आपातकालीन टीमों ने मुस्तैदी दिखाते हुए टैंकर पर लगी आग को बुझा दिया और चालक दल के सभी 24 सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

बारामूला में सबसे ज्यादा वर्षा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के विभिन्न इलाकों में पिछले 24 घंटों के दौरान मध्यम से भारी बारिश के साथ गरज-चमक के साथ बौछारें दर्ज की गई। मौसम विभाग ने मंगलवार को बताया कि कश्मीर घाटी के ऊपरी इलाकों में हल्की बर्फबारी भी हुई, जिसके कारण श्रीनगर-लेह राजमार्ग यातायात के लिए बंद कर दिया गया। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, कश्मीर में सबसे अधिक वर्षा बारामूला में दर्ज की गई, जहां 73.0 मिमी. वर्षा हुई। इसके बाद पुंछ में 68.5 मिमी. और राजौरी में 52.0 मिमी. वर्षा दर्ज की गई। कश्मीर संभाग में श्रीनगर में 31.6 मिमी. वर्षा हुई, जबकि अन्य स्टेशनों पर भी मध्यम वर्षा दर्ज की गई, जिनमें काजीगुंड 48.6 मिमी., पहलगाम 36.8 मिमी., कुपवाड़ा 40.8 मिमी. और कोकेरनाग 35.5 मिमी. शामिल हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 31 मार्च से 2 अप्रैल तक कुछ जगहों पर दोपहर के बाद हल्की बारिश या बर्फबारी के छोटे-छोटे दौर संभव हैं। तीन से चार अप्रैल को आमतौर पर बादल छाए रहेंगे।

हरियाणा-पंजाब में बारिश-ओलावृष्टि

फसलों को भारी नुकसान

चंडीगढ़(एजेंसी)। पश्चिमी विक्षोभ के असर से उत्तर भारत में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश में मंगलवार को तेज हवाओं, बारिश और ओलावृष्टि हुई। खासकर हरियाणा के सरसा, फतेहाबाद, हिसार, हांसी, भिवानी, रेवाड़ी और महेंद्रगढ़ में दोपहर बाद मौसम ने उग्र रूप धारण कर लिया। हिसार के गांव मात्रश्याम, किरतान, खारिया, सीसवाला, काबरेल, शाहपुर, रावलवास, बालसमद और बगला में ओलावृष्टि ने सरसों, चना, गेहूं व जौ की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया। सोनीपत, गुरुग्राम, फरीदाबाद, चरखी दादरी, झज्जर, नूंह और पलवल के कुछ हिस्सों में भी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने इन सभी जिलों में अगले 24 घंटों में ओलावृष्टि की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार, 1 और 2 अप्रैल को मौसम साफ रह सकता है, लेकिन 3 अप्रैल से फिर बदलाव के आसार हैं। रबी फसलें अपने चरम पर हैं, ऐसे में ओलावृष्टि से नुकसान हो सकता है। वहीं पंजाब के फिरोजपुर, फाजिल्का, मुक्तसर में बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। वहीं राजस्थान के पूर्वी हिस्से में लाडपुरा (कोटा) में पिछले 24 घंटों में सर्वाधिक 34 मिमी. बारिश दर्ज की गई, जबकि पश्चिमी राज के मूंडवा (नागौर) में 24 मिमी. वर्षा हुई।

गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, शेखावाटी क्षेत्र, जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ भागों में मेघगर्जन के साथ आंधी-बारिश ने जनजीवन प्रभावित किया। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक, 1 अप्रैल को उदयपुर और कोटा संभाग में छिटपुट हल्की बारिश हो सकती है, बाकी भाग शुष्क रहेंगे। 2 अप्रैल की रात्रि में जैसलमेर, बाड़मेर, फलोदी और आसपास के इलाकों में आंधी-बारिश की गतिविधियां सक्रिय हो सकती हैं। अप्रैल के पहले सप्ताह में बैक टू बैक पश्चिमी विक्षोभ राज्य पर असर डालेंगे। खासकर 3-4 अप्रैल को जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर और कोटा संभाग में तेज मेघगर्जन, आंधी-बारिश की प्रबल संभावना है।

राघव चड्ढा ने संसद में उठाया 'पैटरनिटी लीव' का मुद्दा

केयर गिविंग सिर्फ माँ की नहीं, पिता की भी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पितृत्व अवकाश (पैटरनिटी लीव) को कानूनी अधिकार बनाने की मांग तेज होती जा रही है। आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने संसद में यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि भारत में केयर गिविंग की जिम्मेदारी सिर्फ माँ पर डालना एक बड़ी सामाजिक और कानूनी कमी है।

राघव चड्ढा ने कहा कि जब किसी बच्चे का जन्म होता है, तो बधाई माता-पिता दोनों को मिलती है, लेकिन उसकी देखभाल की जिम्मेदारी पूरी तरह से माँ पर डाल दी जाती है। उन्होंने इसे 'समाज की विफलता' बताया। उन्होंने कहा कि हमारा सिस्टम सिर्फ मातृत्व अवकाश (मेटरनिटी लीव) को मान्यता देता है, जबकि पिता की भूमिका को नजरअंदाज किया जाता है। उन्होंने संसद में मांग करते हुए कहा कि पितृत्व अवकाश को कानूनी अधिकार बनाया जाना चाहिए, ताकि पिता को अपने नवजात बच्चे और पत्नी की देखभाल के लिए नौकरी और परिवार के बीच चुनाव न करना पड़े। राघव चड्ढा ने कहा कि एक माँ को गर्भावस्था के नौ महीनों के बाद, सामान्य या सिजेरियन डिलीवरी जैसी कठिन प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। ऐसे समय में उसे दवाइयों के साथ-साथ अपने पति के सहयोग की बेहद जरूरत होती है।

घातक हमलों के दोषियों को मौत की सजा देगा इजराइल

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल की संसद 'नैस्ट' ने एक बेहद विवादास्पद विधेयक को मंजूरी दी है, जो इजराइली नागरिकों की हत्या के दोषी वेस्ट बैंक के फिलिस्तीनियों के लिए 'मौत की सजा' अनिवार्य बनाता है। इस विधेयक की सबसे विवादित बात यह है कि इसमें सजा का दोहरा मापदंड रखा गया है- जहां वेस्ट बैंक के फिलिस्तीनियों पर सैन्य अदालतों में मुकदमा चलाकर उन्हें फांसी दी जाएगी, वहीं समान अपराधों के लिए इजरायली नागरिकों (यहूदियों) पर नागरिक अदालतों में मुकदमा चलेगा, जो उन्हें इस कठोर सजा के दायरे से बाहर रखता है।

'द टाइम्स ऑफ इजराइल' की रिपोर्ट के अनुसार, इस विधेयक के तहत सैन्य अदालतों में घातक आतंकी गतिविधियों के दोषी पाए गए वेस्ट बैंक के निवासियों के लिए 'फांसी की सजा' ही मुख्य सजा होगी। न्यायाधीश केवल कुछ अस्पष्ट 'विशेष परिस्थितियों' में ही उम्रकैद की सजा सुना सकेंगे। इसके मुताबिक, सजा सुनाए जाने के 90 दिनों के भीतर फांसी देनी होगी। इसे विशेष स्थिति में 180 दिनों तक बढ़ाया जा सकता है। 120 सीटों वाली नैस्ट में इस विधेयक के पक्ष में 62 वोट पड़े, जिनमें प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का वोट भी शामिल था। विपक्ष में 48 वोट पड़े और एक सदस्य मतदान से अनुपस्थित रहा। इस विधेयक की अगुवाई धुर दक्षिणपंथी राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन ग्विर ने की थी। मतदान के बाद बेन ग्विर ने सार्वजनिक रूप से इसका जश्न मनाया और सोशल मीडिया पर लिखा, ''हमने इतिहास रच दिया!!! हमने वादा किया था और उसे पूरा कर दिखाया।''

इस विधेयक की हालांकि व्यापक स्तर पर निंदा की जा रही है और इसे 'भेदभावपूर्ण' बताया जा रहा है। यूरोपीय देशों, मानवाधिकार समूहों और फिलिस्तीनी प्राधिकरण ने दो अलग-अलग कानूनी प्रणालियां बनाने के लिए इस कानून की कड़ी आलोचना की है।

अमेरिकी सैनिकों के आने का 'इंतजार' कर रहे हैं: ईरान

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने अमेरिका को धमकी देते हुए कहा कि वह क्षेत्र में अमेरिकी सैनिकों के जमीनी आक्रमण का जोरदार जवाब देने के लिए तैयार है और उनके आने का 'इंतजार' कर रहा है। यह चेतावनी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी 'प्राथमिकता ईरान में तेल लेने की होगी'। अमेरिका कथित तौर पर हफ्तों से ईरान में सीमित जमीनी अभियानों की तैयारी कर रहा है, जिसमें खर्ग द्वीप और होर्मुज जलडमरूमध्य के पास तटीय स्थलों पर छापेमारी शामिल है। ईरानी मीडिया के अनुसार, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के खातम अल-अंबिया मुख्यालय के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा कि क्षेत्र में अमेरिकी सैनिकों के आने पर सशस्त्र बल कड़ा जवाब देंगे। रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका ने एक सीमित आक्रमण की तैयारी की है जिसमें विशेष अभियान बलों और पारंपरिक पैदल सेना दोनों द्वारा छापेमारी शामिल हो सकती है। इस बीच, ईरान के प्रेस टीवी ने बताया कि रूस के चेचन्य क्षेत्र के लड़ाकों ने अमेरिकी जमीनी आक्रमण की स्थिति में ईरानी सुरक्षा बलों का समर्थन करने की घोषणा की है।

रूस के चेचन्य गणराज्य के प्रमुख रमजान कादिरोव के वफादार इन बलों ने ईरान के खिलाफ चल रहे अमेरिका-इजरायल युद्ध को एक धार्मिक युद्ध बताया है। यह घटनाक्रम ट्रम्प के आदेशों के बाद आया है कि अमेरिका जमीनी हमले के लिए दबाव बना रहा है, क्योंकि हाल के हवाई अभियान अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में विफल रहे हैं। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबाफ ने भी अमेरिका को चेतावनी दी है कि ईरान के खिलाफ किसी भी शत्रुतापूर्ण कार्रवाई का जोरदार जवाब दिया जाएगा।

दो ईनामी महिला माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

● हथियार और नकदी बरामद

सुकमा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में पुलिस को नक्सल विरोधी अभियान के तहत बड़ी सफलता मिली, जहां कुल 16 लाख रुपये के ईनामी दो माओवादी कैडर ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आत्मसमर्पण करने वाले दोनों कैडर लंबे समय से सक्रिय हैं और केकेबीएन डिवीजन (ओडिशा) में कार्यरत रहे हैं। जिले की पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने मंगलवार को बताया कि आत्मसमर्पण करने वालों में जनिला उर्फ मड़काम हिंडमे (30) और सोनी उर्फ माड़वी कोसी (24) शामिल हैं। दोनों कंपनी नंबर 08 के पार्टी सदस्य थे और प्रत्येक पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम घोषित था। दोनों ने रक्षित आरक्षी केंद्र सुकमा में वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आत्मसमर्पण किया।

आत्मसमर्पण के बाद मिली खुफिया जानकारी के आधार पर सुरक्षाबलों ने विशेष तलाश अभियान चलाया, जिसके दौरान जंगलों में छिपाकर रखा गया भारी मात्रा में हथियार और नकदी का भंडार बरामद किया गया। बरामद सामग्री में 10 लाख रुपये नगद, एक इंसास एलएमजी राइफल, दो एके-47 राइफल, तीन 303 राइफल, एके-47 के 14 राउंड और 303 के 13 राउंड शामिल हैं।

केरल में भाजपा ने जारी किया चुनावी घोषणा पत्र

तिरुवन्तमपुरम (एजेंसी)। केरल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई और इसी बीच भाजपा ने अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दिया। घोषणा पत्र में पार्टी ने आम जनता को सीधे फायदा पहुंचाने वाले कई बड़े वादे किए हैं, जिनमें मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, मासिक पेंशन और पानी की सुविधा प्रमुख हैं। भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में खासतौर पर महिलाओं, बुजुर्गों और गरीब वर्ग को ध्यान में रखते हुए योजनाएं पेश की। पार्टी ने वादा किया कि जरूरतमंद महिलाओं, विधवाओं और 70 वर्ष से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों को हर महीने 3000 रुपये की पेंशन दी जाएगी।

इसके अलावा, गरीब परिवारों के लिए साल में दो मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने का भी वायदा किया गया। ये सिलेंडर खास मौकों पर दिए जाएंगे एक ओणम और दूसरा क्रिसमस के समय। इसके अलावा पार्टी ने हर घर को 20,000 लीटर मुफ्त पानी, देवस्वम बोर्ड में सुधार, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) का विस्तार का भी वायदा किया। इस अवसर पर भाजपा अध्यक्ष नवीन ने कहा कि सबरीमाला सोना चोरी मामले में समय पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराई जाएगी, ताकि गहन जांच सुनिश्चित हो सके और दोषियों को दंडित किया जा सके।

महिला कांस्टेबल ने बचाई यात्री की जान

भीलवाड़ा (एजेंसी)। राजस्थान में भीलवाड़ा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर सोमवार आधी रात एक महिला कांस्टेबल के साहसिक प्रयास से एक यात्री की जान बच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रेन संख्या 12992 जयपुर-उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस भीलवाड़ा स्टेशन पर खड़ी थी। कोच संख्या सी-1 में यात्रा कर रहे उदयपुर निवासी प्रमोद नाथ माथुर प्लेटफॉर्म पर चाय लेने उतरे। अचानक ट्रेन ने रफ्तार पकड़ ली। हड़बड़ाहट में प्रमोद नाथ ने चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश की, लेकिन ट्रेन की गति के कारण उनका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे ट्रैक और प्लेटफॉर्म के बीच गिर गए। सूत्रों ने बताया कि यह घटना देखकर स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई। वहां मौजूद लोगों का शोरगुल सुनकर ड्यूटी पर तैनात राजकीय रेलवे पुलिस में महिला कांस्टेबल राममूर्ति मीणा बिना एक पल गंवाए यात्री के पास पहुंची और उसे मजबूती से पकड़कर खींच लिया, जिससे यात्री प्रमोद माथुर सुरक्षित बच गए।

आज से सिर्फ डिजिटल माध्यम से भुगतान होगा मान्य

अब टोल प्लाजा पर नहीं चलेगा कैश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने टोल से जुड़े नियमों में बदलाव किया है और अब एक अप्रैल से टोल प्लाजा पर डिजिटल भुगतान ही मान्य होगा, यानी अब हाइवे यूजर्स कैश में टोल का भुगतान नहीं कर पाएंगे। एनएचएआई का यह कदम पूरे देश में उसके सभी टोल प्लाजा पर लागू होगा। एनएचएआई के मुताबिक, एक अप्रैल से यात्री केवल टोल प्लाजा पर डिजिटल माध्यम जैसे फास्टैग और यूपीआई के माध्यम से भुगतान कर पाएंगे। अधिकारियों का मानना है कि पूरी तरह से डिजिटल प्रणाली से वाहनों को टोल प्लाजा से तेजी से गुजरने में मदद मिलेगी, जिससे लंबी कतारें कम होंगी और यात्रा का समय बचेगा।

कैश लेन को हटाने से अधिकारियों को उम्मीद है कि यातायात खासकर व्यस्त समय में सुचारू रूप से चलेगा। टोल बूथों पर तेजी से प्रोसेसिंग से ईंधन की खपत और वाहन उत्सर्जन में भी कमी आने की संभावना है, जिससे स्वच्छ पर्यावरण में योगदान मिलेगा। हालांकि, इस बदलाव से कुछ यात्रियों को असुविधा हो सकती है, खासकर उन लोगों को जो डिजिटल भुगतान के लिए तैयार नहीं हैं। वैध फास्टैग या पर्याप्त बैलेंस न होने पर वाहनों पर जुर्माना लग सकता है या उन्हें टोल प्लाजा पर रोका भी जा सकता है। ऐसे मामलों में, यात्रियों के पास टोल बूथों पर उपलब्ध क्यूआर कोड को स्कैन करके यूपीआई के माध्यम से तुरंत भुगतान करने का विकल्प होगा।

इनमें भी बदलाव

- आईटीआर दाखिल करने के नियम
- टेक होम सैलरी में कमी
- ग्रेच्युटी की राशि बढ़ेगी
- रेलवे टिकट रद्द करने का शुल्क
- पैन कार्ड से जुड़े नियम
- क्रेडिट स्कोर से जुड़े नियम
- बैंक एटीएम से कैश निकालने की सीमा

लेकिन अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि नेटवर्क संबंधी समस्याओं के कारण कभी-कभी ये लेनदेन प्रभावित हो सकते हैं, जिससे देरी हो सकती है। बाधाओं से बचने के लिए, यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले सुनिश्चित करें कि उनका फास्टैग सक्रिय है, उनके बैंक खाते से ठीक से जुड़ा हुआ है और उसमें पर्याप्त शेष राशि है। अपने स्मार्टफोन में बैकअप के रूप में एक चालू यूपीआई ऐप रखने की सलाह भी दी गई है। यह बदलाव भारत के डिजिटल अवसंरचना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे राजमार्ग यात्रा तेज, सुगम और अधिक कुशल बनेगी।

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी को मिली अस्पताल से छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सांसद सोनिया गांधी को सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। उन्हें 24 मार्च को बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती किया गया था। अस्पताल के अध्यक्ष डॉ.अजय स्वरूप ने बताया कि उनका इलाज डॉ.डी.एस.राणा, डॉ. एस. नंदी और डॉ. अरूप बसु की देखरेख में एंटीबायोटिक्स के माध्यम से किया गया और उनका स्वास्थ्य लगातार सुधार रहा है। डॉक्टरों ने कहा कि सोनिया गांधी की स्थिति में उत्कृष्ट सुधार हुआ है और अब वे सामान्य स्थिति में हैं। हालांकि उन्हें अभी भी इंट्रावेनस एंटीबायोटिक्स दी जा रही हैं, जो कुछ और दिनों तक जारी रहेंगी। सभी स्वास्थ्य पैरामीटर सामान्य सीमा के भीतर हैं और उनकी स्थिति स्थिर है। अस्पताल के अनुसार, छुट्टी देने का निर्णय मरीज और चिकित्सक की सलाह के बाद लिया गया। वर्तमान में उनका एक सिस्टमिक संक्रमण का इलाज चल रहा है और एंटीबायोटिक्स का सकारात्मक असर देखा जा रहा है। वरिष्ठ डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति पर निगरानी रख रही है। एहतियात के तौर पर उन्हें कुछ समय तक घर पर निगरानी में रखा जा सकता है। डॉ. स्वरूप ने कहा कि फिलहाल उन्हें कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या नहीं है और वे पूरी तरह स्वस्थ होने की ओर बढ़ रही हैं। सोनिया गांधी की हाल की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर अस्पताल और परिवार ने लोगों को भरोसा दिलाया है कि उनका स्वास्थ्य स्थिर है और वे जल्द ही सामान्य दिनचर्या में लौटेंगी। इस दौरान उनकी देखरेख और एहतियात सुनिश्चित की जा रही है।

इंडिगो ने वॉल्श को बनाया सीईओ

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने विलियम वॉल्श को नया सीईओ बनाने का ऐलान किया है। वह अभी इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के डायरेक्टर जनरल हैं और जुलाई के बाद अगस्त तक इंडिगो जॉइन कर सकते हैं। यह फैसला पिछले सीईओ पीटर एल्बर्स के इस्तीफे के कुछ ही हफ्तों बाद लिया गया है। वॉल्श पहले ब्रिटिश एयरवेज और आईएजी के सीईओ भी रह चुके हैं। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) की ओर से एविएशन नियमों में बदलाव चलते दिसंबर के पहले हफ्ते में इंडिगो में क्रू मेंबर्स की भारी कमी हो गई थी। इसके कारण 1 से 10 दिसंबर के बीच इंडिगो की 5000 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल हुईं थीं।

संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देने वाला बिल अप्रैल के तीसरे हफ्ते में संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देने वाला बिल अप्रैल के तीसरे हफ्ते में लाया जा सकता है। बताया जा रहा है कि विपक्षी पार्टियों ने सरकार से मांग की थी कि महिला आरक्षण संशोधन बिल को पेश करने से पहले ऑल पार्टी मीटिंग बुलाई जाए। उन्होंने शर्त ये रखी थी कि ऑल पार्टी मीटिंग 29 अप्रैल के बाद यानी बंगाल और बाकी राज्यों में चुनाव खत्म होने के बाद की जाए। लेकिन सरकार बिल को अप्रैल के तीसरे हफ्ते में ही लाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए बजट सत्र की अवधि बढ़ाई जा सकती है। महिलाओं को 33प्र. आरक्षण देने वाला नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 में ही पास हो चुका है। अब सरकार इसमें संशोधन करने जा रही है। इस बिल को मार्च में ही लाए जाने की तैयारी थी लेकिन विपक्ष की आपत्ति के बाद इसे टाल दिया गया। अब सूत्रों का कहना है कि इस संशोधित बिल को 15 अप्रैल के आसपास लाया जा सकता है। इसी बिल के साथ परिसीमन बिल भी पेश किए जाने की संभावना है ताकि लोकसभा और विधानसभा की सीमाओं का परिसीमन किया जा सके। सूत्रों के मुताबिक, दोनों बिल 13 अप्रैल से शुरू होने वाले हफ्ते में पेश हो सकते हैं।

बाघ-तेंदुए के अंगों की तस्करी में दोषी पाए गए छह आरोपी, दो-दो साल की सजा

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ स्थित सीबीआई कोर्ट ने बाघ और तेंदुए के अंगों की अवैध तस्करी से जुड़े बड़े मामले में छह आरोपियों मुमताज अहमद, जैबुन निशा, अजीज उल्लाह, वहीद, सरताज और मजीद को दोषी ठहराकर दो-दो साल की सजा और प्रत्येक पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। यह मामला वन्यजीव अपराधों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। जांच के दौरान सीबीआई ने आरोपियों के ठिकानों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में प्रतिबंधित वन्यजीव सामग्री बरामद की थी। इसमें तेंदुए के करीब 18,000 नाखून, 74 खालें, बाघ की चार खालें तथा बाघ और तेंदुए की हड्डियां शामिल थीं। ये सभी वस्तुएं वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-I के अंतर्गत आती हैं, जो इन्हें सर्वोच्च स्तर की सुरक्षा प्रदान करती है। इस अधिनियम के तहत इनका संग्रह, व्यापार या परिवहन पूरी तरह प्रतिबंधित है। सीबीआई ने यह मामला 23 मार्च 2000 को दर्ज किया था और विस्तृत जांच के बाद 15 जुलाई 2000 को अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी संगठित तरीके से वन्यजीवों के अंगों की तस्करी और अवैध व्यापार में शामिल थे। अदालत ने अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर सभी आरोपियों को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की धारा 49-बी और धारा 51 के तहत दोषी पाया। अधिकारियों के अनुसार, यह फैसला वन्यजीव अपराधों के खिलाफ सख्त रुख को दर्शाता है और अवैध तस्करी में शामिल गिरोहों के लिए एक मजबूत संदेश है। यह दोषसिद्धि न केवल कानून के प्रभावी क्रियान्वयन को दर्शाती है, बल्कि लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण और उनके अवैध शिकार व व्यापार को रोकने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

सूरत में भीषण आग : 10 टन साड़ियों के बीच फंसा परिवार, 5 लोगों की दर्दनाक मौत

सूरत (एजेंसी)। सूरत के लिंबायत इलाके में एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं, एक 4 वर्षीय बच्चा और एक अन्य सदस्य शामिल हैं। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मौत का कारण दम घुटना और गंभीर रूप से झुलसना बताया गया है। इस दर्दनाक घटना के बाद स्थानीय प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए अवैध गोदामों और रिहायशी मकानों में व्यवसाय किए जाने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

बंगाल चुनाव: इस बार भवानीपुर बनी हॉट सीट, बीजेपी ने रचा चक्रव्यूह

-बीजेपी ने महीनों से बूथ-बूथ और समुदाय-समुदाय स्तर पर की मैपिंग

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल चुनाव में टीएमसी-बीजेपी के कड़ा मुकाबला है। इस बीच सीएम ममता बनर्जी की भवानीपुर सीट ही सबसे हॉट सीट मानी जा रही है। बीजेपी ने ऐसा चक्रव्यूह रचा है कि इस सीट पर ममता बुरी तरह घिरती नजर आ रही हैं। हालांकि यह उनकी पारंपरिक सीट है और वह यहां से कई बार जीत चुकी हैं, लेकिन इस बार के चुनाव में परिस्थितियां कुछ अलग नजर आ रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण कोलकाता की इस सीट पर बीजेपी के सुवेंदु अधिकारी मैदान में हैं। टीएमसी अपने संगठनात्मक ताकत और भावनात्मक जुड़ाव के सहारे इस गढ़ को बचाने की कोशिश कर रही है। यह मुकाबला 2021 के विधानसभा चुनाव की याद दिलाता है, जब ममता बनर्जी ने अपने पूर्व सहयोगी और अब बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ उनके गृह क्षेत्र नंदीग्राम में चुनाव लड़ा था। उस समय ममता हार गई थीं, हालांकि बीजेपी को पूरे राज्य में हार का सामना करना पड़ा था। बाद में ममता ने भवानीपुर उपचुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचीं। अब मैदान बदला है, नतीजा भी बदलेगा या नहीं, यह तो वक्त ही बताएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक टीएमसी भवानीपुर में 'घर की बेटी' का भावनात्मक प्रचार कर रही हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बक्शी की अध्यक्षता में हुई रणनीति बैठक में काउंसलरों को निर्देश दिया गया कि वे स्लोगन को घर-घर

पहुंचाएं। संदेश साफ है- भवानीपुर सिर्फ सीएम चुन नहीं रहा, बल्कि अपनी बेटी के साथ खड़ा हो रहा है। पार्टी ने आक्रामकता के बजाय भावनात्मक, जुड़ाव और विकास कार्यों पर फोकस करने का फैसला किया है। काउंसलरों को घर-घर जाकर पर्चे बांटने और ममता बनर्जी के विकास कार्यों को हाइलाइट करने को कहा गया है। पूरे क्षेत्र में फोटो कॉर्नर सेट किए गए हैं, जहां लोग ममता बनर्जी के लाइफ-साइज कटआउट के साथ फोटो खिंचवा सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक वॉर्ड 73 के मुक्तदल मोड़ पर पहला ऐसा बूथ है, जहां ममता रहती हैं। यहां अपील की गई है- ममता बनर्जी के साथ खड़े होइए, फोटो खींचिए, बंगाल के लिए बोलिए। एक वरिष्ठ टीएमसी नेता ने कहा कि हम इस चुनाव को आक्रामकता से नहीं, बल्कि भावनात्मक, कनेक्ट और ममताजी के भवानीपुर में किए गए काम को लेकर लड़ रहे हैं।

वहीं बीजेपी का मानना है कि जमीन बदली है। भवानीपुर को 'मिनी इंडिया' कहा जाता है, जहां बंगाली भद्रलोक, मारवाड़ी-गुजराती व्यापारी, सिख-जैन परिवार और अच्छी-खासी मुस्लिम आबादी है। करीब 42 फीसदी मतदाता बंगाली हिंदू, 34 फीसदी गैर-बंगाली हिंदू और 24 फीसदी मुस्लिम हैं। बीजेपी ने महीनों से बूथ-बूथ और समुदाय-समुदाय स्तर पर मैपिंग की है। पार्टी के मुताबिक यहां कायस्थ 26.2 फीसदी, मुस्लिम 24.5 फीसदी, पूर्वी भारतीय प्रवासी समुदाय 14.9 फीसदी, मारवाड़ी 10.4 फीसदी और ब्राह्मण 7.6 फीसदी हैं। भवानीपुर की लड़ाई एक नारे से नहीं लड़ी जा सकती। इसे बूथ दर बूथ और समुदाय दर समुदाय लड़ना होगा।

इसी रणनीति के तहत सुवेंदु अधिकारी ने हाल ही में भवानीपुर से गुजरने वाली राम नवमी शोभायात्रा में हिस्सा लिया यानी ठीक ममता बनर्जी के घर के पास। अधिकारी ने कहा कि राज्य अब राम राज्य चाहता है। लोग तुष्टिकरण की राजनीति से थक चुके हैं। वे अच्छे शासन चाहते हैं।

राजनीतिक विश्लेषक बिस्वनाथ चक्रवर्ती कहते हैं कि बीजेपी हिंदू वोटों को बंगाली और गैर-बंगाली समुदायों में काटते हुए एकजुट करने की कोशिश कर रही है और साथ ही ममता को अल्पसंख्यक राजनीति पर घेर रही है। चुनावी रोल की विशेष गहन समीक्षा ने मुकाबले में नया आयाम जोड़ दिया है।

2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी ने भवानीपुर में अपनी उपस्थिति दर्ज की थी। 2014 में तो बीजेपी ने ममता के वॉर्ड 73 में भी जीत हासिल की थी। 2024 लोकसभा चुनाव में भवानीपुर सेगमेंट में टीएमसी की बढ़त महज 8,297 वोट रह गई, जबकि 2021 उपचुनाव में यह 58,832 थी। आठ वॉर्डों में से पांच में बीजेपी आगे रही, टीएमसी सिर्फ तीन में। ये आंकड़े बताते हैं कि भवानीपुर अब अजेय नहीं रहा। टीएमसी के लिए यह याद दिलाता है कि ममता बनर्जी की सबसे सुरक्षित सीट को अब सबसे मजबूत बचाव की जरूरत है। 2026 के विधानसभा चुनाव में भवानीपुर में 29 अप्रैल को मतदान होगा। यह मुकाबला न सिर्फ व्यक्तिगत प्रतिद्वंद्विता का है, बल्कि टीएमसी की भावनात्मक राजनीति और बीजेपी की जातीय-सामाजिक इंजीनियरिंग के बीच विचारधारा की लड़ाई भी है।

हनी सिंह के मुंबई कॉन्सर्ट में सुरक्षा नियमों की अनदेखी, आयोजकों के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई (एजेंसी)। मशहूर रैपर यो यो हनी सिंह का हालिया म्यूजिक कॉन्सर्ट विवादों के घेरे में आ गया है। मुंबई के एमएमआरडीए ग्राउंड में 28 मार्च को आयोजित इस मेगा इवेंट में सुरक्षा मानकों की गंभीर अनदेखी और नियमों के उल्लंघन का मामला सामने आया है। शुरुआत में इस कार्यक्रम को एक बड़े संगीत उत्सव के रूप में देखा जा रहा था, जहाँ हजारों प्रशंसक अपने पसंदीदा कलाकार के गानों पर झूमने पहुंचे थे, लेकिन अव्यवस्थाओं ने इस जश्न का रंग फीका कर दिया। सबसे गंभीर मुद्दा एयरपोर्ट जोन के पास हाई-इंटेंसिटी अवैध लेजर लाइट्स के इस्तेमाल का है। यह आयोजन हवाई अड्डे के बेहद करीब था, जहाँ इस तरह की शक्तिशाली रोशनी का उपयोग पायलटों के विजन और उड़ानों की सुरक्षा के लिए खतरा माना जाता है और यह सख्त रूप से प्रतिबंधित है। पुलिस ने आयोजकों को इस संबंध में पहले ही स्पष्ट निर्देश दिए थे, फिर भी निर्देशों की अवहेलना की गई। नियमों के इस उल्लंघन को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इवेंट आयोजक इंद्रजीत सिंह और उनकी कंपनी तमन्नाज वर्ल्डवाइड एडवरटाइजमेंट के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। लेजर लाइट्स के अलावा, भीड़ प्रबंधन (क्राउड मैनेजमेंट) को लेकर भी बड़ी लापरवाही सामने आई है। आयोजकों ने पुलिस को दी गई जानकारी में बताया था कि कार्यक्रम में करीब 12 हजार लोग शामिल होंगे, लेकिन वास्तविकता में वहाँ 18 से 20 हजार के बीच भीड़ उमड़ पड़ी। उम्मीद से कहीं अधिक भीड़ पहुँचने के कारण सुरक्षा व्यवस्था चरमरा गई और एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स पर भारी अव्यवस्था देखने को मिली। पुलिस को स्थिति संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी, जिससे किसी भी बड़े हादसे की आशंका बढ़ गई थी। हालांकि, राहत की बात यह रही कि कोई अनहोनी नहीं हुई। यह घटना एक बार फिर बड़े सार्वजनिक आयोजनों में सुरक्षा मानकों के सख्त पालन और सटीक योजना की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

अवैध रिश्ते से जन्मी संतान को भी पेंशन का अधिकार, हाईकोर्ट का अहम फैसला

-पहली पत्नी को कानूनी हकदार मानते हुए भी बेटी के अधिकार को दी मान्यता, फैसला बन सकता है नजीर

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकत्ता हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है, कि अवैध रिश्ते से जन्मी संतान को भी पेंशन का अधिकार मिल सकता है। अदालत का यह निर्णय भविष्य में ऐसे मामलों के लिए एक अहम नजीर बन सकता है। यह मामला पूर्वी रेलवे में कार्यरत एक गेटमैन से जुड़ा था, जिसने अपनी पहली पत्नी को बिना तलाक दिए दूसरी शादी कर ली थी। रिटायरमेंट के बाद उसने अपनी सर्विस और पेंशन बुक में पहली पत्नी और बेटे के बजाय दूसरी पत्नी और उससे जन्मी बेटी का नाम दर्ज करा दिया। पहली पत्नी ने इस फैसले को चुनौती देते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया। महिला का कहना था कि उसे मिर्गी की बीमारी के चलते पति ने छोड़ दिया और बिना जानकारी दिए दूसरी शादी कर ली। उसने यह भी आरोप लगाया कि 2012 के बाद से उसे कोई गुजारा भत्ता नहीं मिला, जबकि पहले उसे हर महीने 1000 रुपये देने का आदेश था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष यह स्पष्ट हुआ कि दंपति के बीच कानूनी रूप से तलाक नहीं हुआ था। ऐसे में जस्टिस कृष्ण राव ने कहा कि पहली पत्नी ही कानूनी रूप से पेंशन की हकदार है। हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि दूसरी शादी भले ही हिंदू विवाह अधिनियम के तहत वैध नहीं मानी जा सकती, लेकिन उस संबंध से जन्मी संतान के अधिकारों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने आदेश दिया कि दूसरी पत्नी से जन्मी 15 वर्षीय बेटी का नाम भी सर्विस और पेंशन रिकॉर्ड में शामिल किया जाए। अदालत ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हुए यह सुनिश्चित किया कि पहली पत्नी के अधिकार सुरक्षित रहें, साथ ही निर्दोष संतान को उसके अधिकारों से वंचित न किया जाए।

लिएंडर पेस बीजेपी में हुए शामिल... बंगाल चुनाव में उनकी मौजूदगी से सियासी समीकरण पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेनिस के चमकते सितारे लिएंडर पेस ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में जोरदार एंट्री कर मंगलवार को भाजपा का दामन थाम लिया है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू की मौजूदगी में उनका पार्टी में स्वागत किया गया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले बारह वर्षों में खेल और खिलाड़ियों को नई पहचान दी है, और अब पेस जैसे दिग्गज का जुड़ना पार्टी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

बात दें कि पश्चिम बंगाल में दो चरणों में होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर पेस की भाजपा में एंट्री ने चुनावी समीकरण बदल दिए हैं। हाल ही में उन्होंने कोलकाता में भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात की थी, जिसके बाद उनके पार्टी में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई थीं।

पेस का यह कदम राजनीतिक रणनीति की दृष्टि से भी अहम माना जा रहा है। 2021 में उन्होंने तृणमूल कांग्रेस का समर्थन किया था

और 2022 में गोवा चुनाव के दौरान प्रचार भी किया था। हालांकि उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा, उनकी उपस्थिति ने तब काफी चर्चा बटोरी थी। अब भाजपा में शामिल होने से यह साफ होता है कि सियासत में स्थायित्व से ज्यादा रणनीति मायने रखती है।

पेस सिर्फ खिलाड़ी नहीं हैं, बल्कि 18 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सफलतम भारतीय टेनिस सितारों में शामिल हैं। उनकी पहचान सिर्फ खेल तक सीमित नहीं रही, बल्कि वे राष्ट्रीय प्रतीक बन चुके हैं। भाजपा उनकी लोकप्रियता और पहचान का फायदा उठाने की तैयारी कर रही है, खासकर शहरी और युवा मतदाताओं में प्रभाव बनाने के लिए।

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि भाजपा का यह कदम सीधे युवा वोट बैंक को टार्गेट करता है। खेल, ग्लैमर और राष्ट्रीय गौरव के मेल से तैयार यह नया समीकरण पार्टी को नई ऊर्जा दे सकता है। पेस का बंगाल से गहरा जुड़ाव भी पार्टी के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है, क्योंकि स्थानीय पहचान और राष्ट्रीय लोकप्रियता का यह संगम उन्हें जनता से सीधे संवाद करने का अवसर देता है। भाजपा अब उन्हें स्टार प्रचारक के तौर पर मैदान में उतारने की योजना बना रही है, जिससे पार्टी शहरी, शिक्षित और महत्वाकांक्षी वर्ग में अपनी पकड़ मजबूत कर सके। लिएंडर पेस की एंट्री ने यह साफ कर दिया है कि भाजपा हर स्तर पर रणनीति को धार दे रही है। अब सवाल यह नहीं कि उन्होंने पार्टी क्यों बदली, बल्कि यह है कि उनके आने से चुनावी नतीजों पर कितना असर पड़ेगा।

बांग्लादेश के विदेश मंत्री आएंगे भारत, गंगाजल संधि और ईंधन संकट जैसे अहम मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान अगले सप्ताह भारत के दौरे पर आ रहे हैं। कार्यभार संभालने के बाद यह उनका पहला विदेश दौरा है, जिसे दक्षिण एशिया की राजनीति के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, रहमान इंडियन ओशन कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए मॉरीशस जाते समय नई दिल्ली में रुकेंगे। इस दौरान 8 अप्रैल को उनके भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ उच्च स्तरीय बैठकों में शामिल होने की संभावना है।

जल बंटवारे के अलावा, बांग्लादेश की प्राथमिकता अपने देश में गहराते ऊर्जा संकट का समाधान तलाशना भी है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के कारण बांग्लादेश में ईंधन की भारी किल्लत पैदा हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, खलीलुर रहमान भारत से अतिरिक्त ईंधन, विशेष रूप से डीजल की आपूर्ति की मांग करेंगे। भारत पहले भी संकट के

समय बांग्लादेश को डीजल की खेप भेजकर मदद कर चुका है। भारतीय अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि वे पड़ोसी देशों की जरूरतों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेंगे, हालांकि इसके लिए भारत को अपनी घरेलू उपलब्धता और रिफाइनिंग क्षमता का आकलन करना होगा।

यह दौरा कई मायनों में ऐतिहासिक है क्योंकि प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की नई सरकार के किसी वरिष्ठ नेता की यह पहली आधिकारिक भारत यात्रा है। गौरतलब है कि खलीलुर रहमान इससे पहले अंतरिम सरकार में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की भूमिका निभा चुके हैं और अब नई सरकार में विदेश मंत्री के रूप में उनकी यह यात्रा दोनों देशों के बीच रिश्तों को फिर से पटरी पर लाने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। इस दौरे के एजेंडे में सबसे ऊपर 1996 की गंगा जल संधि का नवीनीकरण है। 30 साल की अवधि के लिए हस्ताक्षरित इस संधि की मियाद दिसंबर 2026 में समाप्त हो रही है। दोनों देशों ने पहले ही इसके नवीनीकरण के लिए चर्चा शुरू कर दी है और हाल ही में पद्मा व गंगा नदियों पर संयुक्त जल मापन की प्रक्रिया भी की गई है। इसके साथ ही, खलीलुर रहमान वर्ष 2026-2027 के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्षता के लिए बांग्लादेश की उम्मीदवारी पेश कर रहे हैं। इस चुनाव में वे भारत का समर्थन हासिल करने की पुरजोर कोशिश करेंगे। कुल मिलाकर, यह दौरा न केवल द्विपक्षीय व्यापार और संसाधन साझाकरण के लिए अहम है, बल्कि यह भविष्य में भारत-बांग्लादेश के बीच रणनीतिक साझेदारी की नई दिशा भी तय करेगा। वैश्विक भू-राजनीति में हो रहे बदलावों के बीच दोनों देशों के नेताओं की यह मुलाकात पूरे क्षेत्र की स्थिरता के लिए निर्णायक साबित हो सकती है।

बालिगों के प्रेम विवाह को सम्मान का मुद्दा नहीं बना सकता परिवार, सुरक्षा देना राज्य का दायित्व

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और बालिगों के अधिकारों को लेकर एक बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यदि दो बालिग व्यक्ति अपनी पसंद से विवाह (प्रेम विवाह) करते हैं, तो कोई भी अन्य व्यक्ति या परिवार इसे अपनी प्रतिष्ठा या सम्मान का मुद्दा नहीं बना सकता। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यह तल्ख टिप्पणी की। कोर्ट ने रेखांकित किया कि ऐसे मामलों में राज्य का यह प्राथमिक दायित्व है कि वह दंपति के जीवन, उनकी स्वतंत्रता और संपत्ति की रक्षा करे, भले ही उन्हें खतरा उनके अपने ही परिवार के सदस्यों से क्यों न हो। यह मामला एक ऐसे जोड़े से जुड़ा था, जिसने अपनी मर्जी से आर्य समाज मंदिर में विवाह किया था और उनके पास वैध विवाह पंजीकरण प्रमाणपत्र भी मौजूद था। दंपति ने अदालत को बताया कि महिला के परिवार वाले इस रिश्ते के सख्त खिलाफ हैं और उन्होंने उनके विरुद्ध झूठा आपराधिक मामला दर्ज करा दिया है। याचियों ने संयुक्त हलफनामा दाखिल कर यह गंभीर आशंका जताई कि उन्हें ऑनर किलिंग यानी सम्मान के नाम पर हत्या का शिकार बनाया जा सकता है। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए न केवल दंपति को अंतरिम राहत प्रदान की, बल्कि उनकी गिरफ्तारी पर भी रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए महिला के परिवार को निर्देश दिया है कि वे दंपति को किसी भी प्रकार की शारीरिक या मानसिक क्षति न पहुंचाएं। कोर्ट ने परिवार को स्पष्ट हिदायत दी कि वे न तो दंपति के घर में प्रवेश करें और न ही उनसे सीधे तौर पर या किसी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम (फोन, सोशल मीडिया आदि) से संपर्क करने की कोशिश करें। इसके साथ ही, अलीगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को आदेश दिया गया है कि वे व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित करें कि इस नवविवाहित जोड़े को किसी भी प्रकार का खतरा न हो। इस मामले की अगली सुनवाई अब 8 अप्रैल को तय की गई है। एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह ने अंतरधार्मिक लिव-इन संबंधों पर भी बड़ी टिप्पणी की। अदालत ने अलग-अलग धर्मों के युवक-युवती द्वारा दायर सुरक्षा याचिका को स्वीकार करते हुए कहा कि भारत के किसी भी कानून के तहत अंतरधार्मिक लिव-इन संबंध अपराध या निषिद्ध नहीं हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संविधान के तहत मिले मौलिक अधिकारों से किसी को भी महज इसलिए वंचित नहीं किया जा सकता क्योंकि वे अलग धर्मों से ताल्लुक रखते हैं। न्यायाधीश ने कहा कि जाति, पंथ, लिंग या धर्म के आधार पर भेदभाव की देश के कानून में कोई जगह नहीं है। सोनभद्र के एक मुस्लिम युवक और उसकी हिंदू साथी की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने पुलिस को उन्हें सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया है।

मिडिल-ईस्ट की जंग और भारत की आसमानी सरहद पर मंडराता साइलेंट खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया के रेगिस्तान में गिरते मिसाइल और गरजते लड़ाकू विमानों की गूंज अब भारतीय वायुसेना के बेड़े में सन्नाटा पैदा कर रही है। यह महज एक संयोग नहीं, बल्कि आधुनिक युद्ध का वह क्रूर चेहरा है जहां सीमाएं आपस में जुड़ी नहीं होतीं, फिर भी एक देश की जंग दूसरे देश की सुरक्षा तैयारियों को बंधक बना लेती है। इजरायल-ईरान के बीच छिड़ा महायुद्ध भारत के स्वदेशी फाइटर जेट तेजस मार्क-1ए के लिए एक ऐसा अदृश्य अवरोध बन गया है, जिसने रक्षा गलियारों में चिंता की लकीरें खींच दी हैं। यह संकट अब केवल तेल की कीमतों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की कॉम्बैट स्ट्रेंथ (युद्धक क्षमता) पर सीधा प्रहार है।

भारतीय वायुसेना वर्तमान में लड़ाकू विमानों की अपनी स्वीकृत संख्या (42 स्क्वाड्रन) के मुकाबले बेहद कम स्तर पर काम कर रही है। इस गैप को भरने के लिए स्वदेशी तेजस मार्क-1ए को गेम-चेंजर माना गया था। 180 विमानों का भारी-भरकम ऑर्डर एचएएल के पास है, लेकिन हकीकत यह है कि मार्च 2024 की डेडलाइन बीत जाने के बावजूद वायुसेना के हाथ अब तक खाली हैं। इस देरी की सबसे बड़ी और कड़वी वजह यह है कि तेजस का दिल (अमेरिकी इंजन) और उसकी आंखें (इजरायली रडार) दोनों ही इस वक्त युद्ध के मैदान में उलझे हुए हैं। अमेरिकी कंपनी जीई जो तेजस को एफ-404 इंजन सप्लाई करती है, वह इस समय वॉशिंगटन और यरूशलेम के रणनीतिक दबाव में है। यूक्रेन और मिडिल-ईस्ट के मोर्चों पर अमेरिकी लड़ाकू विमानों की बढ़ती सक्रियता के कारण जीई ने भारत को इंजन देना लगभग बंद कर दिया है। पिछले 90 दिनों से भारत को एक भी इंजन प्राप्त नहीं हुआ है, जबकि वादा हर महीने दो इंजन देने का था। अमेरिकी कंपनियां इस समय अपने घरेलू और इजरायली ऑर्डर्स को वॉर-प्रायोरिटी पर रख रही हैं, जिसका सीधा मतलब है कि भारत का प्रोजेक्ट उनकी प्राथमिकता सूची में सबसे नीचे खिसक गया है।

यही हाल इजरायली रडार सिस्टम का भी है। तेजस को दुनिया का सबसे घातक लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट बनाने वाला इजरायली ईएल/एम-2052 एईएसए रडार अब इजरायल की अपनी रक्षा जरूरतों के लिए रिजर्व कर लिया गया है। इजरायल इस समय अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है, ऐसे में उसकी कंपनियां भारत को रडार सप्लाई करने के बजाय अपनी सेना के लिए रडार और मिसाइल डिफेंस सिस्टम बनाने में जुटी हैं। यह स्थिति भारत के लिए एक कड़वा वेक-अप कॉल है। यह साबित हो गया है कि वैश्विक अस्थिरता के दौर में ग्लोबल सप्लाई चेन पर निर्भरता कितनी जोखिम भरी हो सकती है। जब दुनिया की महाशक्तियां जंग में उलझती हैं, तो वे अपने सहयोगियों के

साथ हुए व्यापारिक करारों को दरकिनार करने में संकोच नहीं करतीं। भारत का तेजस प्रोजेक्ट इस समय उसी कोलेटरल डैमेज का शिकार हो रहा है, जो किसी भी समय हमारी वायुसेना की मारक क्षमता को कमजोर कर सकता है।

मंडलायुक्त डॉ. रूपेश कुमार की सख्ती सीएम डैशबोर्ड पर रैंकिंग सुधारने के सख्त निर्देश

सहारनपुर (शिखर समाचार)। मंडलायुक्त डॉ. रूपेश कुमार की अध्यक्षता में सर्किट हाउस में विकास कार्यों, राजस्व एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सी व डी श्रेणी में शामिल विभाग मार्च माह के भीतर हर हाल में अपनी रैंकिंग में सुधार सुनिश्चित करें, जबकि ए श्रेणी के विभाग अपनी बेहतर स्थिति को बनाए रखें।

मंडलायुक्त ने वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पूर्व सभी विभागों को अपने वित्तीय कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण कर संबंधित पोर्टलों पर अनिवार्य रूप से अपलोड करने के निर्देश दिए। उन्होंने आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष जोर दिया।

बैठक में उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत खोदी गई सड़कों की मरम्मत कार्य जून माह तक पूर्ण करने, हिण्डन नदी की सफाई हेतु शीघ्र कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करने तथा विद्युत संबंधी शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मंडलायुक्त ने महिला अपराध, पॉक्सो एक्ट तथा गैंगस्टर से जुड़े मामलों में तेजी से कार्रवाई करते हुए दोषियों को शीघ्र सजा दिलाने पर बल दिया।

बैठक में पुलिस उप महानिरीक्षक अभिषेक सिंह, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल, जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर उमेश मिश्रा, जिलाधिकारी शामली अरविन्द चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर अभिनन्दन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर संजय कुमार वर्मा, पुलिस अधीक्षक शामली नरेन्द्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सहारनपुर सुमित राजेश महाजन, मुख्य विकास अधिकारी शामली विनय तिवारी, अपर आयुक्त प्रशासन रमेश यादव, अपर जिलाधिकारी प्रशासन संतोष बहादुर सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सहारनपुर सलिल कुमार पटेल, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सहारनपुर राम आसरे वर्मा, संयुक्त विकास आयुक्त दुष्यंत कुमार सिंह, उप निदेशक पंचायत हरिकेश बहादुर, डीआईजी स्टाम्प अखिलेश दुबे सहित लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, जल निगम, चिकित्सा एवं अन्य संबंधित विभागों के मंडल व जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कारागार निरीक्षण में व्यवस्थाओं का जायजा, बंदियों को मिली विधिक सहायता और अधिकारों की जानकारी

मुजफ्फरनगर। (शिखर समाचार) जिला कारागार का सोमवार को उच्चाधिकारियों की टीम द्वारा निरीक्षण किया गया, जिसमें व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान पाकशाला, अस्पताल, पुरुष एवं महिला बैरकों की स्थिति का बारीकी से अवलोकन करते हुए साफ सफाई, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं की जांच की गई।

निरीक्षण टीम में जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बीरेन्द्र कुमार सिंह, सिविल जज (सीडी) एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी, जिलाधिकारी उमेश मिश्रा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

इस अवसर पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी एवं लीगल एंड डिफेंस काउंसिल सिस्टम से जुड़े अधिवक्ताओं ने बंदियों को उनके संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बंदियों को जागरूक करते हुए कहा कि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें और आवश्यकता पड़ने पर विधिक सहायता प्राप्त करें। निरीक्षण के दौरान बंदियों की समस्याएं भी सुनी गईं। सचिव ने आश्वस्त किया कि यदि उच्च न्यायालय में अपील दाखिल करने या अन्य कानूनी प्रक्रिया में किसी प्रकार की कठिनाई आती है, तो बंदी अधीक्षक जिला कारागार के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को अवगत करा सकते हैं। उनके प्रार्थना पत्रों पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। अधीक्षक जिला कारागार को निर्देशित किया गया कि जिन बंदियों के मामले ई जेल लोक अदालत या जेल लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किए जा सकते हैं, उनकी सूची जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को भेजी जाए, ताकि मामलों का शीघ्र निस्तारण कराया जा सके। इसके अतिरिक्त, जिन बंदियों की जमानत याचिका अधीनस्थ न्यायालय द्वारा स्वीकृत हो चुकी है, उन्हें आवश्यक विधिक सहायता उपलब्ध कराई गई। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के निर्देश भी दिए।

ग्रह क्लेश में उजड़ा पूरा परिवार : ईदी को लेकर विवाद के बाद चार की संदिग्ध मौत, इलाके में सनसनी

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के सरवट इलाके में एक ही परिवार के चार सदस्यों पति, पत्नी और दो मासूम बच्चों के शव घर के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से हड़कंप मच गया। मृतकों में इरशाद (35), उनकी पत्नी नूरीन, करीब दो माह की बच्ची और लगभग दो वर्ष का बेटा शामिल हैं। इस हृदयविदारक घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल जांच शुरू कर दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया, ताकि हर पहलू से साक्ष्य जुटाए जा सकें। सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि मामला सामूहिक आत्महत्या का है, जहरीले पदार्थ के सेवन का या फिर किसी अन्य साजिश का। पुलिस आसपास केलोगों और पड़ोसियों से पूछताछ कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ईद के मौके पर दी जाने वाली ईदी को लेकर परिवार में विवाद हुआ था। बताया जा रहा है कि इरशाद ने अपनी बहन शाहीन को करीब 1500 रुपये ईदी के रूप में दिए थे, जिसको लेकर पति पत्नी के बीच तनाव उत्पन्न हो गया। हालांकि पुलिस ने अभी इस कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और सभी संभावित पहलुओं पर जांच जारी है। सूत्रों के मुताबिक विवाद के पीछे पारिवारिक कलह (गृह क्लेश) की स्थिति लंबे समय से बनी हुई थी, जो इस दर्दनाक घटना का कारण बन सकती है। लेकिन जब तक पोस्टमार्टम और जांच रिपोर्ट सामने नहीं आती, तब तक किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। इस घटना ने समाज के सामने कई सवाल खड़े कर दिए हैं क्या छोटे छोटे पारिवारिक विवाद इतनी बड़ी त्रासदी का रूप ले सकते हैं? और आखिर कैसे ऐसे मामलों को समय रहते रोका जा सकता है?

इलाके में शोक का माहौल है और लोग इस बात पर विश्वास नहीं कर पा रहे कि जिस घर में कल तक बच्चों की किलकारियां गूंजती थीं, आज वहां सन्नाटा और मातम पसरा हुआ है।

विशेष समुदाय की महिला से शादी करने पर नितिन को पत्नी के परिजनों ने उतारा मौत के घाट

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दिल्ली से सटे गाजियाबाद के लोनी थाना क्षेत्र के गीतांजलि बिहार में उसे समय हड़कंप का माहौल हो गया जब उन्हें नितिन की हत्या की सूचना मिली। नितिन की हत्या की सूचना सुनते ही परिवार के लोग इकट्ठा हुए गए। जब उसका शव घर पहुंचा तो परिवार वालों ने शव को रोड पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया और आरोपियों के ऊपर सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की। मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शन को शांत करते हुए परिवार को मजबूत कार्यवाही का आश्वासन दिया। आपको बता दे कि नितिन ने बीते वर्ष विशेष समुदाय की महिला मुस्कान से शादी की थी। शादी के कुछ वक्त बात से ही दोनों के बीच में विवाद होना शुरू हो गया था। विवाद के चलते ही मुस्कान कुछ दिन पूर्व घर से चली गई थी। उसके घर से जाने के बाद उसके परिजनों ने नितिन को बुलाया था। नितिन जब उनके बुलाई जगह पर अपने भाई के साथ पहुंचा तो कुछ ही देर बाद सभी के बीच नोक झोक शुरू हो गए। देखते ही देखते

नोकझोंक इतनी बढ़ गई की मुस्कान के परिजनों ने नितिन पर हमला करना शुरू कर दिया। नितिन पर हमला होते ही उसका भाई मौके से भाग गया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस के साथ वह मिलकर थाना टीला मोड़ क्षेत्र के भनेड़ा पुलिया पर पहुंचा, जहां पर उसकी गंभीर हालत में फेंक कर वह लोग चले गए थे। नितिन को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर डॉक्टर ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और इस घटना से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

10 वर्षों की सेवा के बाद प्रधानाचार्य ऋषि पाल यादव का भव्य सम्मान समारोह

दादरी (शिखर समाचार)। प्राथमिक विद्यालय सीदीपुर प्रधानाचार्य ऋषि पाल यादव ने 10 वर्ष कर्यकाले अच्छे ढंग किया इस अवसर पर उनका सम्मान में उनके 10 वर्षों की उत्कृष्ट शैक्षिक सेवा पूर्ण होने पर भव्य सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्राथमिक विद्यालय सीदीपुर में समस्ते विद्यालय परिवार, सामाजिक संगठनों और क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने भाग लेकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि ऋषि पाल यादव ने अपने कार्यकाल के दौरान शिक्षा के साथ-साथ संस्कार और राष्ट्रभक्ति की भावना को विद्यार्थियों में विकसित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उनके मार्गदर्शन में विद्यालय ने शिक्षा और अनुशासन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया। प्राथमिक विद्यालय बच्चों का मनोबल भी टूटता नजर आ रहा था। जबे प्रधानाचार्य ऋषि पाल अपने घर को निकल रहे थे। तब सभी बच्चे भावुके नजर आ रहे थे। प्रधानाचार्ये ऋषि पाल का बच्चों से बहुत लगावा था। समारोह में उपस्थित लोगों ने उनके समर्पण, सरल स्वभाव और प्रेरणादायक व्यक्तित्व की सराहना करते हुए कहा कि उनका जीवन शिक्षा और समाज सेवा के लिए समर्पित रहा है। कार्यक्रम के अंत में उन्हें स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया और उनके स्वस्थ व उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम का सफल संचालन जितेन्द्र तोमर ने किया।सेवानिवृत पार्टी मे वेद प्रकाश गौर,मो जाहिद,इंदु भाटी,अशोक कुमार,सरिता कोशिक,मीनू वर्मा,कुलदीप सक्सेना,अमन यादव,जितेंद्र तोमर,संजय यादव रितु बाला और स्कूल स्टाफ इंदु भाटी आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सड़क निर्माण बना मौत का कारण : रोड रोलर की चपेट में आकर रिटायर्ड पोस्टमैन की दर्दनाक मौत

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना धौलाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में रोड रोलर की चपेट में आने से रिटायर्ड पोस्टमैन चतर सिंह यादव की मौत हो गई, जिससे पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, निधावली गांव निवासी चतर सिंह यादव देर शाम अपनी मोपेड से घर लौट रहे थे। इसी दौरान नहर की पटरी पर चल रहे सड़क निर्माण कार्य के बीच वे रोड रोलर की चपेट में आ गए। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। ग्राम प्रधान भरत ने बताया कि चतर सिंह यादव मिलनसार एवं सरल स्वभाव के व्यक्ति थे, जिनका गांव में विशेष सम्मान था। उनकी आकस्मिक मृत्यु से पूरे क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है।

कैराना पुलिस ने दबोचा हथियार तस्कर, भारी मात्रा में अवैध असलहा बरामद

एसपी ने पुलिस लाइन में किया खुलासा, मध्यप्रदेश से होती थी सप्लाई

शामली (शिखर समाचार)। कैराना पुलिस ने अवैध हथियार तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से दस अवैध पिस्टल, पांच तमंचे, कारतूस, एक मोबाइल फोन तथा तस्करी में प्रयुक्त बाइक बरामद की है। बरामद हथियारों की सप्लाई मध्यप्रदेश से की जा रही थी। मंगलवार को पुलिस लाइन में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि जनपद में अवैध हथियारों की बरामदगी और तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत कैराना पुलिस को यह सफलता मिली। गिरफ्तार तस्कर ने अपना नाम शोएब पुत्र महताब निवासी गांव तितरवाड़ा थाना कैराना बताया। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि

वह अवैध पिस्टल और तमंचे खरीदने के लिए अकरम नामक व्यक्ति से व्हाट्सऐप कॉल के माध्यम से संपर्क करता था। अकरम उससे मध्यप्रदेश के बुरहानपुर रेलवे स्टेशन पर मिलता था और बैग में रखकर हथियार सौंप देता था। इसके बदले वह नकद भुगतान करता था।

तस्कर ने बताया कि वह इन हथियारों को बाइक के जरिए कादिर पुत्र आबिद निवासी गांव तितरवाड़ा को सप्लाई करने जा रहा था। कादिर इन हथियारों को अपने पास रखकर आगे सप्लाई करता था। उसने पहले भी कई बार पिस्टल और तमंचे लाकर कादिर को दिए हैं।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा।

ट्रेन के माध्यम से लाई जाती थी हथियारों की खेप

एसपी ने बताया कि पुलिस चेकिंग से बचने के लिए हथियारों को ट्रेन के माध्यम से शामली लाया जाता था। इसके बाद गिरोह के अन्य सदस्य इन हथियारों को पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा के अपराधियों तक पहुंचाते थे।

उन्होंने बताया कि गिरोह लंबे समय से सक्रिय था और इसमें कई स्थानीय व बाहरी सदस्य शामिल हैं। पुलिस ने गिरोह के अन्य सदस्यों को चिन्हित कर लिया है और उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि बरामद हथियारों की यह खेप किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए तो नहीं मंगाई गई थी।

पानी की टंकी पर लटका मिला लापता युवक का शव, सुसाइड नोट बरामद

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब घर से लापता 22 वर्षीय युवक का शव कालाखेड़ी मार्ग स्थित एक निमार्णाधीन पानी की टंकी पर रस्सी से लटका मिला। मौके से पुलिस ने एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है, जिसमें युवक ने स्वेच्छा से आत्महत्या करने की बात लिखी है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच में जुटी हुई है। मोहल्ला लाल सराय पुलिस चौकी के समीप रहने वाला नावेद सोमवार शाम करीब साढ़े छह बजे घर से लापता हो गया था। परिजनों ने देर रात तक उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका। मंगलवार सुबह कालाखेड़ी रोड स्थित आईटीआई के सामने निमार्णाधीन पानी की टंकी पर एक युवक का शव रस्सी से लटका देख राहगीरों में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिसमें कालाखेड़ी गांव और आजाद कॉलोनी लाइनपार के सैकड़ों लोग शामिल थे। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन टंकी की अधिक ऊंचाई होने के कारण स्थानीय लोगों की मदद से शव को नीचे उतारा गया। मृतक की पहचान नावेद के रूप में हुई। वार्ड सभासद सिद्दीक मुलतानी के अनुसार, मृतक बिजली का कारीगर था और मुंबई में कार्य करता था। वह ईद मनाने के लिए अपने घर आया हुआ था। सोमवार शाम से लापता होने के बाद परिजन लगातार उसकी तलाश कर रहे थे। क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि युवक का शव टंकी पर रस्सी से लटका मिला है। मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उसने अपनी इच्छा से आत्महत्या करने की बात लिखी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहन जांच जारी है।

जादू टोने के शक में महिला की हत्या : तीन भाइयों को उम्रकैद, 3.25 लाख का जुमार्ना

सहारनपुर (शिखर समाचार)। थाना तीतरो क्षेत्र में जादू टोने के शक में महिला की हत्या के मामले में अदालत ने सख्त फैसला सुनाते हुए तीन सगे भाइयों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश (कक्ष संख्या-1) की अदालत ने दोषी आसिफ, आमिर और नवाजिश को उम्रकैद के साथ 3.25 लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

अभियोजन के अनुसार घटना 25 नवंबर 2018 की है। मोहल्ला शेखजादगान निवासी शाहीन अपनी बेटी नाजमा के साथ बाजार से घर लौट रही थीं। इसी दौरान रास्ते में आरोपियों ने उन्हें घेर लिया और आसिफ ने शाहीन को गोली मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। जांच में सामने आया कि आरोपियों के छोटे भाई सुफियान की बीमारी से मौत हो गई थी, जिसका जिम्मेदार वे शाहीन को मानते थे। आरोप था कि शाहीन जादू टोना करती थीं, इसी शक के चलते वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस ने घटना के बाद कार्रवाई करते हुए आरोपी आसिफ के कब्जे से एक देशी पिस्टल और कारतूस बरामद किए थे। मामले में अभियोजन पक्ष ने अदालत में कुल 21 गवाह पेश किए, जिनमें मृतका की बेटी नाजमा की गवाही सबसे महत्वपूर्ण रही। सभी साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर अदालत ने तीनों आरोपियों को दोषी करार देते हुए कठोर सजा सुनाई। मामले में अन्य आरोपी इरफान और आरोपियों के पिता की सुनवाई के दौरान ही मृत्यु हो चुकी थी।

फाइनेंस के नाम पर ठगी: कोर्ट के आदेश पर तीन के खिलाफ केस दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। मोबाइल फाइनेंस कराने का झांसा देकर युवक से दस्तावेज लेकर धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार के अनुसार, नई आबादी मोहल्ला निवासी अजीम 5 अक्टूबर 2025 को मोबाइल खरीदने जा रहे थे। रास्ते में जीशान ने उन्हें अपने फाइनेंसर दोस्त से मिलवाने का झांसा दिया। इसके बाद अजीम को ग्रेटर नोएडा वेस्ट ले जाकर अविनाश और दुकान कर्मचारी दीपक से मिलवाया गया। आरोप है कि आरोपियों ने आधार कार्ड, बैंक स्टेटमेंट सहित जरूरी दस्तावेज ले लिए और ओटीपी भी प्राप्त कर लिया। बाद में फाइनेंस रिजेक्ट होने की बात कहकर टाल दिया गया। कुछ समय बाद अजीम को मोबाइल की किस्त भरने का मैसेज मिला, जिससे वह हैरान रह गया। जब पीड़ित ने आरोपियों से संपर्क किया तो उसे गाली-गलौच व जान से मारने की धमकी दी गई। मामले की शिकायत के बाद न्यायालय के आदेश पर तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी है।

पटेल माउन्टेसरी स्कूल में वार्षिक परीक्षाफल व पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

हापुड़ (शिखर समाचार)। पटेल माउन्टेसरी जूनियर हाईस्कूल परिसर में वार्षिक परीक्षाफल एवं पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि कविता माथरे (जिला अध्यक्ष, भाजपा) तथा विशिष्ट अतिथि प्रशांत त्यागी (नगर अध्यक्ष, भाजपा) और गगन बाटला (सचिव, रामतीर्थ कॉलेज ग्रुप) उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत नन्हें बच्चों द्वारा पुष्पमालाएं पहनाकर किया गया, जबकि प्रधानाचार्य मोहित कुमार कृष्णा ने अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी का पुरस्कार रीबा और गौरांश को प्रदान किया गया। विभिन्न कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। खेलकूद प्रतियोगिताओं एवं विज्ञान प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में छात्रों की उपलब्धियों पर हर्ष व्यक्त किया गया।

कार्यालय जिला नगरीय विकास अभिकरण, बिजनौर

कमरा न0 301, विकास भवन बिजनौर-246701

पत्रांक: 1310/टेण्डर/2025-26 **दिनॉक: 30.03.2026**

ई-टैण्डर/ऑफ लाईन निविदा सूचना

जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) बिजनौर में ए, बी एवं सी श्रेणी के समस्त पंजीकृत ठेकेदारों / फर्म को एतद्वारा सुचित किया जाता है कि जिला नगरीय विकास अभिकरण बिजनौर द्वारा मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित एवं मलिन बस्ती विकास योजना के अन्तर्गत निर्माण कार्य कराये जाने हेतु 32 कार्य ई-टेण्डर निविदाए एवं 03 कार्य मैनुअल निविदाए दिनॉक 01.04.2026 से 13.04.2026 अपरान्ह 11.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। 03 कार्यों की मैनुअल निविदाए 01.04.2026 से 12.04.2026 तक विभाग से निविदा शुल्क जमा कर प्राप्त की जा सकती है। दिनॉक 13.04.2026 को शाम 2.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष परियोजना अधिकारी डूडा बिजनौर के द्वारा खोली जायेगी। अन्य सूचनाएँ डूडा कार्यालय बिजनौर से किसी भी कार्यदिवस में प्राप्त की जा सकती है।

परियोजना अधिकारी
जिला नगरीय विकास अभिकरण
बिजनौर।

देवर के प्यार में अंधी रूही: रात पति को दूध में दीं नींद की गोलियां, फिर चाकू से काटा गला

हसनपुर(एजेंसी)। यूपी के अमरोहा स्थित हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के पिपलौती कलां गांव में अवैध संबंधों में बाधक बन रहे राजमिस्त्री मेहराज उर्फ मिराज (30) की उसकी ही पत्नी ने प्रेमी व एक अन्य साथी के साथ मिलकर हत्या कराने के मामले में तीनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। जहां से दोनों को जेल दिया गया है। इससे पहले पुलिस ने दो चाकू व दो मोबाइल भी बरामद किए।
कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि आरोपी महिला रूही ने पूछताछ में बताया कि वह शादी से पहले से गांव में ही बड़ी बहन के देवर फरमान से प्रेम करती थी, उसी से शादी करना चाहती थी, लेकिन बदकिस्मती से उसकी शादी मेहराज से हो गई, शादी के बाद भी फरमान से प्रेम कम नहीं हुआ। मेहराज दोनों के बीच संबंधों का राज जान चुका था और वह इसका विरोध करता था। इसलिए मेहराज को रास्ते से हटाने के लिए हत्या की योजना बनाई। दूध में नींद की गोलियां खिलाई और प्रेमी फरमान व बुरावली निवासी अदनान के साथ मिलकर उसकी हत्या करा दी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी ने बताया तीनों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से जेल भेजा गया है। मृतक मेहराज की पत्नी रूही ने मेहराज की हत्या के बाद लूट की झूठी कहानी रच दी। जिससे घटना को दूसरे रूप में देखा जा सके। पहले रूही ने बताया कि रात में सोते समय कुछ लोग आए थे, उन्होंने कुंडल लूट लिए और मोबाइल भी ले गए। उन्होंने ने ही मेहराज की हत्या की है। रविवार की सुबह को जब परिवार के अन्य लोग व ग्रामीण घर पहुंचे तो घड़ियाली आंसू बहाती रही और मुंह ढककर रोने का नाटक करती रही। अपनों के खून के लिए हसनपुर क्षेत्र पहले से ही बदनाम है। वर्ष 2008 में गांव बावनखेड़ी में शबनम ने प्रेमी के साथ मिलकर माता, पिता, भाई-भाभी समेत सात लोगों का कत्ल कर दिया था। इसके बाद अब फिर एक महिला ने अपने ही प्रेमी के साथ मिलकर पति को मौत के घाट उतार दिया।क्षेत्र के गांव पिपलौती कला में राजमिस्त्री मेहराज उर्फ मिराज की हत्या के बाद ये बात सामने आई है कि मेहराज का अपनी पत्नी से कई दिनों से विवाद चल रहा था। पत्नी ने अपने पति के साथ रहने से साफ इन्कार कर दिया था।मृतक मेहराज की चाची इस्तकीन के अनुसार पति-पत्नी के बीच विवाद की चिंगारी 21 मार्च यानी ईद के दिन सुलगी थी। उसके बाद से दोनों के बीच सुलह नहीं हो सकी। रूही अपने पति मेहराज के साथ रहने को कतई तैयार नहीं थी। आलम यह था कि पिछले एक सप्ताह से घर में चूल्हा तो जल रहा था, लेकिन मेहराज के लिए नहीं। रूही उसे खाना तक नहीं दे रही थी, जिस कारण मेहराज को मोहल्ले में अपने रिश्तेदारों और कुनबे के अन्य घरों में जाकर खाना खाना पड़ रहा था। मेहराज की मौत से दो मासूमों के भविष्य भी मुश्किल में पड़ गया है। बड़ा बेटा फरहान (05) और छोटा बेटा अली (03) अब पूरी तरह अनाथ जैसे हो गए हैं। पिता की हत्या हो चुकी है और मां पर ही कत्ल का संगीन आरोप है। गांव में चर्चा है कि आपसी कलह ने हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया। घटना का सबसे हृदय विदारक पहलू यह रहा कि जिस चारपाई पर मेहराज का गला रेता गया, उसी पर उसका पांच वर्षीय बड़ा बेटा फरहान भी सो रहा था। हत्या के दौरान पिता के खून के छीटें मासूम के कपड़ों पर भी पड़े। सुबह जब आंख खुली तो बिस्तर खून से लथपथ था और पिता का शव पास ही पड़ा था। मासूम फरहान इस मंजर को देखकर गहरी दहशत में है।

योगी आदित्यनाथ की मां पर टिप्पणी करने वाला मौलाना पूर्णिया से गिरफ्तार

पूर्णिया (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां के खिलाफ कथित अभद्र और अमर्यादित टिप्पणी करने के आरोपी मौलाना अब्दुल्लाह सालिम कमर कासमी चतुर्वेदी को यूपी एसटीएफ ने सोमवार देर शाम पूर्णिया जिले से गिरफ्तार कर लिया।मूल रूप से अररिया जिले के जोकीहाट निवासी मौलाना को पूर्णिया के अमौर थाना क्षेत्र के दलमालपुर चौक से उस समय पकड़ा गया, जब वे वहां मौजूद थे। इस हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारी के बाद सीमांचल की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।मौलाना अब्दुल्लाह सालिम पर आरोप है कि उन्होंने रमजान के दौरान एक मजहबी जलसे में मुख्यमंत्री की माता के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया था। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में विरोध प्रदर्शन हुए थे। मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि राज्य के 83 थानों में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी।यूपी एसटीएफ लंबे समय से उनकी लोकेशन ट्रेस कर रही थी, जो सोमवार को पूर्णिया के अमौर में मिली। इस बीच अक्टक्ट विधायक अख्तरुल ईमान ने गिरफ्तारी की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि सादे कपड़ों में आए लोगों ने मौलाना को अचानक उठा लिया, जिसे स्थानीय लोगों ने पहले अपहरण समझा। हालांकि बाद में स्थानीय पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह यूपी एसटीएफ की टीम थी, जो ट्रांजिट रिमांड पर मौलाना को अपने साथ ले गई है।गिरफ्तारी से पहले मौलाना ने एक वीडियो जारी कर दावा किया था कि उनके पुराने बयान को काट-छांटकर गलत तरीके से पेश किया गया है और यह एक राजनीतिक साजिश है। बावजूद इसके, यूपी पुलिस ने उन्हें मुख्य आरोपी मानते हुए कार्रवाई की है।गिरफ्तारी के बाद उनके समर्थकों ने निष्पक्ष जांच की मांग की है, जबकि यूपी एसटीएफ उन्हें उत्तर प्रदेश ले जाने की तैयारी में है, जहां दर्ज मामलों में उनसे पूछताछ की जाएगी। पूर्णिया और अररिया के सीमावर्ती इलाकों में एहतियात के तौर पर पुलिस प्रशासन अलर्ट पर है।

पेट्रोल-डीजल और एलपीजी पर सरकार की सख्त निगरानी

अब तक 17 हजार से अधिक छापे; 224 के खिलाफ मुकदमा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति को लेकर सरकार एक्शन मोड में है। कालाबाजारी और अवैध बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए 12 मार्च से अब तक 17,581 छापेमारी और निरीक्षण किए गए हैं। इस दौरान एलपीजी वितरकों के खिलाफ 33 एफआईआर दर्ज की गईं, जबकि अन्य मामलों में 189 एफआईआर दर्ज कर 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा 224 लोगों के खिलाफ मुकदमे की कार्रवाई भी की गई है। मुख्य सचिव स्तर से जारी निर्देशों के बाद सभी जिलों में प्रशासन सक्रिय है और फील्ड में लगातार निगरानी की जा रही है। जिला पूर्ति अधिकारी और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी नियमित रूप से निरीक्षण कर रहे हैं, ताकि उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर और ईंधन मिल सके।प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति फिलहाल पूरी तरह सामान्य है। राज्य में 12,888 पेट्रोल पंप संचालित हैं। वर्तमान में प्रदेश में करीब 91 हजार किलोलीटर पेट्रोल और 1.15 लाख किलोलीटर डीजल का स्टॉक उपलब्ध है। सरकार ने लोगों से अपील की है कि घबराहट में ईंधन का भंडारण न करें। 20 प्रतिशत अतिरिक्त आवंटन की अनुमति एलपीजी की स्थिति भी संतोषजनक बताई जा रही है। सरकार ने सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क के विस्तार पर भी जोर दिया है। वहीं, केंद्र सरकार ने 23 मार्च से वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों के 20 प्रतिशत अतिरिक्त आवंटन की अनुमति भी दी है।

बरेली में ट्रैक्टर ट्राली की पिकअप से टक्कर

बरेली (एजेंसी)। नैनीताल हाईवे पर आज सुबह सड़क हादसा हो गया। भोजीपुरा थाना क्षेत्र के अभयपुर अग्रास रोड पर घंघोरा-घंघोरी के पास मिट्टी से लदी एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली ने कूरियर पिकअप को सामने से टक्कर मार दी। चश्मदीदों के मुताबिक, ट्रैक्टर-ट्राली रॉन्ग साइड से आ रही थी, जिसके कारण यह आमने-सामने की भिड़ंत हुई। यह पूरी घटना पास में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज में साफ दिख रहा है कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। हादसे के बाद पिकअप का ड्राइवर केबिन के मलबे में ही बुरी तरह फंस गया था। मौके पर मौजूद लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद घायल ड्राइवर को बाहर निकाला और एंबुलेंस की मदद से निजी अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे में ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हुआ है और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच कर रही है और रॉन्ग साइड से आ रहे ट्रैक्टर चालक के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी में है।

किडनी कांड
9.5 लाख में खरीदकर 90 लाख में बेची; डॉक्टर दंपती समेत 10 हिरासत में

कानपुर में किडनी रैकेट मामले में जिन तीन प्राइवेट अस्पतालों का नाम सामने आ रहा है, उनमें से एक के पास रजिस्ट्रेशन भी नहीं है। पूरा अस्पताल ही अवैध तरीके से संचालित हो रहा है। इसकी जानकारी खुद स्वास्थ्य विभाग को तब हुई जब मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम पुलिस की टीम के साथ निरीक्षण करने पहुंची। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, मामले में 50 से ज्यादा अस्पताल रडार पर हैं जिनकी जांच की जा रही है। पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम संयुक्त रूप से देर रात तक जांच में जुटी रही।सोमवार को पुलिस की सूचना पर स्वास्थ्य विभाग से एसीएमओ डॉ. रमित रस्तोगी और कल्याणपुर सीएचसी प्रभारी डॉ. राजेश सिंह व टीम के अन्य अधिकारियों ने तीनों अस्पतालों का निरीक्षण किया। अधिकारियों के अनुसार, इस मामले कई वरिष्ठ डॉक्टरों से भी पूछताछ की जा सकती है, कुछ चिकित्सक कई बड़ी संस्थाओं से भी जुड़े हैं। एसीएमओ ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग और पुलिस ऐसे डॉक्टरों की भी तलाश कर रही हैं जो सर्जन या नेफ्रोलॉजिस्ट हैं। सूत्रों के अनुसार मामले में जिन अस्पतालों के नाम सामने आ रहे हैं, उनके यहां छोटे ऑपरेशन की भी सुविधा नहीं है। इन अस्पतालों में किडनी ट्रांसप्लांट के लिए बाहर से डॉक्टर बुलाए जाते हैं। चिकित्साधिकारियों के अनुसार ऐसे डॉक्टरों से भी पूछताछ की जाएगी।22 साल पहले भी शहर में किडनी की खरीद-फरोख्त का मामला सामने आया था। इसमें पॉश इलाके में स्थित एक नर्सिंग होम और उसमें कार्यरत सर्जन का नाम प्रकाश में आया था। आरोप था कि रैकेट में शामिल आर्थिक रूप से कमजोर या किसी अन्य बीमारी का इलाज कराने आए मरीज की उसके संबंधित जांचों के साथ की किडनी की भी जांच की जाती थी। जिस मरीज को किडनी की जरूरत होती थी, उससे मैच करने पर किडनी निकालकर ट्रांसप्लांट की जाती थी। मामले में एफआईआर दर्ज हुई थी। बाद में सीबीसीआईडी ने इस मामले की जांच की थी। इसमें शामिल सर्जन वर्तमान में भी चिकित्सा के क्षेत्र में सक्रिय हैं।पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि किडनी ट्रांसप्लांट के लिए लखनऊ, मुंबई और दिल्ली से स्पेशलिस्ट बुलाए जाते थे। ट्रांसप्लांट की टीम में नेफ्रोलॉजिस्ट, ट्रांसप्लांट सर्जन, यूरोलॉजी और ग्राफ्टिंग एक्सपर्ट होते थे। साथ ही एनेस्थेसिस्ट, डायटीशियन भी टीम का हिस्सा होते थे।इनसे हो रही पूछताछ किडनी ट्रांसप्लांट मामले में पुलिस ने पांडुनगर निवासी डॉ. इंदरजीत सिंह, उनके भाई सुरजीत सिंह आहूजा, उसकी पत्नी डॉ. प्रीति आहूजा और एक अन्य युवक से जानकारी जुटाने के लिए सोमवार शाम पूछताछ की है। आहूजा हॉस्पिटल डॉ. इंदरजीत और उनके परिवार का बताया जा रहा है।पुलिस को आवास विकास स्थित आरोही हॉस्पिटल में किडनी डोनर भर्ती मिला है। यह हॉस्पिटल करीब दो माह पहले बंद हो चुका है। सूत्रों के अनुसार पुलिस जांच में सामने आया है कि इस मरीज को हॉस्पिटल के संचालक राजेश के कहने पर भर्ती कराया गया था। पुलिस को मौके से मरीज के नाम का हॉस्पिटल वाला पर्चा मिला है। किडनी रैकेट का भंडाफोड़ होने के बाद पुलिस ने किडनी डोनेट करने वाले और ट्रांसप्लांट कराने वाले की सेहत को देखते हुए उन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है। देर शाम को एंबुलेंस से पुलिस सुरक्षा में दोनों को अस्पताल भेजा गया था। छापे के डर से निजी अस्पतालों ने लाइटें की बंद किडनी रैकेट का भंडाफोड़ होते ही पुलिस ने इलाके के कई अस्पतालों में दबिश दी। इससे कल्याणपुर में संचालित हो रहे वैध-अवैध अस्पताल के संचालकों में खलबली मच गई। अधिकतर ने बाहर लगे ग्लो साइन बोर्ड से लेकर खिड़कियों तक की लाइटें बंद कर दीं। दूर से देखने में लग रहा था कि अस्पताल में कोई मरीज भर्ती ही नहीं है। तीमारदारों को बाहर निकलने से भी रोका गया था।कल्याणपुर में अवैध तरीके से किडनी ट्रांसप्लांट करने का मामला प्रकाश में आया है। यहां के एक अस्पताल में उत्तराखंड के युवक से करीब दस लाख रुपये में किडनी खरीदने का सौदा हुआ। किडनी निकलवाने के बाद दलाल ने उसे जरूरतमंद मरीज को 90 लाख रुपये से अधिक में बेच दिया। अवैध तरीके से की गई किडनी की इस खरीद-फरोख्त का सुराग लगने पर सोमवार को पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने अस्पतालों में छापा मारा। पुलिस ने दलाल, अस्पताल संचालक, डॉक्टर दंपती समेत दस लोगों को हिरासत में लिया है। एक अस्पताल का संबंध आईएमए के एक बड़े पदाधिकारी से बताया जा रहा है। युवक को छह लाख रुपये नकद और 3.5 लाख का चेक दिया कल्याणपुर के आवास विकास तीन निवासी शिवम अग्रवाल पर आरोप है कि उसने उत्तराखंड के युवक को दस लाख में किडनी बेचने का ऑफर दिया था। बताया था कि उसके रिश्तेदार को किडनी की जरूरत है। रुपयों की जरूरत के चलते युवक ने हामी भर दी। रावतपुर स्थित एक अस्पताल में किडनी निकाली गई। दलाल शिवम ने इसी अस्पताल में भर्ती मुजफ्फरनगर की महिला मरीज (35) के परिजन को 90 लाख रुपये से अधिक में किडनी बेच दी। सूत्रों के मुताबिक किडनी बेचने वाले युवक को छह लाख रुपये नकद और 3.5 लाख का चेक दिया। किडनी ट्रांसप्लांट होने के बाद दोनों मरीजों को 24 घंटे तक इसी अस्पताल में रखा गया। इसके बाद दोनों को दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट कर दिया गया।

किडनी रैकेट की जांच कर रही पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सोमवार रात तीन अस्पतालों में छापा मारा। इनमें कल्याणपुर आवास विकास एक नंबर स्थित प्रिया हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर, केशवपुरम रोड स्थित आहूजा हॉस्पिटल, पनकी कल्याणपुर रोड स्थित मेडलाइफ हॉस्पिटल शामिल हैं। टीम ने किडनी संबंधी रोगों के भर्ती मरीजों के बारे में जानकारी जुटाई। छापे की इस कार्रवाई को किडनी रैकेट से जोड़कर देखा जा रहा है।

बीमारी से कांस्टेबल की मौत, पुलिस महकमे में शोक की लहर

हापुड़ (शिखर समाचार)। पिलखुवा क्षेत्र के छिजारसी गांव निवासी सिपाही अवनीश की लंबी बीमारी के चलते मौत हो गई, जिससे पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई।
बताया गया कि अवनीश लीवर की गंभीर बीमारी से पीड़ित थे और लंबे समय से उपचाररत थे। हालत बिगड़ने पर उन्हें जीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।
अवनीश वर्ष 2011 में पुलिस सेवा में भर्ती हुए थे और वर्तमान में जनपद शामली में तैनात थे। बीमारी के बावजूद वे लगातार अपनी ड्यूटी निभा रहे थे। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिवार और ग्रामीणों में कोहराम मच गया, वहीं पुलिसकर्मियों ने भी गहरा शोक व्यक्त किया।

शिक्षा का उत्सव: आर्य कन्या पाठशाला में परीक्षा परिणाम वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

हापुड़ (शिखर समाचार)। आर्य कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज, हापुड़ में आयोजित परीक्षा फल वितरण कार्यक्रम केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि छात्राओं की शैक्षणिक उपलब्धियों का गौरवशाली उत्सव बनकर उभरा। कक्षा 6 से 9 एवं 11 की छात्राओं को वितरित किए गए प्रगति पत्र उनके पूरे वर्ष के अनुशासन, आत्म-मंथन और सीखने की अटूट लगन का प्रमाण बने।
कार्यक्रम के दौरान प्रबंध समिति के प्रबंधक शंशाक आर्य एवं प्रधानाचार्या डॉ. स्नेह प्रभा द्वारा छात्राओं को जब उनके परिणाम सौंपे गए, तो वह पल आत्मविश्वास, परिश्रम और सफलता के संगम का प्रतीक बन गया।
अभिभावकों की संतुष्टि भरी नजरें और छात्राओं के चेहरे पर खिली मुस्कान इस बात को दशार्ती है कि शिक्षा केवल अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और संस्कारों का भी माध्यम है। यह परिणाम हर छात्रा के लिए एक नई शुरूआत है, जो उन्हें भविष्य में और ऊंचे लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित करेगा।

तेज रफ्तार और लापरवाही पड़ी भारी: बाइक टक्कर में युवक गंभीर घायल

जेवर (शिखर समाचार)। लापरवाही से वाहन चलाने का एक मामला सामने आया है, जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना करीब दो सप्ताह पुरानी बताई जा रही है, लेकिन अब पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।
गांव कानीगढ़ी निवासी किशन सिंह ने बताया कि 18 मार्च को वह ड्यूटी के लिए एक निजी अस्पताल जा रहा था। जैसे ही वह कस्बे में विनायक अस्पताल के सामने पहुंचा, तभी रॉन्ग साइड से तेज रफ्तार में आ रहे बुलेट सवार प्रशांत (निवासी हामिदपुर) ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।
हादसे में किशन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका इलाज निजी अस्पताल में चल रहा था। अब पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अवैध शराब तस्करी पर कार्रवाई : 30 पव्वों के साथ आरोपी गिरफ्तार

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 30 पव्वे देशी अवैध शराब बरामद की गई है।
कोतवाली प्रभारी संजय सिंह के अनुसार, सोमवार रात पुलिस गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि गांव थोरा कट के पास एक व्यक्ति दो झोलों में अवैध शराब लेकर जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को पकड़ लिया।
तलाशी के दौरान उसके पास से 30 पव्वे देशी शराब बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी की पहचान धीरज, निवासी गांव बनवारीबास के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सोशल मीडिया के जाल में फंसी युवती से दुष्कर्म : अश्लील वीडियो वायरल, आरोपी गिरफ्तार

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक युवक ने मेघालय की युवती को सोशल मीडिया के माध्यम से प्रेमजाल में फंसाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बनाकर वायरल कर दिया।
जानकारी के अनुसार, आरोपी युवक गांव दोयमी का मूल निवासी है और अपनी मौसी के घर रह रहा था। सोशल मीडिया पर उसकी पहचान मेघालय की एक युवती से हुई, जिसके बाद उसने शादी का झांसा देकर युवती को हापुड़ बुलाया। आरोप है कि दिल्ली के एक होटल में युवक ने युवती के साथ दुष्कर्म किया और इस दौरान उसका अश्लील वीडियो बना लिया, जिसे बाद में इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया।
वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़कर उसकी पिटाई कर दी और पुलिस को सौंप दिया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। सीओ वरुण मिश्रा के अनुसार, पीड़िता से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है और उसके बयान दर्ज होने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बस में चालक का शव मिलने से मचा हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

मोदीनगर (शिखर समाचार)। गोविंदपुरी क्षेत्र में मंगलवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक बस के अंदर चालक का शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान देहरादून निवासी शंकर लाल के रूप में हुई है, जो यहां एक व्यक्ति की बस पर चालक के रूप में कार्यरत था।
प्राप्त जानकारी के अनुसार शंकर लाल रोजाना की तरह बस में ही रात्रि विश्राम करता था। बताया जा रहा है कि सोमवार रात वह खाना खाने के बाद बस में सो गया था। मंगलवार सुबह जब बस मालिक मौके पर पहुंचा तो उसने शंकर लाल को अचेत अवस्था में पड़ा देखा। आनन फानन में उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।
घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही मृतक के परिजनों को भी घटना की सूचना दे दी गई है।
पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत नहीं हो रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

हुनर से रोजगार की ओर कदम : शामली में ओडीओपी योजना के तहत टूलकिट्स वितरण

350 युवाओं को प्रशिक्षण व टूलकिट्स देने का लक्ष्य

शामली (शिखर समाचार)। जनपद में कौशल आधारित स्वरोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए नवीन कलेक्ट्रेट सभागार में एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के अंतर्गत टूलकिट्स वितरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चयनित लाभार्थियों को उनके कार्य से संबंधित टूलकिट्स प्रदान की गईं, जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर अपनी आजीविका सुदृढ़ कर सकें। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जनपद को 350 अकुशल व्यक्तियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें टूलकिट्स उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी

क्रम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से लौहकला (आयरन क्राफ्ट) ट्रेड से जुड़े लाभार्थियों को टूलकिट्स वितरित की गईं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक प्रसन्न चौधरी ने कहा कि ओडीओपी योजना स्थानीय उत्पादों को नई पहचान देने के साथ-साथ युवाओं को रोजगार से जोड़ने का सशक्त माध्यम बन रही है। उन्होंने युवाओं

से आह्वान किया कि वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर स्वरोजगार अपनाएं और अपने परिवार को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएं। साथ ही उन्होंने अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का संदेश भी दिया।

मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप युवाओं को प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराकर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं के कौशल विकास को नई दिशा देते हैं।

उपायुक्त उद्योग ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में ओडीओपी योजना के तहत नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग स्वरोजगार से जुड़कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकें।

कार्यक्रम में उपायुक्त उद्योग रतिका गुप्ता, सहायक आयुक्त उद्योग रविन्द्र कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।

35 साल की सेवा के बाद अनवर खान हुए सेवानिवत्त, कॉलेज में भावुक विदाई समारोह आयोजित

जेवर (शिखर समाचार)। कमर टेक्निकल इंटर कॉलेज में 35 वर्षों तक विज्ञान विषय के सहायक अध्यापक के रूप में अपनी सेवाएं देने वाले अनवर खान के सेवानिवत्त होने पर विद्यालय परिसर में भव्य एवं भावुक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों, कर्मचारियों एवं गणमान्य लोगों ने उनके उत्कृष्ट कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि अनवर खान ने अपने पूरे कार्यकाल में अत्यंत लगन, अनुशासन और समर्पण के साथ विद्यार्थियों को शिक्षित किया। वे न केवल एक कुशल शिक्षक रहे, बल्कि 9 वर्षों तक प्रधानाचार्य के रूप में भी कॉलेज के विकास में अहम योगदान दिया। डॉ. अशोक कुमार गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि अनवर खान के नेतृत्व में कॉलेज में कई महत्वपूर्ण विकास कार्य हुए। जर्जर हो रहे कमरों का पुनर्निर्माण कराया गया और विद्यालय के शैक्षिक वातावरण को बेहतर बनाया गया। उनका व्यक्तित्व गंभीर, अनुशासित और प्रेरणादायक रहा, जिससे छात्र और शिक्षक दोनों प्रभावित रहे। इस अवसर पर पूर्व प्रधानाचार्य अशोक कुमार शास्त्री, कुलभूषण शर्मा, पब्लिक इंटर कॉलेज जहांगीरपुर के प्रधानाचार्य राजेश कुमार, सलाउद्दीन खान, संजय कुमार वर्मा, आमिर खान, कविता सिंह, फजलुर रहमान, सुरेश चंद, अमानुल्लाह खान तथा पत्रकारों सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। सभी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए अनवर खान के योगदान को याद किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह के अंत में अनवर खान को सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई, जहां माहौल भावुक हो

पहले ही प्रयास में पीसीएस परीक्षा में सफलता, सौम्या बंसल ने प्रदेश में पाया 100वां स्थान, गांव में हुआ स्वागत

मेरठ (शिखर समाचार)

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) परीक्षा में पहले ही प्रयास में सफलता प्राप्त कर प्रदेश में 100वां स्थान हासिल करने वाली सरूरपुर खुर्द निवासी सौम्या बंसल का गांव पहुंचने पर स्वागत किया गया। सौम्या बंसल, राजीव बंसल की पुत्री हैं। उनकी इस उपलब्धि से पूरे गांव व क्षेत्र में हर्ष और गौरव का माहौल है।

गांव में आयोजित स्वागत समारोह के दौरान पंडित आदेश फौजी, मंडल अध्यक्ष आदेश कसाना, वैद्य सुरेश पूनिया, शरणवीर मास्टर, हरपाल चौधरी, रोहित गोयल, सतीश कश्यप, देवेंद्र प्रजापति, विनोद चौधरी, सुरेंद्र पांचाल, जगपाल चौधरी, कविता पूनिया, बोबी प्रधान, जयकुमार मास्टर, योगेश गोस्वामी सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने ढोल नगाड़ों के साथ सौम्या बंसल का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्हें मुकुट पहनाकर एवं फूल मालाओं से लादकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पंडित आदेश फौजी ने कहा कि बेटियां संस्कृति, सभ्यता और संस्कारों की जननी होती हैं। आज गांव की बेटी ने अपने माता पिता, गुरुजनों और समस्त ग्रामवासियों का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है।

कार्यक्रम का संचालन शरणवीर मास्टर ने किया, जबकि अध्यक्षता जयकुमार मास्टर ने की।

स्वागत समारोह में सौम्या बंसल ने उपस्थित युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को एकाग्रचित होकर पढ़ाई करनी चाहिए। यदि मेहनत, लगन और धैर्य के साथ प्रयास किया जाए तो सफलता अवश्य मिलती है।

गैस किल्लत के बीच देसी चूल्हा बना सहारा, मिस्त्री की मेहनत को मिल रही सराहना

झिंझाना/शामली (शिखर समाचार)। क्षेत्र में रसोई गैस की किल्लत और बढ़ती महंगाई के बीच एक स्थानीय कारीगर का देसी समाधान लोगों के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आया है। झिंझाना क्षेत्र के मोहम्मद आलम मिस्त्री ने लोहे का एक मजबूत देसी चूल्हा तैयार किया है, जो इन दिनों लोगों की पहली पसंद बनता जा रहा है। खास बात यह है कि यह चूल्हा लकड़ी और गोबर के उपलों से आसानी से जलाया जा सकता है, जिससे गैस पर निर्भरता कम हो रही है और आम लोगों को सस्ता विकल्प मिल रहा है। मोहम्मद आलम मिस्त्री द्वारा तैयार किए गए इस चूल्हे का वजन लगभग 13 किलोग्राम है, जिससे यह काफी मजबूत और लंबे समय तक चलने वाला बताया जा रहा है। इसकी कीमत करीब 1700 रुपये रखी गई है, जो सामान्य परिवारों के बजट के अनुसार है। अब तक मिस्त्री द्वारा लगभग 70 चूल्हे बनाए जा चुके हैं, जिनमें से 45 से 50 चूल्हे बिक

चुके हैं। लगातार बढ़ती मांग को देखते हुए मिस्त्री और भी चूल्हे तैयार करने में जुटे हुए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गैस सिलेंडर की अनियमित आपूर्ति और बढ़ती कीमतों के चलते उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था, लेकिन इस देसी चूल्हे ने उनकी समस्या को काफी हद तक कम कर दिया है। यह चूल्हा विशेष रूप से उन परिवारों के लिए उपयोगी साबित हो रहा है, जो सीमित संसाधनों में अपना घर चलाते हैं। मोहम्मद आलम मिस्त्री की दुकान चंदनपुर रोड, करनाल बाईपास पर स्थित है, जहां आसपास के गांवों और कस्बों से लोग पहुंचकर चूल्हा खरीद रहे हैं। झिंझाना निवासी मोहम्मद नसीम राणा ने चूल्हा खरीदते हुए बताया कि गैस की किल्लत को देखते हुए यह चूल्हा उनके लिए बहुत उपयोगी रहेगा और इससे घर का काम आसानी से चल सकेगा।

ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में एक बार फिर पारंपरिक साधनों की ओर रुझान बढ़ता नजर आ रहा है। कम लागत में अधिक उपयोगिता और सरल संचालन के कारण यह देसी चूल्हा न केवल लोगों की जरूरत पूरी कर रहा है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार का भी अच्छा माध्यम बनता जा रहा है।

खाटू श्याम संकीर्तन में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। स्थानीय श्री झारखंड महादेव देवालय शिवपुरी परिसर स्थित नव निमार्णाधीन खाटू श्याम मंदिर में भव्य संकीर्तन का आयोजन किया गया। भगवान खाटू श्याम के भजनों से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा और श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ संकीर्तन का आनंद लिया। संकीर्तन के दौरान मंदिर प्रांगण में बाबा का आकर्षक एवं अलौकिक दरबार सजाया गया, जिसने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में नटराज ग्रुप द्वारा मधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई, जिस पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। कार्यक्रम में मुख्य यजमान की भूमिका राजेन्द्र कुमार (गुलशन फूल भंडार) ने सपरिवार निभाई। कार्यक्रम का संचालन संजीव कुमार शर्मा (प्रधानाचार्य) द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। इस अवसर पर सुधीर गोयल, तरुण सुरी, संजीव अग्रवाल (जैन मंडी), संदीप अग्रवाल (पीली कोठी), मदन छाबड़ा, डॉ. सचिन साहनी, अनुराग शास्त्री, सुनील कुमार, सीताराम, मनोज उपाध्याय (खाटू श्याम परिवार), आशीष उपाध्याय, डॉ. अशोक कुमार शर्मा, शंकर लाल, नीरज सैनी, बृजेश चौहान, मुकेश गुप्ता सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं में गहरी आस्था और भक्ति का भाव देखने को मिला, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा।

सेवानिवत्त उप निरीक्षकों को दी भावभीनी विदाई

शामली (शिखर समाचार)। पुलिस लाइन में आयोजित एक गरिमामय समारोह में पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवत्त हो रहे दो उप निरीक्षकों को सम्मानपूर्वक विदाई दी। इस अवसर पर उनके उत्कृष्ट सेवाकाल, कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। समारोह के दौरान सेवानिवत्त उप निरीक्षकों को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। भावुक क्षणों के बीच उन्होंने अपने सेवाकाल के अनुभव साझा किए और विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने वर्तमान पुलिस कर्मियों को ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करने की प्रेरणा दी। विदाई प्राप्त करने वालों में उप निरीक्षक फतेह सिंह एवं रामेन्द्र सिंह शामिल रहे। कार्यक्रम का समापन सभी के सुखद, स्वस्थ एवं मंगलमय जीवन की कामना के साथ हुआ।

बिजनौर बार एसोसिएशन का चुनाव निरस्त, हंगामे और अव्यवस्था के बीच बार काउंसिल ने प्रक्रिया को ठहराया अवैध

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिला बार एसोसिएशन एवं पुस्तकालय के वार्षिक चुनाव में मंगलवार को उस समय भारी हंगामा और अव्यवस्था फैल गई, जब मतदान शुरू होने से पहले ही अधिवक्ताओं के बीच विवाद गहराने लगा और स्थिति तनावपूर्ण हो गई। हालात इतने बिगड़ गए कि पूरी चुनाव प्रक्रिया बाधित हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए उत्तर प्रदेश बार काउंसिल ने हस्तक्षेप करते हुए इस चुनाव को अवैध घोषित कर तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। अब नई तिथि की घोषणा बार काउंसिल द्वारा बाद में की जाएगी।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदान प्रातः 8 बजे से प्रारंभ होना था और इसके लिए अधिवक्ता सुबह से ही मतदान स्थल पर पहुंचकर कतारों में खड़े हो गए थे। लेकिन मतदान शुरू होने से पहले ही किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते हंगामे में बदल गई। बढ़ते तनाव और अव्यवस्था को देखते हुए एल्डर्स कमेटी के अध्यक्ष ठाकुर चंद्रवीर सिंह ने चुनाव संपन्न कराने में असमर्थता जताते हुए प्रक्रिया को स्थगित करने की घोषणा कर दी और स्थल से चले गए।

एल्डर्स कमेटी के हटने के बाद भी स्थिति सामान्य नहीं हो सकी और अधिवक्ताओं के बीच नारेबाजी और आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी रहा। इसी बीच कुछ अधिवक्ताओं के दबाव में वरिष्ठ अधिवक्ता नरेंद्र सिंह और राजेंद्र

अधिवक्ता शेर सिंह

सिंह टिकैत ने मोर्चा संभालते हुए लगभग चार घंटे की देरी से मतदान प्रक्रिया को पुनः प्रारंभ कराया। हालांकि यह प्रक्रिया भी विवादों के साये में रही और पूरे समय वातावरण तनावपूर्ण बना रहा। शाम करीब 5 बजे तक मतदान चलता रहा, लेकिन इस दौरान भी स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में नहीं आ सकी।

घटनाक्रम की जानकारी मिलते ही एल्डर्स कमेटी के अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह गहलोत ने पूरे मामले से उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के अध्यक्ष शिव कुमार गौड़ को अवगत कराया। बार काउंसिल ने पूरे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए स्पष्ट किया कि हंगामे और बिना अधिकृत अनुमति के कराई गई चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह अनुचित और अवैध है, इसलिए इसे किसी भी स्थिति में मान्यता नहीं दी जा सकती। बार काउंसिल ने यह भी निर्देश दिए हैं कि भविष्य में बार एसोसिएशन के चुनाव केवल काउंसिल द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों और सुरक्षा मानकों के अनुरूप ही संपन्न कराए जाएं, ताकि पारदर्शिता और निष्पक्षता बनी रहे। साथ ही यह भी संकेत दिए गए हैं कि आगामी चुनाव को लेकर कड़ी निगरानी और प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि बार अध्यक्ष पद के लिए चौधरी राजेंद्र सिंह और शेर सिंह के बीच सीधा मुकाबला था। चुनाव के दौरान प्रत्याशी शेर सिंह ने अपने प्रतिद्वंद्वी पर फर्जी मतपत्रों के माध्यम से धांधली करने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए मांग की कि अगला चुनाव किसी न्यायिक अधिकारी या सक्षम प्रशासनिक अधिकारी की देखरेख में कराया जाए, जिससे निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित हो सके। पूरे घटनाक्रम ने बार एसोसिएशन की चुनाव प्रणाली की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब अधिवक्ताओं और संबंधित पक्षों की निगाहें बार काउंसिल के अगले निर्णय और नई चुनाव तिथि पर टिकी हुई हैं, जिससे यह उम्मीद की जा रही है कि अगली बार चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष वातावरण में संपन्न हो सकेगा।

पर्यावरण संरक्षण में मिसाल : डीपीएस एनटीपीसी को मिला ग्रीन स्कूल अवार्ड

दादरी (शिखर समाचार)। एनटीपीसी स्थित डीपीएस स्कूल को पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए ग्रीन स्कूल अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान दिल्ली स्थित यूनेस्को हाउस में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया।

यह पुरस्कार नेट ग्रीन फाउंडेशन द्वारा यूनेस्को के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव मंत्री मंजिंदर सिंह द्वारा दिया गया। प्रधानाचार्या पूनम दुआ ने बताया कि स्कूल द्वारा वर्षभर चलाए गए विभिन्न पर्यावरणीय अभियानों को यह सम्मान मिला है। इनमें वृक्षारोपण, ऊर्जा संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण और 'नो प्लास्टिक' अभियान प्रमुख हैं। इन पहलों के माध्यम से छात्रों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और जिम्मेदार व्यवहार विकसित किया गया है। यह उपलब्धि सतत विकास के प्रति स्कूल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

नाली के पानी को लेकर बवाल : दो पक्षों में भिड़ंत, 5 घायल

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव आछेपुर में नाली के पानी की निकासी को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच हुई मारपीट में पांच लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, गांव निवासी प्रेमपाल ने शिकायत दी कि सोमवार सुबह उसका भतीजा योगेंद्र गली से गुजर रहा था। गली में पानी भरा होने के कारण उसने नाली में रखी ईंट हटा दी, जिससे दूसरे पक्ष के उमेश, नीटू, पूनम और विध्या नाराज हो गए। आरोप है कि चारों ने लाठी डंडों से योगेंद्र पर हमला कर दिया। बीच बचाव करने पहुंचे लता, भंवरपाल, प्रवीन और विमलेश भी इस झगड़े में घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए ग्रेटर नोएडा के जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर दो महिलाओं समेत चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार्रवाई न होने पर महिला ने घर पर लगाए पलायन के पोस्टर

मारपीट के आरोपियों पर कार्रवाई न करने का पुलिस पर आरोप

शामली (शिखर समाचार)। शहर की टंकी कॉलोनी में मारपीट के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई न होने से आक्रोशित एक महिला ने अपने घर पर पलायन के पोस्टर लगा दिए। महिला ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है।

टंकी कॉलोनी निवासी करुणा देवी ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र में बताया कि 18 मार्च को वह अपने घर के बाहर झाड़ू लगा रही थीं। इसी दौरान मोहल्ले के चार युवक वहां पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोप है कि युवकों ने लाठी-डंडों से मारपीट कर दी। शोर सुनकर

पहुंचे उनके पति पंकज को भी आरोपियों ने पीटकर घायल कर दिया। पीड़िता का कहना है कि घटना की शिकायत पुलिस से की गई, लेकिन अब तक आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उल्टा आरोपी लगातार धमकी दे रहे हैं, जिससे पूरा परिवार भय के साये में जीने को मजबूर है। आरोपियों की दहशत से परेशान होकर महिला ने अपने घर पर पलायन के पोस्टर लगा दिए हैं। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि जल्द न्याय नहीं मिला तो वह परिवार सहित क्षेत्र छोड़ने को मजबूर होंगी।

इस मामले में पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह ने संबंधित थाना पुलिस को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी सहित सख्त कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से घायल ई रिक्शा चालक की मौत

मोदीनगर (शिखर समाचार)। नगर के सीकरी रोड के पास हुए सड़क हादसे में घायल ई-रिक्शा चालक ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि ई-रिक्शा में सवार महिला और उसकी बेटी का अस्पताल में इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, जनपद चंदौसी के थाना साहिबगंज क्षेत्र के गांव राम मानो निवासी राजीव कुमार मोदीनगर में ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था और सौंदा रोड स्थित किराए के मकान में रह रहा था। सोमवार दोपहर वह सवारियां लेकर सीकरी रोड से गुजर रहा था, तभी तेज रफ्तार कार ने उसके ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा पलट गया। हादसे में चालक राजीव कुमार के साथ सवार हिमांशी चौधरी और उनकी पुत्री भावना चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान राजीव कुमार की मौत हो गई। वहीं, घायल हिमांशी और भावना का उपचार जारी है।

पुलिस के अनुसार, मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और दुर्घटना में शामिल कार को कब्जे में ले लिया गया है। आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

इबरत खान हत्याकांड का खुलासा : आरोपी गिरफ्तार, पिस्टल व मोपेड बरामद

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना कपूरपुर क्षेत्र में हुए चर्चित इबरत खान हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अवैध पिस्टल, जिंदा कारतूस, टीवीएस मोपेड और मृतक का मोबाइल फोन बरामद किया है। घटना 28 मार्च की है, जब शुगर मिल के पास एक बाग में 25 वर्षीय युवक इबरत खान का गोली लगा शव मिला था। जांच में सामने आया कि मृतक पहले आरोपी तैय्यब के साथ कपड़ों का कारोबार करता था, लेकिन बाद में अलग होकर खुद का काम शुरू कर दिया था। इसी बात से नाराज होकर आरोपी तैय्यब ने रंजिश के चलते इबरत खान की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी तैय्यब पुत्र इब्बन खां को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

संपादकीय

नालंदा त्रासदी: आस्था बनाम अव्यवस्था—कब थमेगी ऐसी मौतों की श्रृंखला?

बिहार के नालंदा में स्थित शीतला माता मंदिर में हुई दर्दनाक घटना, जिसमें आधा दर्जन से अधिक श्रद्धालुओं की मौत हो गई, एक बार फिर देश को झकझोर कर रख देने वाली त्रासदी बनकर सामने आई है। आस्था के नाम पर उमड़ी भीड़, अपर्याप्त व्यवस्थाएं, और प्रशासनिक लापरवाही इन सबका घातक मिश्रण ऐसी घटनाओं को जन्म देता है। सवाल यह है कि आखिर कब तक श्रद्धालुओं की जान इस तरह जाती रहेगी? क्या हर बार हादसे के बाद शोक और मुआवजे की औपचारिकता ही हमारी नियति बन चुकी है?

भारत जैसे आस्था प्रधान देश में मंदिरों, धार्मिक स्थलों और मेलों में भारी भीड़ का जुटना कोई नई बात नहीं है। शीतला माता, जिनकी पूजा विशेष रूप से रोग निवारण और सुरक्षा के लिए की जाती है, उनके मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जिन स्थानों पर लोग सुरक्षा और शांति की कामना लेकर जाते हैं, वहीं उनकी जान पर बन आती है। नालंदा की यह घटना भी भीड़ प्रबंधन की विफलता का एक और उदाहरण है।

ऐसे हादसों का एक लंबा इतिहास रहा है चाहे वह उत्तर प्रदेश के किसी मंदिर में मची भगदड़ हो, महाराष्ट्र के किसी तीर्थ स्थल पर अव्यवस्था हो, या फिर दक्षिण भारत के बड़े धार्मिक आयोजनों में हुई दुर्घटनाएं। हर बार कारण लगभग एक जैसे होते हैं अचानक बढ़ी भीड़, संकरे रास्ते, निकास के अपर्याप्त साधन, और सुरक्षा बलों की कमी। इसके बावजूद न तो प्रशासन कोई स्थायी समाधान निकाल पाता है और न ही आयोजक अपनी जिम्मेदारी का समुचित निर्वहन करते हैं।

नालंदा की घटना में भी प्रारंभिक जानकारी यही संकेत देती है कि भीड़ नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम नहीं थे। सवाल यह उठता है कि जब हर वर्ष ऐसे आयोजनों में भीड़ का अनुमान पहले से लगाया जा सकता है, तो फिर तैयारी क्यों नहीं की जाती? क्या यह केवल लापरवाही है या फिर व्यवस्थागत अक्षमता? प्रशासन की भूमिका केवल हादसे के बाद सक्रिय होने तक सीमित क्यों रह जाती है?

यह भी सच है कि श्रद्धालुओं को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। अंधी आस्था और अधीरता कई बार स्थिति को और बिगाड़ देती है। दर्शन के लिए धक्का-मुक्की, लाइन तोड़ने की प्रवृत्ति, और अफवाहों पर तुरंत प्रतिक्रिया ये सब मिलकर भगदड़ जैसी स्थिति पैदा कर देते हैं। लेकिन यह तर्क प्रशासन की जिम्मेदारी को कम नहीं करता। भीड़ को नियंत्रित करना, सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करना, और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना पूरी तरह से प्रशासन का दायित्व है।

तकनीक के इस युग में भीड़ प्रबंधन कोई असंभव कार्य नहीं है। सीसीटीवी निगरानी, ड्रोन कैमरे, डिजिटल काउंटिंग सिस्टम, और रीयल टाइम मॉनिटरिंग जैसे उपाय अपनाकर ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है। बड़े धार्मिक आयोजनों के लिए क्राउड मैनेजमेंट प्लान अनिवार्य किया जाना चाहिए, जिसमें प्रवेश और निकास के अलग अलग रास्ते, बैरिकेडिंग, मेडिकल टीम की तैनाती, और पुलिस बल की पर्याप्त मौजूदगी सुनिश्चित हो।

इसके अलावा, स्थानीय प्रशासन और मंदिर प्रबंधन समितियों के बीच बेहतर समन्वय भी जरूरी है। अक्सर देखा जाता है कि जिम्मेदारी एक दूसरे पर डाल दी जाती है, जिससे स्थिति और बिगड़ जाती है। एक स्पष्ट जवाबदेही तय होनी चाहिए कौन किस काम के लिए जिम्मेदार है और किसी चूक की स्थिति में किस पर कार्रवाई होगी।

~ मौलिक चिंतन ~

प्रभु कृपा के बिना कुछ भी संभव नहीं है, लेकिन सच तो यह है कि कृपा बिना कर्म के प्रकट नहीं होती है।

~~~~~~~~~~

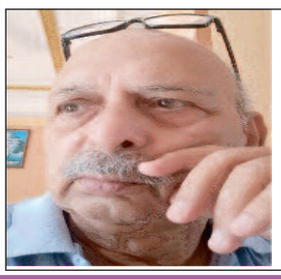

© विनय संकोची

मूर्ख दिवस: हमारा मजाक न बने किसी की पीड़ा का कारण

योगेश कुमार गोयल

तनाव भरे दौर में मुस्कान का पर्व है मूर्ख दिवस....

विश्वभर में 1 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'मूर्ख दिवस' केवल एक साधारण दिन नहीं बल्कि हंसी, उल्लास और हल्के-फुल्के मजाक का ऐसा अवसर है, जो लोगों को रोजमर्रा की तनावपूर्ण जिंदगी से कुछ पल के लिए राहत प्रदान करता है। इस दिन छोटे-बड़े, बच्चे-बुजुर्ग, सभी एक-दूसरे के साथ मजाक करते हैं और बिना किसी दुर्भावना के हंसी-ठिठोली के माध्यम से माहौल को खुशनुमा बना देते हैं। इस दिवस की सबसे खास बात यह है कि इसमें किए जाने वाले मजाक आमतौर पर हानिरहित होते हैं। लोग ऐसी कल्पनात्मक या मनगढ़ंत बातें प्रस्तुत करते हैं, जिन पर सामने वाला आसानी से विश्वास कर ले और बाद में जब सच्चाई सामने आए तो दोनों पक्ष हंसी में डूब जाएं। कई बार तो बड़े-बड़े बुद्धिमान और चतुर लोग भी इस दिन मजाक का शिकार बन जाते हैं, जिससे वातावरण और भी मनोरंजक हो उठता है।

यह परंपरा केवल आम लोगों तक सीमित नहीं रही है बल्कि बड़े मीडिया संस्थान, प्रतिष्ठित कंपनियां और नामी ब्रांड भी इस दिन अनोखे और रचनात्मक 'प्रैंक्स' के जरिए लोगों का मनोरंजन करते हैं। इतिहास में कई रोचक उदाहरण मिलते हैं। 1957 में बीबीसी ने 'स्पेगेटी ट्री' की खबर प्रसारित की, जिसमें बताया गया कि स्विट्जरलैंड में पेड़ों पर स्पेगेटी उगती है। हजारों लोगों ने इस पर विश्वास कर लिया। इसी तरह 1996 में बर्गर किंग ने 'लेफ्ट-हैंड व्हॉपर' बर्गर की घोषणा कर लोगों को चौंका दिया। डिजिटल युग में यह परंपरा और भी व्यापक हो गई है। सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए ऐसे मजाक कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं। हालांकि, कभी-कभी लोग सच्ची खबरों को भी 'अप्रैल फूल' समझकर नजरअंदाज कर देते हैं और बाद में पछताते हैं।

मूर्ख दिवस की उत्पत्ति को लेकर विभिन्न मत हैं। एक प्रचलित धारणा के अनुसार, प्राचीन समय में कई देशों में नया वर्ष 1 अप्रैल से शुरू होता था। जब कैलेंडर प्रणाली में बदलाव हुआ और नए साल की शुरूआत 1 जनवरी से होने लगी, तब भी कुछ लोग पुरानी परंपरा का पालन करते रहे। ऐसे लोगों का मजाक उड़ाने के लिए 1 अप्रैल को ह्यमूर्ख दिवसह्न के रूप में मनाया जाने लगा। धीरे-धीरे यह परंपरा मनोरंजन का माध्यम बन गई। भारतीय संस्कृति में भले ही यह परंपरा पश्चिम से आई हो लेकिन इसके मूल में निहित भावना (हंसी, आनंद और आपसी मेलजोल) भारतीय जीवन मूल्यों से भी मेल खाती है। आज की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली में जहां लोगों के पास हंसने का समय भी कम हो गया है, वहां यह दिन एक सुखद अवसर प्रदान करता है। हालांकि, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि मजाक की सीमा शालीनता और संवेदनशीलता के भीतर ही होनी चाहिए। किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने, अपमान करने या नुकसान पहुंचाने वाला मजाक इस दिवस की भावना के विपरीत है। मूर्ख दिवस का उद्देश्य किसी को नीचा दिखाना नहीं बल्कि सबको साथ लेकर हंसना और खुशियां बांटना है। वास्तव में, शुद्ध हास्य न केवल मानसिक तनाव को कम करता है बल्कि आपसी संबंधों को भी मजबूत बनाता है। यह मन में सकारात्मकता और भाईचारे की भावना का संचार करता है। ऐसे में मूर्ख दिवस आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। अंततः कहा जा सकता है कि मूर्ख दिवस केवल मजाक का दिन नहीं बल्कि जीवन में खुशियों के छोटे-छोटे पल तलाशने और उन्हें साझा करने का उत्सव है। यदि इसे शालीनता और सद्भाव के साथ मनाया जाए तो यह दिन सचमुच हंसी के अनमोल पलों से जीवन को सराबोर कर सकता है।

भगवान राम के सबसे बड़े भक्त हैं हनुमान

संजय गोस्वामी

ज्योतिषियों के सटीक गणना के अनुसार हनुमान जी का जन्म 58 हजार 112 वर्ष पहले त्रेतायुग के अन्तिम चरण में चैत्र पूर्णिमा को मंगलवार के दिन चित्रा नक्षत्र व मेष लग्न के योग में सुबह 6.03 बजे भारत देश में आज के झारखण्ड राज्य के गुमला जिले के आंजन नाम के छोटे से पहाड़ी गाँव के एक गुफा में हुआ था,कहा जाता है किवर्षों की घोर तपस्या के बाद माता अंजना ने एक विलक्षण बुद्धि के बालक को जन्म दिया। चत्रै शुक्ल पूर्णिमा मंगलवार को मध्य रात्रि में अंजना के गर्भ से भगवान शिव अपने रुद्रदेह को त्याग कर वानररुप हनुमान बन कर अवतरित हुए। भगवान शिव ने ग्यारहवें रुद्र के रुप में अंजना के गर्भ से जन्म लिया, इसलिये शास्त्रों में हनुमानजी को रुद्रावतार कहा गया है।

माता अंजना पूर्वजन्म में पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा थी। रावण जब देवलोक गया तो इसके रूप और तेज को देख कर मोहित हो गया। रावण ने कामुक होकर इसका हाथ पकड़ लिया।अपना हाथ छुड़ा कर क्रोधित पुंजिकस्थली सीधे ब्रह्माजी के पास गई और कहा, 'आपका वरदान पाकर ऐसे दुष्ट स्वभाव के लोग देवलोक में विचरण करते रहते हैं और आपके शरणागतों के साथ अत्याचार, अनाचार करते हैं।' ब्रह्माजी ने रावण से कहा, 'यदि आज के बाद तुम किसी परायी स्त्री को बुरी नजर से देखोगे तो तुम्हारे सिरके टुकड़े-टुकड़े हो जायेंगे।' अप्सरा इससे संतुष्ट नहीं हुई। उसने ब्रह्माजी से कहा, 'मैं इससे स्वयं बदला लूँगी।' अत्रि मुनि के शाप के कारण इसी पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा ने कुंजर वानर के यहाँ जन्म लिया जिसका नाम अंजना (अंजनि) रखा गया। अंजना का विवाह वानरराज केसरी से हुआ। केसरी राक्षसों को मार कर ऋषियों की रक्षा किया करते थे। ऋषियों ने प्रसन्न होकर केसरीजी को आशीर्वाद दिया कि तुम्हारा होने वाला बालक बल, बुद्धि और विद्या से परिपूर्ण होगा। बड़ा होकर श्रीराम का अनन्य भक्त बनेगा व सारे संसार में पूजनीय एवं वंदनीय होगा।अंजना और केसरी सुमेरु पर्वत से किष्किंधा चले गये। अंजना ने मतंग ऋषि के आश्रम में एक हजार वर्ष तक तपस्या की। इसके बाद सौ वर्ष तक वैंकटेश्वर पर्वत पर तपस्या की। इस अवधि में केसरीजी ने उन्हें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। जब अंजना तपस्या कर रही थी तो त्रिदेव उनके पास पहुँचे। अंजना ने उनसे वरदान माँगा कि मेरे होने वाले पुत्र की सभी शक्तियाँ आपकी शक्तियों से बढ़ कर हों । पुत्र इस संसार में असुरों का नाश करे और देवताओं की रक्षा करे। त्रिदेव ने तथास्तु कह दिया।सृष्टि के संहारक भगवान रुद्र ने अपने प्रिय हरि की अधिकाधिक सेवा करने व कलिकाल में भक्तों की रक्षा करने के लिये पवनदेव के पुत्र और वानरराज केसरी के क्षेत्रज पुत्र के रुप में अवतरित होने का निर्णय लिया। पवनदेव ने भी अंजना को वरदान दिया कि मैं अपनी बलरुपी वह शक्ति जिससे तीनों लोक कंपायमान हो जाते हैं, तुम्हारे पुत्र को प्रदान करुँगा।जन्म के समय इनका नाम मारुति रखा गया। यह माना जाता है कि, भगवान शिव ने पृथ्वी पर मनुष्य के रुप पुनर्जन्म 11वें रुद्र अवतार के रुप में हनुमान वनकर जन्म लिया; क्योंकि वे अपने वास्तविक रुप में भगवान श्री राम की सेवा नहीं कर सकते थे। मारुति को भूख लगी लेकिन कुछ खिलाने-पिलाने के लिये अंजना माता घर पर नहीं थी। उसी समय उदयाचल से उदित हो रहे अरुणाम सूर्य को मारुति ने मीठा फल समझ लिया। वे तुरन्त आकाश में उड़े और सूर्य तक पहुँच गए। मारुति को सूर्य की ऊष्मा से बचाने के लिये पवनदेव उसी समय भी पीछे-पीछे चल रहे थे।राहु भी अपनी सेना सहित वहाँ पहुँच गया। मारुति ने इसे भी मीठा फल समझ लिया और उस पर लपके। राहु शिकायत करने इन्द्रदेव के पास पहुंच गया। इस बीच मारुति ने राहु की राक्षसी सेना का अंत कर दिया। मारुति ने सूर्य को मीठा फल समझ कर अपने मुख में रख लिया। इन्द्र ने मारूति पर वज्र से प्रहार किया तो वे मूर्छित हो गये। यह देखकर पवनदेव को क्रोध आ गया। उन्होंने तुरन्त प्राणवायु का संचार बंद कर दिया। चारों ओर हाहाकार मच गया। ब्रह्माजी सभी देवताओं के साथ पवनदेव के पास पहुँचे। उन्होंने मारुति को स्पर्श किया तो उन्हें होश आ गया।मारुति को बाल्यावस्था में ही इन्द्र, कुबेरे यम, वरुण, ब्रह्मा आदि देवताओं ने अनेकों वरदान दियेऔर आशीर्वाद दिया कि तुम पर सभी अस्त्र-शस्त्र प्रभावहीन रहेंगे। देवताओं ने इन्हें इच्छा मृत्यु का वरदान भी दिया। सूर्यदेव ने गुरु बनकर विद्याज्ञान देने का वचन दिया। ब्रह्माजी ने पवनदेव से कहा, 'तुम्हारा पुत्र शत्रुओं पर हमेशा भारी पड़ेगा, युद्ध मेंअजेय रहेगा। श्रीराम-रावण युद्ध में अपनाशौर्य दिखा कर श्रीराम को अति प्रसन्नता प्रदान करेगा।' बाल-लीला करते समय मारुति ने राहु की सेना और साठ हजार मंदार नाम के राक्षसों का भी संहार कर दिया। इसलिये इनका एक नाम'राक्षसान्तक' भी है।इन्द्र के वज्र प्रहार से मारुति की हनु (जबड़ा) टेढ़ी हो गई। हनु वक्र हो जाने से इनका नाम हनुमान हो गया। ऐसे कार्य जो मनुष्य को ब्रह्म से विमुख करते हैं, उनका हनन कर सही मार्ग की ओर अग्रसर करने वाले को भी हनु (हनन करने वाला) कहते हैं। अपनी इस विशेषता के कारण भी ये हनुमान हैं।पाँच वर्ष की अल्प आयु में हनुमान विद्या अध्ययन के लिये अपने गुरु सूर्यदेव के पास पहुँच गए। सूर्यदेव ने मन में बालकों का खेल समझ कर बहाना किया। उन्होंने हनुमान से कहा, 'मेरा तेज बहुत प्रचंड एवं असहनीय है। पीठ के पीछे बैठा कर शिक्षा नहीं दी जा सकती है। मेरे रथ में तुम्हारे बैठने के लिये प्रचुर स्थान उपलब्ध नहीं है। शिष्य तो गुरु के चरणों में बैठा हुआ ही अच्छा लगता है। लेकिन स्थानाभाव के कारण यह सम्भव नहीं है।' प्रखर बुद्धि हनुमान को कहना पड़ा,'गुरुदेव आपका वेग तो मेरे एक कदम के बराबर है।' मैं आपको अपनी पीठ नहीं दिखाऊँगा।हनुमान ने भास्कर की ओर मुख करके पीठ की तरफ पैरों से प्रसन्नमन आकाशमार्ग में बालकों के खेल के समान गमन किया। मैं पीछे-पीछे पैर रख कर सदा आपके सन्मुख ही बना रहूँगा। आप कहते हैं कि आपका तेज असहनीय है, इसे मैं हर लूँगा और आप मेरे तेज से प्रकाशमान रहेंगे।हनुमान ने चौदह विद्याएँ चौदह दिन में सीख ली। इससे सूर्यदेव का तेज कम हो गया। गुरुशिष्य से प्रश्न पूछते थे लेकिन शिष्य द्वारा दिये गये उत्तर को समझ नहीं पाते थे। सूर्यदवे सोचनेलगे, इस चंचल वानर को विद्या प्रदान करने का वचन मैंने क्यों दिया होगा? अन्ततः सूर्यदेव ने श्रीहरि से विनती की, मेरे गुरु-पद की लाज अब आपके हाथ में है। श्रीहरि ने हनुमान को समझाया कि गुरु को पूरा सम्मान दो, शास्त्रों की मयार्दा रखो। तुम्हारी विद्या को इस संसार मेंलुप्त करनेवाला न कोई है और न कोई होगा।अपनी शिक्षा को जारी रखो। पुनः अपने गुरु के पास जाओ, उनकी मयार्दा का सम्मान करो। इस तरह श्रीहरि ने गुरु और शिष्य के बीच समन्वय स्थापित करा दिया। हनुमान ने अठ्ठारह मास तक अपने गुरु से शिक्षा ग्रहण की। इस अवधि मेंअपने गुरु को पूर्ण सम्मान दिया। गुरु की मयार्दा और सम्मान का पूर्ण खयाल रखा। हनुमान ने जिस आश्चर्यपूर्णतरीके से विद्याध्ययन किया वह वास्तव में तीनां लोकां को चकित कर देने वाला है।शिक्षा ग्रहण के इस अचरज भरे खेल को देखकर इन्द्रादि लेकपाल, विष्णु, रुद्र और ब्रह्मा की आँखें चौंधिया गई ।शिक्षा पूर्ण होते ही हनुमान ने विनम्र होकर अपने गुरु से गुरु-दक्षिणा माँगने के लिये निवेदन किया तो सूर्यदेव ने कहा,'मेरा पुत्र सुग्रीव वानररुप में तुम्हें मिलेगा। जब तक उसे प्रभु श्रीराम नहीं मिलें तब तक तुम उसकी रक्षा करना।' अपने गुरु की आज्ञा को हनुमान ने पूर्ण सम्मान प्रदान करते हुए आगे चल कर वानरराज सुग्रीव को भी पूर्ण सम्मान प्रदान किया, उनकी रक्षा की और उन्हें ब्रह्म से मिलाकर हमेशा के लिए भयमुक्त भी किया।हनुमान बचपन में बहुत चंचल थे और ऋषि-मुनियों के आश्रम में जाकर उन्हें बहुत परेशानकरते थे। उनकी इस चंचलता से माता-पिता भी बहुत परेशान थे। दण्ड के रुप में अंगिरा और भृगुवंशियों ने हनुमान को अपनी शक्तियाँ दीर्घकाल तक भूलने का शाप दे दिया। साथ ही यह भी अवगत करा दिया कि यदि कोई तुम्हें तुम्हारी शक्तियों का स्मरण करायेगा तो शक्तियाँ पुनः प्राप्त हो जायेंगी। भृगु ऋषियों द्वारा दिये गये इस शाप की जानकारी केवल जामवंतजी को ही थी। इस शाप के बाद हनुमान का व्यवहार बहुत ही सौम्य और शिष्ट हो गया।सुग्रीव के सचिव पद से ही प्रारम्भ होती है हनुमान चरित्र की यात्रा। यहीं इन्होंने अपने स्वामी श्रीराम को पहचाना और उनके दास बन गये। जामवंत हनुमान से कहते हैं- 'हे बलवान! क्या चुप साध रखी है, पवन पुत्र हो, बल में पवन के समान हो, बुद्धि, विवेक और विज्ञान की खान हो।श्रीराम के कार्य के लिये तुम्हारा अवतार हुआ है। जगत मेंऐसा कौन सा कठिन काम है जो तुमसेन हो सके।'

माओवादी मुक्ति से शांति एवं संतुलन की नई संभावनाएं

ललित गर्ग

माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा।

भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और लोकतांत्रिक राष्ट्र के सामने आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां हमेशा से बहुआयामी रही हैं। इन चुनौतियों में नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली। लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक-आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया। माओवादी संगठन न केवल विकास कार्यों में बाधा डालते रहे, बल्कि उन्होंने स्थानीय लोगों को भय और हिंसा के माध्यम से नियंत्रित किया। स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया था। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन अब जनहित का नहीं, बल्कि सत्ता और नियंत्रण का माध्यम बन चुका है।

भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद/माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के सरेंडर ने संगठन को नेतृत्वहीन कर दिया, जिससे माओवादी संरचना भीतर से कमजोर पड़ गई। इस सफलता के पीछे सरकार की बहुआयामी रणनीति रही, जिसमें केवल सैन्य-पुलिस कार्रवाई ही नहीं, बल्कि विकास, पुनर्वास और प्रशासनिक पहुंच को भी समान महत्व दिया गया। रेड कॉरिडोर क्षेत्रों में सड़कों और पुलों का निर्माण, मोबाइल टावरों के माध्यम से 4जी नेटवर्क का विस्तार, स्कूलों और आईटीआई संस्थानों की स्थापना ने इन क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा। वहीं ह्यफोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनोंह्न की रणनीति के माध्यम से सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ों में घुसकर निर्णायक कार्रवाई की। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, रोजगार और समाज में पुनर्स्थापना की व्यवस्था ने भी माओवादी कैडर को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया। यह समन्वित रणनीति, दूरदर्शिता और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है कि देश आज नक्सलवाद के अंत के ऐतिहासिक चरण के निकट खड़ा दिखाई दे रहा है।

निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी और दृढ़ रणनीति अपनाई। गृहमंत्री अमित शाह की सूझबूझ और स्पष्ट दृष्टिकोण ने इस अभियान को एक नई दिशा दी। सरकार ने एक ओर जहां सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों से सशक्त किया, वहीं दूसरी ओर विकास योजनाओं को भी गति दी। ह्यसुरक्षा और विकासह्न के इस दोहरे दृष्टिकोण ने माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखी। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए सघन अभियानों ने माओवादी नेटवर्क को गहराई से कमजोर किया है। बस्तर, जो कभी माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था, वहां आज आत्मसमर्पण की घटनाएं बढ़ रही हैं। पापा राव जैसे शीर्ष माओवादी नेता का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि माओवादी संगठन अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह केवल एक व्यक्ति का आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि एक विचारधारा के पतन का प्रतीक है।

माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। आदिवासी और ग्रामीण समुदाय, जो अब तक भय और असुरक्षा में जी रहे थे, वे अब अपने अधिकारों और अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही, माओवादी हिंसा के समाप्त होने से भारत की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होगी। जब देश के भीतर शांति होगी, तब ही बाहरी खतरों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। नक्सलवाद जैसी समस्याएं अक्सर विदेशी शक्तियों और असामाजिक तत्वों के लिए भी अवसर प्रदान करती हैं, जिन्हें समाप्त करना राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक है। इस दृष्टि से माओवादी मुक्ति न केवल आंतरिक, बल्कि सामरिक रूप से भी महत्वपूर्ण है।

आदर्श शासन व्यवस्था की स्थापना के लिए कानून का शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास की समान पहुंच आवश्यक होती है। माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में इन सभी तत्वों का अभाव था। वहां प्रशासन की पहुंच सीमित थी और लोकतांत्रिक संस्थाएं प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर पा रही थीं। लेकिन अब जब माओवादी प्रभाव घट रहा है, तब सरकार के लिए यह अवसर है कि वह इन क्षेत्रों में सुशासन की मजबूत नींव रखे। पंचायतों को सशक्त किया जाए, स्थानीय नेतृत्व को प्रोत्साहित किया जाए और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। यह भी आवश्यक है कि माओवादी विचारधारा के प्रभाव को केवल सुरक्षा उपायों से ही नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी चुनौती दी जाए। शिक्षा, जागरूकता और संवाद के माध्यम से लोगों को यह समझाना होगा कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। लोकतंत्र में परिवर्तन का मार्ग शांतिपूर्ण और संवैधानिक होता है। इस दिशा में समाज, सरकार और नागरिक संगठनों को मिलकर प्रयास करना होगा। माओवादी मुक्ति के इस दौर में यह भी ध्यान रखना होगा कि जिन कारणों से यह समस्या उत्पन्न हुई थी, वे दोबारा न उभरें। सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास की समावेशी नीति को प्राथमिकता देना आवश्यक है। आदिवासी क्षेत्रों में उनकी संस्कृति, पहचान और अधिकारों का सम्मान करते हुए विकास की योजनाएं लागू की जानी चाहिए। केवल भौतिक विकास ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सशक्तिकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जिस दृढ़ता और दूरदर्शिता के साथ माओवादी समस्या का समाधान किया जा रहा है, वह न केवल वर्तमान के लिए, बल्कि भविष्य के लिए भी एक मार्गदर्शक है। यह दिखाता है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो, रणनीति स्पष्ट हो और कार्यान्वयन प्रभावी हो, तो कोई भी समस्या असाध्य नहीं है। निश्चिततौर पर माओवादी मुक्ति केवल एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत के लोकतंत्र, विकास और सुशासन की जीत है। यह उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत अपने आंतरिक संघर्षों को शांतिपूर्ण और निर्णायक ढंग से सुलझाने में सक्षम है। अब समय है कि इस उपलब्धि को स्थायी बनाया जाए और देश के हर कोने में शांति, समृद्धि और संतुलन का वातावरण स्थापित किया जाए। जब हर नागरिक सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त महसूस करेगा, तभी सच्चे अर्थों में एक आदर्श शासन व्यवस्था का निर्माण संभव हो सकेगा।
~~~~~~~~~~

कैसा हो वर्किंग विमेन का पहनावा

आपके परिधान आपकी पहचान होते हैं। यदि आप किसी दफ्तर में काम करती है तो आपके परिधान आपकी पर्सनैलिटी पर बहुत गहरा प्रभाव डालते हैं। कहा जाता है कि यह कई बार आपकी सफलता में भी सहायक बनते हैं। इससे आपका अपने सहकर्मियों पर एक अलग ही प्रभाव पड़ता है।

यदि आप किसी कान्फ्रेंस या मीटिंग में जाते हैं तो आपका पहनावा आपके आत्मविश्वास को बढाने के साथ-साथ वहाँ मौजूद लोगों पर आपकी एक अलग छाप छोड़ता है। कई मायने में आपका पहनावा आपके व्यक्तित्व का परिचायक होता है।

हम ऑफिस में कौन से परिधान पहने, इस बात को लेकर अक्सर महिलाएँ कन्फ्यूज रहती है। ऑफिस में आपका परिधान ऐसा होना चाहिए, जिसमें शालीनता के साथ-साथ गरिमा भी झलके और आपका व्यक्तित्व पूरी तरह से निखरकर सामने आए। संक्षेप में कहे तो आपके कपड़े आपके फिगर व पर्सनैलिटी के अनुरूप होना चाहिए।

वर्किंग विमेन का पहनावा :

- यदि आपके शरीर का निचला हिस्सा भारी है तो आप स्ट्रेट लाइनिंग वाले कपड़े पहनें।
- मोटे लोगों के लिए पैंट या ट्राउजर पहनना बेहतर होगा। इस पर आप लंबे टॉप या स्ट्रेट या क्लासिक कट के आउटफिट पहनें।
- पतली महिलाएँ कंट्रास्ट कलर व फिटेड ड्रेस पहन सकती है।
- ऑफिस में बड़े-बड़े फ्लावर प्रिंट या ज्यादा कलरफुल ड्रेस पहनने के बजाय लाइनिंग, प्लेन या बारीक प्रिंट वाली ड्रेसेस पहनना बेहतर होता है।
- लंबे कद की पतली महिलाएँ लाँग स्कर्ट या बहुत टाइट परिधान पहनने से बचें।
- पतली महिलाओं को पैंट या जिंस पर चौड़ी बेल्ट पहनना चाहिए।
- एक्सेसरीज में आप पर्ल या स्टोन की सिंपल माला पहन सकते हैं।

इन बातों का रखें खयाल :

- ऑफिस में एनिमल प्रिंट, बोल्ड स्ट्राइप्स या ब्राइट कलर पहनने से परहेज करें।
- डीप नेक की ड्रेसेस ऑफिस में न पहनें।
- फ्लेट सैंडल की बजाय हाई हील्स आपकी पर्सनैलिटी को और भी अधिक आकर्षक बनाएगी।

बन जाये हमदम खट्टे-मीठे आलूदम

सामग्री : 500 ग्राम मध्यम आकार के उबले आलू, दो बड़े कटे प्याज भून कर पेस्ट बनाया हुआ, एक बड़े चम्मच लहसुन व अदरख का पेस्ट, एक छोटा चम्मच गुड़, दो बड़े टमाटर बारीक कटे, दो बड़े चम्मच बारीक कटी धनिया पत्ति, एक बड़ा चम्मच गरम मसाला व जीरा, धनीया पाउडर, स्वादानुसार नमक और तेल।

विधि : आलू को कांटे से छेद कर तल लें। फिर से पैन में तेल गरम करें। प्याज, टमाटर, अदरख का पेस्ट व नमक डाल कर कुछ देर भूनें। गुड़ व पाउडर मसाले मिलायें। आलू डाल कर धीमी आंच पर पकने दें। धनिया पत्ति से सजा कर परोसें।

त्वचा की सफाई

सुन्दर दिखना तथा आकर्षक लगना हर व्यक्ति की इच्छा होती है जबकि नारी में सुन्दर दिखने की महत्वाकांक्षा पुरुषों के मुकाबले अधिक होती है और यह नारी का सौभाग्य ही तो है कि आज आधुनिक उत्पादनों और सौंदर्य प्रसाधनों ने उनकी इस महत्वकांक्षा को पूरा ही नहीं किया बल्कि उनके सौंदर्य और व्यक्तित्व को नए आयाम देने के साथ-साथ उन्हें ख्याति भी दिलवाई है।

प्रत्येक नारी अपनी महत्वाकांक्षा को पूरा कर सकती है बस आवश्यकता है तो नारी को अपने ऊपर थोड़ा-सा ध्यान और समय देने की। मैं इस लेख में मेकअप से पूर्व त्वचा की सफाई से संबंधित कुछ आवश्यक बातों को स्पष्ट करूंगी।

सर्वप्रथम मेकअप करने से पूर्व चेहरे की किसी अच्छे क्लींजर से सफाई करें। क्लींजर मार्कीट में सुविधा से उपलब्ध हो जाता है। यदि क्लींजर लेने की आप आर्थिक स्थिति में नहीं हैं तो रात को सोते समय गुनगुने दूध में कॉटन (रूई) को भिगोकर उससे चेहरे व गर्दन की भली-भांति सफाई करें। इसके प्रयोग से चेहरे के दाग-धब्बे तो साफ होते ही हैं। क्लींजर के उपरांत अब चेहरे की त्वचा के लिए आपको जिस चीज की आवश्यकता है वह है स्किन टॉनिक। इसको भी आप सुविधापूर्वक घर पर ही तैयार कर सकती हैं। इसके लिए खीरे का रस निकाल कर उसे शीशी में भर कर फ्रिज में रख दें और प्रतिदिन कॉटन की सहायता से चेहरे पर लगाएं। यह स्किन टॉनिक चेहरे की त्वचा के लिए बहुत उपयोगी है। क्लींजर और स्किन टॉनिक के उपरांत जिस चीज की सबसे अधिक आवश्यकता है वह है चेहरे की मसाज। इसके लिए आप किसी अच्छी कम्पनी की कोल्ड या मसाज क्रीम ले सकती हैं। क्रीम को समस्त चेहरे पर भली-भांति लगा कर पंद्रह मिनट तक चेहरे की मसाज करें। ऐसा करने से आपकी त्वचा स्वस्थ, सुन्दर व आकर्षक नजर आएगी।

ब्यूटी टिप्स

बाजार की नित-नई क्रीमें तो आप हमेशा ही ट्राय करती आयी हैं, लेकिन कभी घर में हमेशा उपलब्ध रहने वाली उपयोगी क्रीम यानी मलाई पर भी नजर डाल लें। मलाई को कुछ इस तरह आजमाकर देखें :

- एक चम्मच मलाई में नींबू का रस मिलाकर रोज चेहरे और होंठ पर लगाने से ये फटते नहीं हैं।
- थोड़ी-सी मलाई और एक चम्मच बेसन का उबटन साबुन का बेहतरीन विकल्प है। इससे त्वचा मुलायम होती है।
- मुल्तानी मिट्टी को पीसकर, मलाई में मिलाकर चेहरे तथा कोहनियों पर लगाने से रंग में निखार आता है।
- 2 बड़े चम्मच मलाई में 2-3 बूंदें गुलाबजल की मिलाएं और चेहरे पर मसाज करते हुए लगाएं। लगभग 20 मिनट बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो दें।

परफ्यूम चुनें सोच-समझकर

परफ्यूम को बाहरी कपड़ों पर कभी भी न छिड़कें। सुगंध अधिक समय तक बरकरार रहे, सके लिए उसका प्रयोग पर्याप्त सही स्थानों पर जैसे कलाई, कनपटी, गर्दन और कंधों आदि पर करें। बालों में लगाने से भी खुशबू टिकाऊ होती है।

आजकल परफ्यूम का उपयोग व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाने के लिए किया जाता है। परफ्यूम का चुनाव करने में पर्याप्त सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि हर परफ्यूम का अलग-अलग प्रभाव होता है। अपनी खास पहचान बनाने के लिए कभी भी अधिक मात्रा में परफ्यूम का उपयोग नहीं करें। ऐसा करके आप खुद को हास्यास्पद ही नहीं बनाते हैं, बल्कि अन्य लोगों के लिए सिरदर्द तथा एलर्जी का कारण भी बन बैठते हैं।

कई लोगों को सुगंध की तीव्रता से चक्कर भी आ जाते हैं। सही सुगंध जहां लोगों को आपकी ओर आकर्षित करती है, वहीं गलत सुगंध का इस्तेमाल आपके पास बैठे लोगों को आपसे दूर भगा सकता है। खास माहौल में खास तरह की खुशबू वातावरण को आत्मीय बना देती है।

हर मौसम की अलग-अलग विशेषता होती है, अत: परफ्यूम का इस्तेमाल भी मौसम को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। गर्मी के मौसम में हल्की सुगंध भीनी-भीनी खुशबू बिखेरने वाले परफ्यूम उपयुक्त रहते हैं, जबकि सर्दियों में तेज सुगंध वाले परफ्यूम। इसी तरह किसी भी मौसम में दिन में हल्की खुशबू और रात में तेज सुगंध का प्रयोग करना अच्छा होता है।

परफ्यूम का चुनाव अपनी संपन्नता व अपने व्यक्तित्व के अनुरूप करें। यदि आप कामकाजी महिला हैं तो तेज सुगंध के प्रयोग से बचें। आपके लिए भीनी-भीनी महक वाली पुष्प सुगंध उपयुक्त है। गृहिणियों के लिए पानी में यूडी-कोलोन डालकर नहाना ही उत्तम है। अच्छी गुणवत्ता अच्छी सुगंध वाले टेलकम पावडर का इस्तेमाल करें।

यदि आप कॉलेज के छात्र हैं तो परफ्यूम का इस्तेमाल न ही करें तो बेहतर है। साथ ही तेज सुगंध का इस्तेमाल न करें, क्योंकि इससे आपकी गलत छवि बन सकती है। इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि सुगंध आपके व्यक्तित्व पर अनुकूल या प्रतिकूल दोनों ही प्रभाव डाल सकती है। सही सुगंध जहां व्यक्तित्व को आकर्षक बना सकती है, वहीं गलत सुगंध आपको फूहड़ता की श्रेणी में खड़ा कर देती है।

कॉलेज की छात्राएं अगर परफ्यूम का इस्तेमाल करना चाहें तो चंदन या अन्य किसी भी प्राकृतिक सुगंध या फूलों की भीनी खुशबू का इस्तेमाल करें। स्प्रे करने के बाद परफ्यूम की शीशियों को कसकर बंद करें और छायादार अंधेरी जगहों पर रखें, क्योंकि सूर्य की गर्मी से सुगंध उड़ जाती है।

बनारसी साड़ी अथवा कढ़ाई वाले अन्य कीमती कपड़ों पर कभी भी तीखे परफ्यूम स्प्रे नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे कपड़ों की आभा कम होने लगती है। सूती कपड़ों पर भी कम ही परफ्यूम करें। कभी-कभी बदरंग होने का खतरा रहता है जबकि सिंथेटिक कपड़ों पर अधिक परफ्यूम स्प्रे करना चाहिए, क्योंकि सिंथेटिक कपड़ों से खुशबू जल्दी उड़ जाती है। रंगों पर भी कोई असर नहीं होता। रूमाल पर परफ्यूम का इस्तेमाल कर सकते हैं।

परफ्यूम को बाहरी कपड़ों पर कभी भी न छिड़कें। सुगंध अधिक समय तक बरकरार रहे, सके लिए उसका प्रयोग पर्याप्त सही स्थानों पर जैसे कलाई, कनपटी, गर्दन और कंधों आदि पर करें। बालों में लगाने से भी खुशबू टिकाऊ होती है। आजकल अंतरराष्ट्रीय परफ्यूम अधिक पसंद किए जा रहे हैं। इनके इस्तेमाल से पूर्व यह ध्यान अवश्य रखें कि यह दूसरे देश की जलवायु के अनुरूप बनाया गया है। रसायन भी अधिक होते हैं इनमें, जो त्वचा पर बुरा असर भी डाल सकते हैं।

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि हमारे देश में निर्मित अनेक हर्बल फूलों की खुशबुओं वाले, हिना, चंदन आदि सुगंध वाले परफ्यूम सभी के लिए समान होते हैं, जबकि रसायनयुक्त परफ्यूम महिलाओं व पुरुषों के लिए अलग-अलग होते हैं, जिन पर लिखा होता है 'परफ्यूम फॉर हिम' व 'परफ्यूम फॉर हर' अर्थात परफ्यूम के माध्यम से सामने वाले को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है जबकि हमारे यहां व विदेशों से आयातित बहुत से परफ्यूम अपनी मौलिक खुशबू से पूरी फिजां को महका देने वाला माद्दा भी रखते हैं।

इसलिए महंगे होने के बावजूद भी इनके खरीददार बढ़ते जा रहे हैं। सुगंध की यह मदहोश दुनिया कमोबेश कई बीमारियों के लिए मुफीद है। किसी के देखा-देखी परफ्यूम खरीदे भी नहीं और इस्तेमाल न करें। परफ्यूम लगाने से पहले अपनी रुचि, माहौल की अनुकूलता, स्वास्थ्य के मापदंड, मन को भाने वाली सुगंधों के उत्तम पर्याय पर एक बार सोचें जरूर।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

काकुरो पहेली -3845

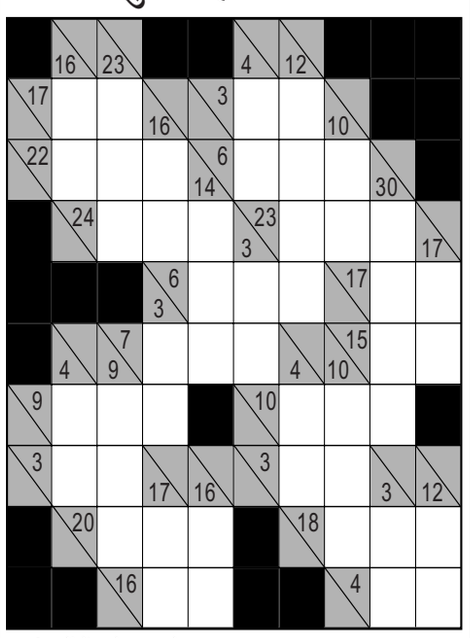

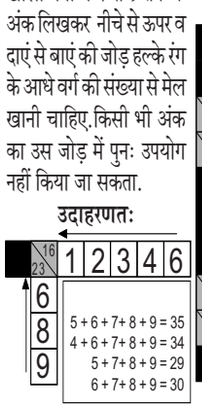

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 3844 का हल

हंसी के फूव्वारें

पूजा में पण्डितजी ने बच्चों को लड्डू दिया और कहा-इसे हवन कुण्ड में डालों और कहो स्वाहा. बच्चों ने लड्डू मुंह में डाल लिया और कहा - आहा.

एक लड़का पार्क में साइकिल चला रहा था . उसकी मां बड़े गर्व से उसे देख रही थी. पहले चक्कर में मां के पास आने पर लड़के ने कहा, 'देखिये मम्मी, हाथों के बिना.' दूसरे चक्कर में बोला, 'देखिये मम्मी, पैरों के बिना.' तीसरे चक्कर में वह चिल्लाया, 'देखिये मम्मी, दांतों के बिना.'

एक खूबसूरत लड़की बस स्टॉप पर खड़ी था, एक नौजवान बोला-चांद तो रात को निकलता है, आज दिन में कैसे निकल आया? लड़की बड़ी हाजिरजवाब थी. बोली- अरे उल्लू तो रात को बोलता था, आज दिन में कैसे बोल रहा है ?

मास्टरजी: (व्याकरण पढ़ाते हुए) एक ऐसा वाक्य बताओ जिसमें वर्तमानकाल, भूतकाल और भविष्यकाल तीनों आ जायें.

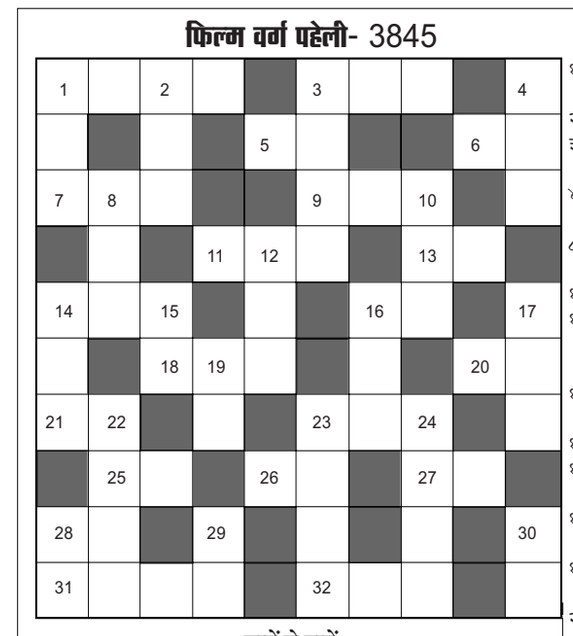

छात्र: सौ साल पहले मुझे तुमसे प्यार था, आज भी है, और कल भी रहेगा.

जज: (चोर से) तुम्हें बार-बार कचहरी में आते लज्जा नहीं आती ?

चोर: हुजूर मैं तो साल में एक बार ही आता हूँ मगर आप तो रोज ही आते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 3845

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, शरद, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी ?-३
१६. ऋषि कपूर, जेबा, अश्विनी भावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी ?-३
२०. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में रणधीरकपूर के साथ नायिका कौन थी ?-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था ?-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है ?-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. अजय देवगन, तब्बू की 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'खुशी' में फरदीन की नायिका ?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली राजकुमार, राजेशखन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनील दत्त, नूतन की फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म ?-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, नालासिन्हा की 'आज गालो मुस्करा लो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम ?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की एक फिल्म-२
३०.'मिलती है झुकती है' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3844

सूडोकु -3845

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3844 का हल

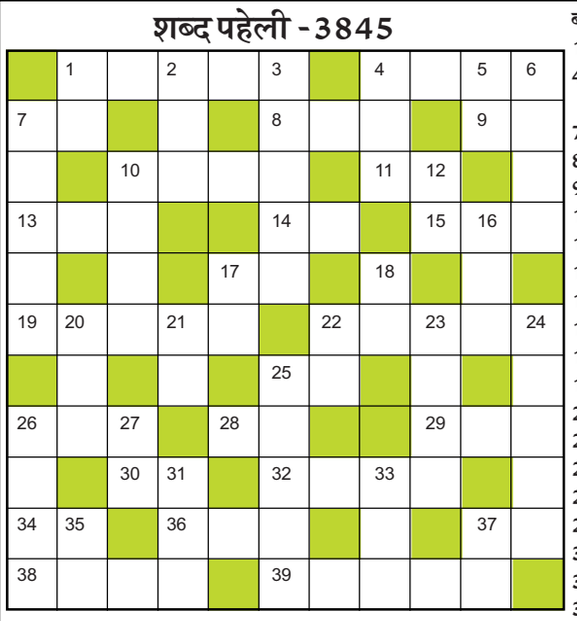

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली -3845

बाएँ से दाएँ

1.अपनापन का विलोम-5
4.हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7.गीत (अंग्रेजी-2)
8.गलीचा,कारपेट-3
9.किनारा,छोर-2
10.झगड़ा,कहासुनी-4
11.समय,वक्त-2
13.बेबस-3
14.राष्ट्र,स्वदेश-2
15.पुत्र,लड़का-3
17.प्राप्त करना-2
19.सेंधमार-5
22.चरित्र,व्यवहार-2,3
25.जीव,दूत,जासूस-2
26.आत्मबलि देना-3
28.ताकत,जोश,बल-2
29.कराह,टीस,लालसा-3
30.वहम,संदेह-2
32.आह भरना-4
34.दूर्वा,घास-2
36.चोंगा,गाऊन-3
37.सफर,जात्रा-2
38.दयालु,कृपालु-4
39.निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.पांव, पैर-2
2.भिखारी,मंगता-3
3.अस्वीकृत करना-3,2
4.माला का मोती-3
5.बुरी आदत-2
6.नाटक से परिपूण-4
7.हल्का काला,श्याम-5
10.व्यवस्थित-4
12.बुरी आदत-2
16.अनुकृति-3
17.तांबूल,पत्ता-2
18.रुखसार,कपोल-2
20.डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21.जोड़,योग-2
22.चतुर्थ-2
23.आनंद ध्वनि करना-4
24.महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25.चमकीला-5
26.नीच,नराधम -4
27.विनाश, नेस्तनाबूत-2
31.रंग (अंग्रेजी-3)
33.पराजित करना-3
35.गौरेया, एक चिड़िया-2
37.दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली -3844 का हल

(नई दिल्ली) एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में बताया - भारत का मौजूदा विदेशी मुद्रा भंडार 10 महीने से अधिक के आयात के बराबर

मंगलवार को जारी एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का मौजूदा विदेशी मुद्रा भंडार 10 महीने से अधिक के आयात के बराबर है और छोट अवधि का ऋण विदेशी मुद्रा भंडार के 20 प्रतिशत के बराबर है, जिससे रुपए को सहारा देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को पर्याप्त जगह मिलती है। हालांकि, रिसर्च फर्म ने चेतावनी दी कि अस्थिर पूंजी प्रवाह और तेल की ऊंची कीमतें निकट भविष्य के दृष्टिकोण के लिए जोखिम पैदा करती हैं और तेल विपणन कंपनियों के लिए 250-300 मिलियन डॉलर की दैनिक मांग को पूरा करने के लिए एक विशेष डॉलर विंडो सहित कई नीतिगत उपायों का आग्रह किया।

रिपोर्ट में कहा गया, इससे वास्तविक विदेशी मुद्रा की मांग और आपूर्ति की गतिशीलता पर बेहतर स्पष्टता प्राप्त होगी और अनावश्यक अस्थिरता को रोकने के लिए नियामक द्वारा शुरू किए गए विभिन्न उपायों की प्रभावशीलता को मापने में मदद मिलेगी।

रिपोर्ट में सुझाव दिया गया कि केवल ट्रेडिंग बुक पर 100 मिलियन डॉलर की सीमा लगाई जानी चाहिए, न कि पूरे बैंक बुक स्तर पर, क्योंकि इससे परिचालन संबंधी चुनौतियां उत्पन्न होती हैं।

इसमें अल्पकालिक यील्ड बढ़ाने और दीर्घकालिक यील्ड घटाने के लिए ऑपरेशन ट्विस्ट का सुझाव दिया गया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि विभिन्न संदर्भ दरें निर्धारित सीमा के भीतर रहें और नीतिगत दर के अनुरूप हों।

केंद्रीय बैंक ने रुपए को सहारा देने के लिए कड़े कदम उठाए हैं, लेकिन फर्म ने बाहरी बाजारों से मांग वाली मुद्राओं को लाकर और वैकल्पिक तंत्रों (जैसे ओएमसी के लिए एक विशेष यूएसडी विंडो) को शामिल करके हस्तक्षेपों में तेजी लाने का आग्रह किया है, क्योंकि रुपए में गिरावट देश के मैक्रो फंडामेंटल्स से काफी अधिक है।

कच्चे तेल की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल, ब्रेंट क्रूड 115 डॉलर के पार

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतें मंगलवार 31 मार्च को लगातार चौथे दिन बढ़ीं। पश्चिम एशिया में युद्ध और तनाव के कारण सप्लाई प्रभावित हो रही है, जिससे तेल की कीमतों में तेजी आई है। मई डिलीवरी के लिए ब्रेंट क्रूड 115.04 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि जून कॉन्ट्रैक्ट 108.96 डालर पर था। अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 105.96 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जो 9 मार्च के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ होरमुज़ को प्रभावी रूप से बंद करने से स्थिति और गंभीर हो गई है। यह मार्ग दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत तेल सप्लाई और बड़ी मात्रा में गैस टैंकरों के लिए अहम है। सप्लाई में बाधा के कारण बाजार में तेज उछाल देखने को मिला। मार्च में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में करीब 59 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई,

जो अब तक का सबसे बड़ा मासिक उछाल है। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 58 प्रतिशत बढ़ा, जो मई 2020 के बाद सबसे अधिक है। विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव और सप्लाई बाधा कीमतों को और ऊँचा रख सकती है।

सेफ्टी कंट्रोल एंड डिवाइस एसएमई का आईपीओ अगले सप्ताह खुलेगा

- 75 से 80 रुपये में मिलेंगे शेयर, जानें तारीख और

अन्य डिटेल

मुंबई ।

इस सप्ताह कोई नया आईपीओ लॉन्च नहीं हो रहा है, लेकिन अगले सप्ताह अप्रैल माह का पहला एसएमई आईपीओ एसएमई सेफ्टी कंट्रोल एंड डिसाइस के सब्सक्रिप्शन के लिए उपलब्ध होगा। यह इश्यू कंपनी का फ्रेश इश्यू है, यानी आईपीओ के जरिए जुटाई गई राशि सीधे कंपनी के बिजनेस विस्तार में लगेगी। कंपनी इस आईपीओ के माध्यम से 48 करोड़ रुपये जुटाएगी। प्राइस बैंड 75 से 80 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। कुल 60 लाख शेयर जारी किए जाएंगे। आईपीओ 6 अप्रैल को खुलकर 8 अप्रैल तक निवेशकों के लिए सब्सक्रिप्शन के लिए उपलब्ध रहेगा। रिटेल निवेशकों के लिए एक लॉट में 1,600 शेयर रखे गए हैं, जिसकी लागत करीब 2,56,000 रुपए है। एचएनआई निवेशकों के लिए कम से कम 3 लॉट यानी 4,800 शेयर खरीदना आवश्यक होगा, जिसकी कुल लागत लगभग 3,84,000 रुपए है। इंफ्रास्ट्रक्चर और पावर सेक्टर में संभावित ग्रोथ को देखते हुए, यह आईपीओ निवेशकों के लिए एक संभावित अवसर पेश कर सकता है। फ्रेश इश्यू होने के कारण, जुटाई गई राशि सीधे कंपनी के व्यवसाय में निवेश होगी। हालांकि, रिटेल निवेशकों के लिए न्यूनतम निवेश काफी बड़ा है, इसलिए निवेश से पहले पूंजी योजना और जोखिम को ध्यान में रखना आवश्यक है।

डंकिन के साथ 'फ्रेंचाइजी' समझौता नहीं बढ़ाएगी जुबिलेंट फूडवर्क्स

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख क्विक सर्विस रेस्तरां श्रृंखला जुबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड (जेएफएल) ने अमेरिकी कॉफी और डोनट ब्रांड डंकिन के साथ अपने फ्रेंचाइजी समझौते को नवीनीकृत न करने का निर्णय लिया है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि 24 फरवरी 2011 को किए गए मल्टीपल यूनिट डेवलपमेंट फ्रेंचाइजी एग्रीमेंट की अवधि 31 दिसंबर 2026 को समाप्त हो रही है। जेएफएल ने कहा कि वह चरणबद्ध तरीके से स्टोर्स बंद करने या संचालन में बदलाव करने के विकल्प पर विचार करेगी। इसमें परिसंपत्तियों की बिक्री, हस्तांतरण, या फ्रेंचाइजी अधिकारों का हस्तांतरण शामिल हो सकता है। सभी कदम डंकिन के मालिकों के परामर्श और कानूनी व नियामकीय आवश्यकताओं के अनुरूप होंगे। जुबिलेंट फूडवर्क्स के 3,500 से अधिक स्टोर्स भारत और पांच अन्य देशों में हैं। समूह के पोर्टफोलियो में डोमिनोज़ पिज़्ज़ा, पोपायज़ और तुर्की में होंग्स किचन तथा कैफे-कोफी ब्रांड शामिल हैं।

विशेषज्ञ मानते हैं कि यह कदम जेएफएल की वैश्विक रणनीति और प्रमुख ब्रांडों पर ध्यान केंद्रित करने की दिशा में है।

मिडिल ईस्ट तनाव पर आईएमएफ ने जारी की वैश्विक आर्थिक चेतावनी

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने मिडिल ईस्ट में जारी तनाव को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है। आईएमएफ का कहना है कि यह संकट वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि धीमी कर सकता है और महंगाई बढ़ा सकता है। खासकर हाल ही में उबर रही अर्थव्यवस्थाओं को इसका गंभीर असर महसूस होगा। तनाव का सबसे बड़ा असर होर्मुज जलडमरूमध्य पर दिख रहा है, जिससे दुनिया का लगभग 25-30 फीसदी तेल और 20 फीसदी गैस गुजरती है। इससे बेंट क्रूड की कीमतें 115 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ईरान के तेल ठिकानों पर हमले की चेतावनी ने बाजार में अनिश्चितता और बढ़ा दी है। आईएमएफ ने कहा है कि संकट सिर्फ ईंधन तक सीमित नहीं रहेगा। खाड़ी देशों से फर्टिलाइजर सप्लाई में रुकावट और महंगे ईंधन के कारण कृषि लागत बढ़ेगी। इससे खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ेंगी, खासकर उन देशों में जहाँ परिवार अपनी आय का लगभग 36 फीसदी भोजन पर खर्च करते हैं। अगर संघर्ष लंबा

खिंचता है, तो दुनिया को स्टैगफ्लेशन जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है, जहां महंगाई बढ़ती है और आर्थिक विकास धीमा होता है। इससे कर्ज महंगा होगा और वैश्विक आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। तेल आयातक बड़े देश जैसे भारत और यूरोप की अर्थव्यवस्थाएं, जो बाहरी कच्चे माल पर निर्भर हैं, सबसे अधिक प्रभावित होंगी। आईएमएफ का कहना है कि असर इस बात पर निर्भर करेगा कि यह तनाव कितने समय तक चलता है।

सत्या ने 600 करोड़ के आईपीओ के लिए सेबी के पास दाखिल किया दस्तावेज

नई दिल्ली ।

तमिलनाडु स्थित उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और टिकाऊ वस्तुओं की खुदरा कंपनी सत्या एजेंसीज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सेबी के समक्ष प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के जरिए कुल 600 करोड़ रुपये जुटाना है। दस्तावेजों के अनुसार प्रस्तावित आईपीओ 600 करोड़ रुपए का है। इसमें 300 करोड़ रुपए नए शेयर जारी करने से जुटाए जाएंगे और 300 करोड़ रुपए शेयरधारकों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) से आएंगे। इस तरह कुल निर्गम का आकार 600 करोड़ रुपए का होगा। कंपनी ने कहा है कि नए शेयरों से प्राप्त राशि का उपयोग कुछ मौजूदा ऋणों का भुगतान या पूर्व भुगतान करने, अपनी अनुषंगी कंपनी यूनिलेट अप्लायंसेज प्राइवेट लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए आंशिक राशि का भुगतान और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। सत्या एजेंसीज लिमिटेड की स्थापना 2005 में हुई थी। यह कंपनी उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और इलेक्ट्रॉनिक्स के खुदरा व्यवसाय में सक्रिय है। यह आईपीओ कंपनी के विस्तार और वित्तीय स्थिति को मजबूत करने का महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मैग्नम आइस क्रीम नीदरलैंड्स ने केडब्ल्यूआईएल में 61.9 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

– नए प्रवर्तक ने कुल 145.44 करोड़ के शेयर खरीदे

नई दिल्ली।

द मैग्नम आइस क्रीम कंपनी नीदरलैंड्स बीवी ने क्वालिटी वॉल्स (इंडिया) लिमिटेड (केडब्ल्यूआईएल) में 61.9 प्रतिशत बहुलांश हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर लिया है। कंपनी ने 30 मार्च 2026 को शेयर बाजार को सूचित किया कि नए प्रवर्तक ने शेयर खरीद समझौते और अन्य लागू नियमों के तहत पूर्व प्रवर्तकों से निर्धारित शेयर खरीदे। इस लेन-देन के बाद मैग्नम आइस क्रीम नीदरलैंड्स कंपनी पर नियंत्रण हासिल कर चुका है और इसे सूचीबद्धता नियमों के अनुसार नए प्रवर्तक के रूप में वर्गीकृत किया गया है। पूर्व प्रवर्तक यूनिलीवर पीएलसी और अन्य साझेदार अब प्रवर्तक श्रेणी से हटकर सार्वजनिक श्रेणी में पुनर्वर्गीकृत कर दिए गए हैं। इस अधिग्रहण के लिए मूल समझौता 25 जून 2025 को किया गया था, जिसमें मैग्नम आइस क्रीम नीदरलैंड्स और यूनिलीवर पीएलसी सहित अन्य पक्ष शामिल थे। नए प्रवर्तक ने कुल 145.44 करोड़ शेयर खरीदे, जो केडब्ल्यूआईएल की कुल शेयर पूंजी का 61.9 प्रतिशत है।

अधिग्रहण के बाद कंपनी ने शीर्ष प्रबंधन में भी बदलाव किए हैं। अभिजीत भट्टाचार्य को अतिरिक्त निदेशक (गैर-कार्यकारी एवं गैर-स्वतंत्र) और निदेशक मंडल के चेयरमैन के रूप में नियुक्त किया गया है। वहीं ऋतेश तिवारी ने अतिरिक्त निदेशक (गैर-कार्यकारी एवं गैर-स्वतंत्र) के पद से इस्तीफा दे दिया है।

मंगला कुप्पा बनीं अमेरिकी श्रम मंत्रालय की मुख्य सूचना अधिकारी

- भारतीय मूल की वरिष्ठ तकनीकी विशेषज्ञ की औपचारिक नियुक्ति

ह्यूस्टन ।

भारतीय मूल की तकनीकी विशेषज्ञ मंगला कुप्पा को अमेरिका के श्रम मंत्रालय का मुख्य सूचना अधिकारी (सीआईओ) नियुक्त किया गया है। वह पिछले वर्ष अक्टूबर से कार्यवाहक सीआईओ के रूप में मंत्रालय में जिम्मेदारी संभाल रही थीं और अब औपचारिक रूप से इस पद पर नियुक्त कर दी गई हैं। कुप्पा मंत्रालय की मुख्य कृत्रिम मेधा (एआई) अधिकारी भी हैं। इस भूमिका में वह मंत्रालय की सूचना प्रौद्योगिकी रणनीति, डिजिटल रूपांतरण और एआई के उपयोग की निगरानी करती रहेंगी। उनके नेतृत्व में मंत्रालय का आधुनिकीकरण कार्यक्रम तेजी से आगे बढ़ा है। उन्होंने मंत्रालय में कई वरिष्ठ पदों पर काम किया, जिनमें मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी और बिजनेस एप्लीकेशन सर्विसेज की निदेशक शामिल हैं। कुप्पा ने 2010 में श्रम मंत्रालय से जुड़ी और उससे पहले एक दशक से अधिक समय तक श्रम सांख्यिकी ब्यूरो में काम किया। उन्होंने एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की है और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में 25 वर्ष से अधिक का अनुभव रखती हैं। उनकी नियुक्ति अमेरिकी प्रशासन में भारतीय मूल के पेशेवरों की बढ़ती भागीदारी और तकनीकी नेतृत्व में विविधता को दर्शाती है।

सेबी ने एलीटकॉन इंटरनेशनल और पांच लोगों पर लगाया बाजार में हेरफेर का आरोप

– सेबी ने शेयरों की खरीद-फरोख्त से लगाई रोक, बैंक व डीमैट खातों को फीज करने का निर्देश दिया

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड, उसके प्रवर्तक विपिन शर्मा और चार अन्य व्यक्तियों पर प्रतिभूति बाजार में हेरफेर और भ्रामक खुलासों के आरोप लगाते हुए कार्रवाई की। नियामक ने संबंधित व्यक्तियों और कंपनियों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शेयरों की खरीद-फरोख्त से रोक दिया और उनके बैंक व डीमैट खातों को जब्त राशि तक फ्रीज करने का निर्देश दिया। सेबी ने आदेश में कहा कि प्रथम दृष्टया जांच में यह पाया गया कि प्रवर्तक और अन्य पक्ष ऊंची कीमत पर अपने शेयर बेचते रहे, जबकि कंपनी और उसके निदेशक निवेशकों को केवल सकारात्मक वित्तीय और परिचालन जानकारी दे रहे थे। इस प्रक्रिया में कथित तौर पर कुल 51.26 करोड़ रुपये की अवैध कमाई हुई। नियामक ने आरोप लगाया कि कंपनी ने महत्वपूर्ण नकारात्मक जानकारी, जैसे कि जीएसटी से जुड़े मुद्दे, निवेशकों से छुपाई। इसके परिणामस्वरूप बाजार में कृत्रिम सकारात्मक धारणा बनी और निवेशकों को शेयर खरीदने के लिए प्रेरित किया गया। सेबी के अनुसार, ऐसा चयनात्मक खुलासा शेयर कीमत को सहारा देने और निवेशकों का लाभ उठाने की

योजना की ओर संकेत करता है। सेबी ने कहा कि इस मामले में विस्तृत जांच की जाएगी और कंपनी के वास्तविक वित्तीय हालात का पता लगाने के लिए फोरेंसिक लेखा परीक्षा कराई जाएगी। प्रतिबंधित व्यक्तियों को अपनी संपत्तियों और निवेशों का विवरण देने का भी आदेश दिया गया है। सेबी ने स्पष्ट किया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य कथित गैरकानूनी लाभ के दुरुपयोग को रोकना और निवेशकों के हित की रक्षा करना है। प्रवर्तक और अन्य संबंधित इकाइयों पर यह प्रतिबंध अगले आदेश तक लागू रहेगा।

दीपक एडवरटाइजिंग को दोहरी सफलता

-एनएचएआई ने एमपी-राजस्थान में किया पुनः सूचीबद्ध

इंदौर ।

मध्य भारत की अग्रणी विज्ञापन एजेंसी दीपक एडवरटाइजिंग ने वित्तीय वर्ष की शुरुआत में ही बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए एक बार फिर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने एजेंसी को मध्यप्रदेश और राजस्थान क्षेत्रों के लिए पुनः एम्पैनल (सूचीबद्ध) किया है। इस दोहरी सफलता को एजेंसी की रचनात्मक उत्कृष्टता और इवेंट मैनेजमेंट में मजबूत पकड़ का प्रमाण माना जा रहा है।एजेंसी के प्रबंध निदेशक दीपक जेठा ने इस उपलब्धि पर कहा कि यह 29 वर्षों की निरंतर मेहनत, नवाचार और क्लाइंट्स के विश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि एनएचएआई सहित देशभर में उच्च गुणवत्ता वाली विज्ञापन सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।दीपक एडवरटाइजिंग की इस सफल यात्रा में अब तक 190 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार शामिल हैं। इनमें 'एजेंसी ऑफ द ईयर', समिट इंटरनेशनल क्रिएटिव अवॉर्ड्स (5 बार), ढ्ढह्स्र मान्यता और प्रसार भारती/सीबीएस मान्यता जैसी प्रतिष्ठित उपलब्धियां शामिल हैं। पिछले वर्ष एजेंसी ने कई बड़े प्रोजेक्ट्स सफलतापूर्वक संभाले, जिनमें प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित एनएचएआई इवेंट्स, वंदे भारत एक्सप्रेस लॉन्च, द्वारका एक्सप्रेसवे उद्घाटन, वेस्ट सेंट्रल और नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे के कार्यक्रम, क्रेडाई प्रॉपर्टी फेयर और डीपी ज्वेलर्स रतलाम शोरूम लॉन्च शामिल हैं। दीपक जेठा ने आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 को लेकर भरोसा जताते हुए कहा कि वैश्विक बाजार की चुनौतियों को समझकर सही निर्णय लेने वाले क्लाइंट्स ही सफलता हासिल करेंगे और भारत की विकास यात्रा आगे भी मजबूत बनी रहेगी।

महावीर जयंती पर 31 मार्च को शेयर बाजार बंद

मुंबई ।

महावीर जयंती के अवसर पर 31 मार्च मंगलवार को बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज स्टाक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कारोबार पूरी तरह बंद है। इक्विटी, डेरिवेटिव्स और एसएलबी सेगमेंट में न ट्रेडिंग होगी और न सेटलमेंट।

यह दिन सेटलमेंट हॉलिडे भी है, जिससे सभी गतिविधियां ठप हैं।

कमोडिटी बाजार में नेशनल कमो डिटी एंड डे रिवे टिव्स (एनसीडीईएक्स) बंद रहेगा, जबकि मल्टी कमो टिडी एक्सचेंज आफ इं डिया (एमसीएक्स) में शाम सत्र से कारोबार शुरू होगा। इससे पहले पिछले सत्र में घरेलू शेयर बाजार में तेज गिरावट दर्ज हुई। निफ्टी 50 2.14 फीसदी गिरकर 22,331.40 और बीएसई सेंसेक्स 2.22 फीसदी टूटकर 71,947.55 पर बंद हुआ।

अमेरिका-ईरान तनाव से निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ, जिससे बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में सबसे ज्यादा दबाव दिखा।

तेल पर एक्साइज ड्यूटी घटने के बाद भी कंप नियां लाभ में नहीं

नई दिल्ली ।

सरकार ने 27 मार्च से पेट्रोल और डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर की एक्साइज ड्यूटी घटाई। इससे आम लोगों को राहत मिली है और कंपनियों का घाटा घटकर 17-28 रुपये प्रति लीटर रह गया है। हालांकि, वे अभी भी पूरी तरह लाभ में नहीं हैं। रिफाइनरी कंपनियों पर डीजल पर 21.5 रुपये और एयरक्राफ्ट फ्यूल पर 29.5 रुपये प्रति लीटर विंडफॉल टैक्स लगाया गया। अपस्ट्रीम कंपनियों को टैक्स से बाहर रखा गया है। एक्साइज ड्यूटी कटौती से हर 15 दिन में 7,000 करोड़ रुपये का नुकसान होगा, जबकि विंडफॉल टैक्स से 1,500 करोड़ रुपये की कमाई होगी। कंपनियों को संतुलन में लाने के लिए तेल की कीमत 75 डॉलर/बैरल तक आनी चाहिए या कीमतों में 20 रुपये से अधिक प्रति लीटर बढ़ोतरी करनी होगी। रिलायंस जैसी रिफाइनरी कंपनियां मजबूत बनी हैं और निवेशकों के लिए

आकर्षक अवसर हैं।

ओवर्टन ने धोनी का रिकार्ड तोड़ा

-आठवें नंबर पर सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

गुवाहाटी (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेल रहे जैमी ओवर्टन ने आईपीएल 2026 के पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 43 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने के साथ ही पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का भी एक रिकार्ड तोड़ दिया। ओवर्टन के कारण ही सीएसके 100 रन से ऊपर पहुंची। टीम के 127 रनों में से 43 रन ओवर्टन ने बनाए और धोनी का आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सबसे अधिक 38 रनों के स्कोर को रिकार्ड भी तोड़ दिया। धोनी इस मैच में शामिल नहीं थे। वह चोट के कारण शुरुआती मैचों से बाहर हैं। इस मैच में टीम को एक बार फिर धोनी की कमी महसूस की। आईपीएल में सीएसके की ओर से धोनी ने अब तक 6 मैच नहीं खेल पाये हैं और इनमें से पांच मैचों में टीम हार है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह टीम के लिए कितने जरुरी हैं।

जैमी ओवर्टन अब आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए नंबर 8 या इससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। अभी तक यह रिकॉर्ड धोनी के नाम दर्ज था। धोनी ने साल 2024 में विशाखापट्टनम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ नाबाद 37 रनों की पारी खेली थी, जबकि अब ओवर्टन ने 43 रन बनाए। इस ऑलराउंडर ने रन आउट होने से पहले 36 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्कों की सहायता से 43 रनों की पारी खेली। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 119.44 रन था। उनके अलावा दो और बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंचे थे। वहीं अन्य बल्लेबाज बुरी तरह असफल रहे।

आईपीएल में आज होगा लखनऊ सुपरजायंटस और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

लखनऊ (एजेंसी)। यहां के इकाना स्टेडियम में बुधवार को लखनऊ सुपरजायंटस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। सुपरजायंटस के लिए सकारात्मक बात ये रहेगी कि उसे घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। सुपरजायंटस की कप्तानी जहां ऋषभ पंत के पास है, वहीं दिल्ली की कमान अक्षर पटेल संभालेंगे। ऋषभ इस लीग में बेहतर बल्लेबाजी कर अपनी फिटनेस और फार्म हासिल करने का प्रयास करेंगे। वहीं अक्षर का प्रयास भी अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाना है। इन दोनो ही टीमों का प्रदर्षन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा था। पिछली बार दोनों ही टीमें प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाय थीं। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो टीमों के बीच हुए सात मैचों में से दिल्ली ने चार जीते हैं जबकि तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा है। वहीं हाल के वर्षों में लखनऊ ने दिल्ली को तीन मैच हराकर दिखाया है कि वह भी बराबरी की दावेदार है। उसने 200 रन से अधिक रन बनाकर दिल्ली को कड़ी टक्कर दी है। ऐसें में अगर कैपिटल्स को इस बार जीत दर्ज करनी है तो उसे अपनी ताकत और कमजोरियों को पहचानना होगा। बेन डकेट के नाम वापस लेने ने उसे झटक लगा है। अब उसकी बल्लेबाजी शीर्ष क्रम में केएल राहुल और पथुम निसांका के अलावा पृथ्वी शॉ पर आधारित रहेगी। वहीं मध्यक्रम में टीम के पास ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा और डेविड मिलर जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के फिट नहीं होने से टीम की गेंदबाजी की जिम्मेदारी लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव और आकिब नबी पर रहेगी। कप्तान अक्षर पर बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में में भी टीम की ओर से अधिक से अधिक योगदान देने की जिम्मेदारी रहेगी। टीम 2008 से ही लीग का हिस्सा है पर एक बार भी खिताब नहीं जीत पाई है। इस दौरान उसने कई कप्तान भी बदले हैं। दिल्ली के लिए इस मुकाबले में राहुल एक्स फैक्टर साबित हो सकते हैं। 145 आईपीएल मैचों में 46.21 के शानदार औसत से 5222 रन बनाने वाले राहुल इस टूर्नामेंट के सबसे लगातार प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाजों में से एक रहे हैं।लखनऊ जैसी कठिन पिच पर राहुल की पारी को संभालने की क्षमता और भी ज्यादा कीमती साबित होगी। अगर वह टीम को एक मजबूत शुरुआत दे पाते हैं और अंत तक बल्लेबाजी करते हैं, तो इससे मध्य क्रम पर दबाव कम होगा और टीम एक अच्छा स्कोर खड़ा कर पाएगी।. राहुल के जोड़ीदार के तौर पर पृथ्वी शॉ को मौका मिल सकता है। अभिषेक पोरेल ने भी आईपीएल 2025 में अपनी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया था। पोरेल ने 13 मुकाबलों में 146 के स्ट्राइक रेट से 301 रन बनाए थे। करुण नायर,ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर से भी इस सीजन टीम को दमदार

प्रदर्शन की उम्मीद होगी। मिलर के आने से टीम का मध्यक्रम और ज्यादा संतुलित दिख रहा है। समीर रिजवी और आशुतोष शर्मा फिनिशर की भूमिका निभाते नजर आएंगे. वहीं, अक्षर पटले और विपराज निगम बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान देंगे।

वहीं दूसरी ओर लखनऊ की टीम कप्तान 2. ऋषभ पंत के अलावा बल्लेबाज निकोलस पूरन पर आधारित रहेगी। ऋषभ को लखनऊ सुपर जायंट्स ने पिछली बार 27 करोड़ में खरीदा था। उन्होंने आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी की थी पर वह अधिकतर समय रन नहीं बना पाये पर अंत में 118 रनों की शानदार पारी खेलते हुए 14 पारियों में कुल 269 रन बनाए थे। इस बार उनका लक्ष्य अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को जीत दिलाना रहेगा। वहीं सलामी बल्लेबाज निकोलस पूरन ने पिछले सत्र में एक आक्रामक सलामी बल्लेबाज के तौर पर 14 मैचों में 524 रन बनाये थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 196.25 का रहा था। इस बार भी टीम उनसे बेहतर प्रदर्शन चाहेगी।

लखनऊ सुपर जायंट्स को मिचेल मार्श और एडेन मार्करम से इस सत्र में टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वहीं पूरन अपने बल पर किसी भी मैच का रुख पलट सकते हैं। हालांकि, कप्तान ऋषभ की फॉर्म लखनऊ टीम के लिहाज से काफी अहम

टीम इस प्रकार है

लखनऊ सुपर जाइंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान), आयुष बडोनी, मैथ्यू ब्रीज्के, एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन, अर्शिन कुलकर्णी, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश महाराज सिंह, आवेश खान, मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, दिग्वेश सिंह राठी, अर्जुन तेंदुलकर, मयंक यादव, वानिंदु हसरंगा, एनरिच नॉर्किया, जोश इंगलिस, अब्दुल समद, हिम्मत सिंह, नमन तिवारी, अक्षत रघुवंशी, मोहसिन खान, मनिमारन सिद्धार्थ, मुकुल चौधरी।

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, नीतिश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स,आशुतोष शर्मा, दुष्मंता चामीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, आकिब नबी दर, पाथुम निसांका, लुंगी एंगिडिगी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, अजय मंडल, टी नटराजन, माधव तिवारी, करूण नायर, साहिल पारख ।

खान, एनरिक नॉर्टजे, मयंक यादव और मोहसिन खान के रूप में लखनऊ के पास अच्छे तेज गेंदबाज हैं। वहीं, स्पिन की जिम्मेदारी दिग्वेश राठी संभालेंगे, जिनका प्रदर्शन पिछले सीजन अच्छा रहा था।

कोच ने बताया सूर्यकुमार के इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरने का कारण

मुम्बई । मुंबई इंडियंस टीम में शामिल बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव आईपीएल सत्र के पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान में उतरे । सूर्या ने इस मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की पर पर वह फिल्डिंग के लिए मैदान में नहीं उतरे । इसके बाद से ही कई

सवाल उठे हैं जिनको लेकर अब टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने सफाई दी है । जयवर्धने ने कहा कि टीम में सब कुछ ठीक है और किसी प्रकार की अटकलें लगायी नहीं जानी चाहिये । सूर्यकुमार को हल्की ग्रोइन समस्या थी, इसलिए उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा गया । जिससे वह चोट से बचे रहें । जयवर्धने के अनुसार वह फील्डिंग करने के लिए तैयार थे पर टीम प्रबंधन किसी प्रकार से उनकी फिटनेस को लेकर खतरा मौल नहीं लेना चाहता था ।

कोच ने साफ कहा कि बड़े खिलाड़ियों को पूरे सत्र के लिए फिट रखना जरूरी है, इसलिए ये सोचा-समझा फैसला था । सूर्या ने केकेआर के खिलाफ ने 8 गेंदों में 16 रन की तेज पारी खेली । उन्होंने शुरुआत में ही बाउंड्री लगाकर लय दिखाई, लेकिन 15वें ओवर में आउट हो गए । मुंबई इंडियंस का अगला मैच 4 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम में होगा । और माना जा रहा है कि इस मैच में सूर्यकुमार इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर नहीं बल्कि अंतिम ग्यारह में शामिल रहेंगे ।

पावरप्ले की कमजोरी नहीं ठीक कर पायी सीएसके

गुवाहाटी (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम एक बार फिर पावरप्ले में कमजोर साबित हुई है। इसी कारण आईपीएल 2026 के अपने पहले ही मैच में उसे राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। सीएसके की आधी टीम शुरुआती छह ओवरों में ही मात्र 41 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी थी। पिछले साल भी उसने पावरप्ले में ही अपने विकेट गंवा दिये थे। कागज पर जहां टीम की बल्लेबाजी कमजोर नजर आती है, वहीं मैदान पर आते ही उसकी कमजोरी की पोल खुल गयी। टूर्नामेंट की शुरुआत पहले दो मैचों में पावरप्ले में बड़े स्कोर के साथ हुई थी। इससे यह साफ हो गया कि अब लीग में पावरप्ले बल्लेबाजी का स्तर काफी कुछ तय करता है। ऐसे में शुरुआत में ही करीब पांच विकेट गिरना दिखाता है कि मैच टीम के हाथों से निकल गया है।

इससे पहले आईपीएल 2025 में भी सीएसके का प्रदर्शन पावरप्ले में अच्छा नहीं रहा था। टीम पावरप्ले में 14 पारियों में 8.70 के रन रेट से 731 रन ही बना पायी थी। उसका औसत पावरप्ले स्कोर 52.21 रहा। सीएसके ने पिछले सत्र में पावरप्ले में 29 विकेट खोये यानी हर पारी में औसतन 2.07 विकेट, जबकि डॉट बॉल प्रतिशत 42.66 फीसदी रहा। पावरप्ले के पहले हाफ में ही काफी कुछ तय होता है। 1 से 3 ओवर में सीएसके ने सिर्फ 7.76 की रन रेट से रन बनाए और 49.60 फीसदी गेंद डॉट खेली। सीएसके के लिए चिंता की बात सिर्फ कम स्कोर नहीं है। असली चिंता यह है कि इस विकेट गिरने का तरीका पिछले साल जैसा ही है। आईपीएल 2025 में सीएसके की पावरप्ले बल्लेबाजी इसलिए खराब थी क्योंकि वह कम स्कोरिंग और ज्यादा नुकसान वाली थी।

जडेजा ने बताया, गन शॉट सेलिब्रेशन का कारण

गुवाहाटी (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम ने आईपीएल 2026 की शुरुआत जीत से की है। उसने पहले ही मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को हराया है। इस मैच में रॉयल्स की ओर से खेल रहे रविन्द्र जडेजा ने सीएसके के शिवम दुबे को आउट करने के बाद गन शॉट सेलिब्रेशन किय। ये पहली बार है जब जडेजा ने इस प्रकार से जश्न मानाया। वह अबतक तलवारबाजी वाला जश्न मानते आये हैं पर गन शॉट वाला नहीं। वहीं जडेजा ने इसका कारण भी बताया है। उन्होंने कहा कि मैं जानता था कि शिवम कैसे सोचते हैं। इसलिए मुझे पता था कि वह बड़ा शॉट खेलने का प्रयास करेगा और उसकी इसी योजना को विफल करने में मैं सफल रहा। इसी कारण मैंने जश्न मनाया।

इससे पहले तक सीएसके में रहे जडेजा पहली बार रॉयल्स से खेल रहे हैं। जडेजा ने अपनी पुरानी टीम के सामने

खतरनाक गेंदबाजी की। 3 ओवर में 18 रन दिए और 2 विकेट लिए। इसमें सरफराज खान और शिवम दुबे का विकेट शामिल था। दोनों को एक ही ओवर में जडेजा ने अपना शिकार बनाया। शिवम को आउट करने के बाद जश्न के कारण वह निगाहों में आये। जडेज ने कहा, मैं उन्हें काफी लंबे समय से जानता हूं। मैं नेट्स में नियमित रूप से उन्हें गेंदबाजी करता रहा हूं। मैं जानता हूं कि वे कैसे सोचते हैं और क्या करना चाहते हैं। मैं इसके लिए तैयार था और मैंने ऑफ-स्टंप के बाहर गेंदबाजी करने की कोशिश की, क्योंकि मुझे पता था कि वे मेरे खिलाफ बड़े शॉट खेलने की कोशिश करेंगे। इस विकेट के साथ सीएसके संभल नहीं पाई और 127 रन पर पूरी टीम सिमट गई। उधर, आरआर ने 13वें ओवर में ही मैच फिनिश कर दिया।

जडेजा ने कहा, मुझे लगा कि विकेट थोड़ा फिसलन भरा था और गेंद घूम रही थी, इसलिए मुझे गेंदबाज़ी करने में बहुत आनंद आया। मेरा काम बस सही जगहों पर गेंद डालना था और बाकी काम पिच पर छोड़ देना था। खेल में आप किसी भी चीज़ को हल्के में नहीं ले सकते; लक्ष्य चाहे जो भी हो, आपको कड़ी मेहनत करने के साथ ही पूरे जुनून से प्रयास करना होता है।

फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ले सकते हैं संन्यास

टोक्यो । जापान ग्रां प्री में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने से निराश फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ने कहा है कि वह अब अपने भविष्य को लेकर विचार कर रहे हैं। वर्स्टापेन के अनुसार सारी जिंदगी आप रेस नहीं कर सकते और जीवन में आगे भी काफी कुछ है । इससे माना जा रहा है कि वह आने वाले दिनों में संन्यास का फैसला कर सकते हैं । इस सत्र के नियमों से भी वह परेशान नजर आये । चार बार के विश्व चैंपियन वर्स्टापेन ने भी मान है कि जापान ग्रां प्री में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा । सुजुका सर्किट पर 11वें स्थान से शुरुआत करने के बाद वह आठवें स्थान तक ही पहुंच सके । इस सत्र में नियमों और इंजन के ढांचे को लेकर भी वह नाराज दिखे । रेस के दौरान एक ऐसा पल भी देखने को मिला जब उनकी गाड़ी की बैटरी तकरीबन समाप्त हो गई थी और इसी कारण वह पिछड़ गये । वहीं क्वालिफाइंग के बाद वर्स्टापेन ने कहा था कि उन्हें अपने भविष्य को लेकर कई चीजों पर विचार करना है । जब उनसे इस बारे में दोबारा पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि वह फॉर्मूला वन में अपने आगे के रास्ते को लेकर विचार कर रहे हैं । बहरीन और सऊदी अरब ग्रां प्री रद्द कर दिए जाने से भी खिलाड़ियों को लंबा ब्रेक मिला है । वर्स्टापेन का कहना है कि वह इसी दौरान आने वाले समय में अपने भविष्य पर फैसला ले सकते हैं ।उन्होंने यह भी कहा कि जिंदगी केवल फॉर्मूला वन तक सीमित नहीं है और आगे कई रास्ते हैं । उनके इस बयान से साफ है कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो वह संन्यास भी ले सकते हैं । वर्स्टापेन का मानना है कि फॉर्मूला वन में बने रहने के लिए खेल का मजेदार बने रहना जरूरी है ।

शुरुआती मैच में मिली हार से निराश नहीं रुतुराज

गुवाहाटी । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने कहा है कि राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल के पहले ही मैच में मिली हार से सबक लेते हुए उनकी टीम वापसी करेगी । रुतुराज ने टीम का बचाव करते हुए कहा है कि सत्र की शुरुआत में गलती होना चल सकता है पर बाद में नहीं । अभी सत्र का पहला ही मैच हुआ है जिसमें मिली हार से टीम को काफी कुछ सीखने को मिला है । इसलिए टीम में पर किसी प्रकार का मानसिक दबाव नहीं है । टीम आने वाले सत्र में प्रदर्शन के लिए तैयार है । वहीं मैच को लेकर

उन्होंने कहा, मैं अधिक निराश नहीं हूं । इसका कारण है कि इस मैच की शुरुआत में हालात कठिन थे । हमारे टीम के लिए जोफ्रा आर्चर जैसे गेंदबाज का सामना करना आसान नहीं था । तब स्पिनरों को भी विकेट से सहायाता मिल रही थी जिससे हालात और खराब थे । स्पिनर्स को भी मदद मिल रही थी ।' उन्होंने हालांकि माना कि टीम बाद में बेहतर बल्लेबाजी कर सकती थी पर असफल रही । उन्होंने कहा कि हम मैच को अंत तक ले जान चाहते थे । हमारा लक्ष्य 150-160 तक पहुंचना था पर सफल नहीं रहे । उन्होंने माना कि टीम की बल्लेबाज विफल रही । पावरप्ले में टीम ने 41 रनों के अंदर तीन विकेट खो दिये थे जिससे उसपर दबाव आ गया था । पारी में कोई भी साझेदारी 40 रन तक नहीं पहुंच सकी जिससे टीम अच्छा स्कोर नहीं बनाने से हार गयी । एक के बाद एक विकेट गिरने से टीम को संभलने का अवसर ही नहीं मिला । इस मैच में टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रहे और उसने शुरुआत में ही रुतुराज और संजू सैमसन के विकेट गंवा दिये । वहीं युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे शून्य पर ही आउट हो गये । मध्य क्रम भी असफल रहा । इम्पैक्स प्लेयर के तौर पर उतरे सरफराज खान भी 17 रन ही बना पाये । युवा खिलाड़ी कार्तिक शर्मा ने 18 रन बनाए । केवल जेमी ओवरटन ही टिककर खेल पाये । ओवरटन ने 36 गेंदों में 43 रन बनाये पर किसी भी बल्लेबाज ने उनका साथ नहीं दिया । शिवम दुबे 6 रन, नूर अहमद 1 रन और मैट हेनरी 5 रन बनाकर आउट हो गए, पूरी टीम 127 रन पर ऑल आउट हो गई ।

कार्तिक अन्य तेज गेंदबाजों के एक्शन की नकल न करें : स्टेन

मुम्बई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा है कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के युवा तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी अपना गेंदबाजी एक्शन बार-बार बदल रहे हैं जिससे उन्हें नुकसान हो रहा है। स्टेन के अनसार जिस प्रकार से कार्तिक अन्य गेंदबाजों की नकल करने का प्रयास कर रहे हैं उससे उन्हें बचना होगा। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि किसी की नकल से कुछ लाभ जरुर मिल सकता है पर हर गेंदबाज के पास आना स्वयं का एक्शन होता है जिसे बनाये रखना चाहिये। आईईपीएल के पहले ही मैच में कार्तिक ने केकेआर के खिलाफ अपने पहले ही मैच में सूर्यकुमार यादव का विकेट लिया था पर उन्होंने 43 रन भी अपनी गेंदबाजी में दिये। स्टेन ने यह भी कहा कि इस युवा में काफी प्रतिभा है और उसे इसका सही

से इस्तेमाल करना चाहिये। इसके साथ ही धैर्य रखते हुए विकेट के लिए हड़बड़ी नहीं करनी चाहिये। स्टेन के अनुसार, विकेट लेने की एक प्रक्रिया होती है और खिलाड़ी को उसी पर ध्यान देना चाहिए, न कि हर गेंद पर विकेट लेने का प्रयास करना चाहिये। साथ ही कहा कि इस गेंदबाज को अपने पर भरोसा रखते हुए जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए।अब तक के आईपीएल कैरियर को देखें तो कार्तिक ने आईपीएल 2020 में राजस्थान के लिए खेलते हुए 10 मैचों में 9 विकेट लिए थे और तभी सभी का ध्यान उनपर गया था। साल 2021 में उन्होंने पंजाब के खिलाफ आखिरी ओवर में 4 रन बचाकर मैच जिताया था। पर इसके बाद चोट और टीम बदलाव की वजह से उनका करियर आगे नहीं बढ़ा। हैदराबाद, गुजरात के बाद अब वह केकेआर से खेल रहे हैं। टीम अगला मैच 2 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ है जिसमें भी उन्हें अवसर मिलना तय है। ऐसे में इस युवा के पास उस मैच में भी बेहतर प्रदर्शन का टीम को जीत दिलाने का अवसर रहेगा।

दिल्ली को जीत दिलाने अक्षर पटेल को निरंतरता लानी होगी : इरफान पठान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर ऑलराउंडर और कप्तान अक्षर पटेल के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है और अगर उन्हें अपनी टीम को जीत दिलानी है तो इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पठान के अनुसार पिछले सत्र में अक्षर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। पठान ने बताया है कि हाल के दिनों में दिल्ली कैपिटल्स के लिए सबसे बड़ी चिंता टीम के खिलाड़ियों का कमजोर प्रदर्शन रहा है। पठान ने किहा कि अक्षर पिछले सत्र के 12 मैचों में केवल 5 विकेट ले पाये और अन्होंने 263 रन बनाए। पठान ने कहा, पिछले साल अक्षर की गेंदबाजी में धार नहीं दिखी थी। उनका आत्मविश्वास हालांकि कप्तान बनने के बाद बढ़ा होगा पर अगर वह अपनी तरफ से नियमित रूप से विकेट लेते हैं, तो उनकी टीम हावी हो जाएगी क्योंकि उनकी टीम के पास कुलदीप यादव जैसा विकेट लेने वाला गेंदबाज है। इसके अलावा विपराज निगम जैसे उभारत हुआ खिलाड़ी है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कहा, आपको अक्षर और कुलदीप जैसी स्पिन-गेंदबाजी की जोड़ी कहीं और देखने को नहीं मिलेगी। आपको इसमें विपराज का नाम भी जोड़ना होगा। विपराज के साथ उनके पास दो ऐसे अनुभवी खिलाड़ी हैं जिन्होंने लगातार दो विश्व कप जीते हैं। भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों वाला ऐसा अनुभव आपको हर जगह नहीं मिलता। दिल्ली के लिए ये सकारात्मक बात है। कैपिटल्स ने पिछले सत्र की शुरुआत काफी अच्छी करते हुए लगातार चार मैच जीते थे। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स , सनराइजर्स हैदराबाद , चेन्नई सुपर किंग्स और आरसीबी को हराया था पर उसके बाद मुंबई इंडियंस से हार गए और इससे टीम ने अपनी लय गंवा दी थी। यह टीम अपने पिछले 10 मैचों में से सिर्फ तीन ही जीत पाई और अंक तालिका में 5 स्थान पर रही। अब इस सत्र में टीम बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। उसे अपना पहला मुकाबला 1 अप्रैल को लखनऊ के एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलना है। दिल्ली का लक्ष्य इस मैच को जीतकर अच्छी शुरुआत करना रहेगा।

एफआईएस नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

लुसाने । भारतीय महिला हॉकी टीम न्यूजीलैंड के आकलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएस नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी । हॉकी नेशंस कप प्रो लीग से बाहर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली टीमों का शीर्ष स्तरीय टूर्नामेंट है । इसमें विजेता टीम को अगले

सत्र में प्रो लीग में खेलने का अवसर मिलता है ।भारतीय महिला हॉकी टीम पिछले सत्र में नौ टीमों में आखिरी स्थान पर रहने के बाद से ही प्रो लीग से बाहर हो गई थी । भारत के अलावा इसमें मेजबान न्यूजीलैंड, अमेरिका, जापान, कोरिया, चिली, स्कॉटलैंड और फ्रांस भी भाग लेंगे । भारतीय महिला हॉकी टीम ने पिछले कुछ समय में काफी अच्छा प्रदर्शन करती आ रही है जिससे उसे नेशंस कप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है । वहीं पुरुषों वर्ग टूर्नामेंट केपटाउन में खेला जाएगा जिसमें दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, फ्रांस, कोरिया, जापान, वेल्स, मलेशिया, आयरलैंड और स्कॉटलैंड की टीमें हिस्सा लेंगी । यह टूर्नामेंट 11 से 20 जून तक खेला जाएगा । इसके लिए भारतीय पुरुष और महिला टीमों की तैयारी जारी है ।

सीएसके के खिलाफ आक्रामक पारी के बाद बोले वैभव सूर्यवंशी, मैं डिफेंस के बारे में भी सोचता हूं

गुवाहाटी (असम) (एजेंसी)। अपने 15वें जन्मदिन के तीन दिन बाद वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 सीजन की शुरुआत 15 गेंदों में अर्धशतक से की, जो इसलिए भी खास था क्योंकि उसी पिच पर चेन्नई सुपर किंग्स सिर्फ 127 रन पर ऑलआउट हो गई थी। सूर्यवंशी ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स की योजना पावरप्ले का पूरा फायदा उठाने की थी, इसलिए उन्होंने आक्रामक अंदाज अपनाया। हालांकि उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि वह डिफेंस के बारे में भी सोचते हैं।

राजस्थान की 8 विकेट की जीत के बाद सूर्यवंशी ने कहा, 'हमारी योजना थी कि हम पावरप्ले को अच्छी तरह एग्जिक्यूट करें। शुरुआत में विकेट थोड़ा धीमा लग रहा था, लेकिन बाद में गेंद पुरानी होने पर बल्ले पर अच्छे से आने लगी। मैं डिफेंस के बारे में भी सोचता हूं, लेकिन आज हमारा प्लान पावरप्ले में खेलने का था। छोटे टारगेट में मैच पावरप्ले में ही तय हो जाता है। अगर बॉलिंग टीम पावरप्ले में अच्छा करती, तो मैच उनके पक्ष में जा सकता था। लेकिन हम सभी ने पूरी तरह अटैक किया और हमारा पावरप्ले अच्छा गया।'

सूर्यवंशी को पहली ही गेंद पर CSK के डेब्यू खिलाड़ी कार्तिक शर्मा ने कैच छोड़ दिया था, जो डीप मिडविकेट पर एक मुश्किल मौका था। उन्होंने पावरप्ले खत्म होने तक 16 गेंदों में 52 रन बना लिए जिसमें 5 छक्के और चार चौके शामिल थे। RR का स्कोर 6 ओवर में 70 रन था। उन्होंने कहा कि RR मैनेजमेंट ने उन्हें अपना नेचुरल गेम खेलने की आजादी दी और सीजन से पहले उनकी तैयारी भी अच्छी रही।

इस युवा बल्लेबाज ने कहा, 'उन्होंने बस कहा कि हम तुम्हें सपोर्ट कर रहे हैं, तुम अपना नेचुरल गेम खेलो। उन्होंने मेरे साथ बहुत अच्छा व्यवहार किया। प्रैक्टिस भी अच्छी रही। हम यहां थोड़ा पहले आ गए थे, इसलिए तैयारी अच्छी हुई। उन्होंने कहा कि बस अपना गेम खेलो, सिचुएशन पढ़ो और खेलो। बाकी अपने गेम पर भरोसा रखो।' गौर हो कि सूर्यवंशी ने 2025 में 14 साल की उम्र में IPL डेब्यू किया था। उन्होंने क्रक्के लिए 7 मैच खेले, IPL इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक (35 गेंद) लगाया और सीजन में 252 रन 206.55 के स्ट्राइक रेट से बनाए।

बीबीए के बाद क्या है कॅरियर ऑप्शन

बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। बीबीए यानी बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, हाल के दिनों में बेहद तेजी से यह कोर्स लोकप्रिय हुआ है। दुनिया में छोटे से लेकर बड़े व्यापार लोग कर रहे हैं, तो गवर्नमेंट भी चाह रही है कि लोग-बाग बिजनेस करें, ताकि देश की इकोनॉमी तेज गति से आगे बढती रहे।

इन तमाम चीजों में अगर एक कॉमन फैक्टर खोजा जाए तो वह यह है कि नए-पुराने सभी व्यापारों में मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। चूंकि ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है। और ऐसी स्थिति में बीबीए को एक स्टूडेंट कॅरियर के रूप में बेहतरीन ऑप्शन के तौर पर चुन सकता है। ऐसी स्थिति में आपको कारपोरेट लीडर बनने का मौका मिल जाता है। अगर साधारण तौर पर भी बात की जाए, तो कॅरियर ग्रोथ के लिए बीबीए के बाद कैंडिडेट्स को एमआईएस अर्थात मैनेजमेंट इनफॉरमेशन सिस्टम का सर्टिफिकेशन कोर्स करने की सलाह भी एक्सपर्ट देते है। सॉफ्टवेयर की जानकारी से आपका कॉन्फिडेंस तो बढ़ेगा ही, साथ ही कारपोरेट वर्ल्ड में इन चीजों का बेहतर से बेहतर प्रयोग होता है, जिससे आपको काफी आसानी होगी। इसी प्रकार कम्युनिकेशन पर भी आपको खासा ध्यान देना चाहिए, क्योंकि प्रबंधन वही कर सकता है, जो तमाम पक्षों से बेहतरीन कम्युनिकेशन करने की दक्षता रखता हो।

मार्केट के कई पक्ष होते हैं, और उनके साथ आप तभी ठीक तरह से कम्युनिकेट कर पाएंगे, जब आप बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल अपने भीतर रखते हैं। इसके लिए आपको अपने कलीग्स के साथ इंटरेक्शन करते रहना चाहिए, तो भिन्न न्यूज पेपर्स भी पढ़ते रहना चाहिए। इतना ही नहीं, मार्केट ट्रेंड को आप अपने ध्यान में हमेशा बनाए रखें, जिससे चीजों को समझने की आपकी दक्षता काफी बढ़ेगी।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। इससे आपकी दक्षता तो बढ़ती ही है, आपका फोकस क्लियर होने से आप सफलता की राह पर इतनी ही तीव्रता से आगे की ओर बढ़ सकते हैं।

ध्यान दीजिये कि अगर आप साधारण कॉलेज से बीबीए करते हैं, और मार्केट ट्रेंड्स पर नजर बनाए रखते हैं, तो शुरुआत में 12000 से 18000 तक की मासिक वेतन पर आपको शुरुआत मिल सकती है, और जैसे-जैसे आप अनुभव में दक्ष होते जाएंगे, वैसे-वैसे लीडर्स की पोजीशन आपको अपनाती चली जाएगी। हालाँकि बीबीए के बाद आपको एमबीए करने की सलाह भी कई एक्सपर्ट आपको देंगे और यह बेहद नॉर्मल है। बीबीए के बाद एमबीए तकरीबन 2 वर्ष का है और तमाम टॉप कॉलेज आपको आसानी से एक से बढ़कर एक आप्शन देते हैं। हालांकि इसके लिए आपको कैट और मैट जैसे एंट्रेंस एग्जाम पास करने पड़ते हैं, और फिर एमबीए में आप मार्केटिंग, एचआर, फाइनेंस और इंटरनेशनल ट्रेड इत्यादि दूसरे स्पेशलाइजेशन कोर्स कर सकते हैं, और अपने कैरियर को चुन सकते हैं। अगर आप के पास समय कम है और आप जॉब कर रहे हैं, तो एग्जीक्यूटिव एमबीए में भी आपको बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हो सकते हैं, और फिर बाद में आप हेल्थकेयर, टेक्नोलॉजी, गवर्नमेंट एजेंसी, मैन्युफैक्चरिंग एनजीओ और एफएमसीजी ऑर्गेनाइजेशंस में काम करके अपने कैरियर को सेप दे सकते हैं, तो बेहतरीन पैसे कमा सकते हैं। अगर आप एमबीए नहीं कर पाते हैं, तो मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। हालांकि कई जगह पर इन दोनों के बीच में कोई फर्क नहीं है, लेकिन एमबीए जहाँ डिग्री कोर्स है, जबकि पीजीडीएम एक डिप्लोमा कोर्स माना जाता है। परंतु अगर आपने किसी बेहतरीन कॉलेज से डिप्लोमा भी किया हुआ है, तो बीबीए के बाद इसका काफी महत्व होता है। एमबीए और पीजी डिप्लोमा के अलावा आप एमएस कोर्स भी कर सकते हैं और मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री ले सकते हैं। 2 वर्ष के इस कोर्स को किसी भी यूजीसी से मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी द्वारा किया जा सकता है। सबसे बेहतरीन है कि आप कितनी तत्परता से इन कोर्सेज को सीखते हैं और कितनी स्पीड के साथ अपने कॅरियर में अपनाते हैं। अगर आप सावधानीपूर्वक और फोकस तरीके से इसे करते हैं, तो ना केवल एंटरप्रेन्योरशिप में, बल्कि फाइनेंस एंड अकाउंटिंग मैनेजमेंट, मार्केटिंग, सप्लाई चैन मैनेजमेंट, एचआर मैनेजमेंट, टूरिज्म मैनेजमेंट इत्यादि क्षेत्रों में भी अपने झंडे गाड़ सकते हैं। प्राइवेट सेक्टर में तो एडवरटाइजिंग, बैंकिंग, कंसलटेंसी, एविएशन, फाइनेंस, एंटरटेनमेंट, आईटी, इंश्योरेंस, ऑनलाइन मार्केटिंग, मैन्युफैक्चरिंग इत्यादि इंडस्ट्रीज आपको हाथों हाथ ले सकती हैं।

मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है।

इन तरीकों से भी आप जुड़ सकते हैं ब्यूटी इंडस्ट्री से

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

जब भी ब्यूटी इंडस्टी में कॅरियर बनाने की बात होती है तो सबसे पहले मेकअप आर्टिस्ट बनने का ही ख्याल आता है। यकीनन यह कॅरियर ऑप्शन हर किसी के मन को लुभाता है और आजकल तो सिर्फ महिलाएं ही नहीं, पुरूष भी बतौर मेकअप आर्टिस्ट बनकर अच्छा खासा पैसा और नाम कमा रहे हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आप सिर्फ मेकअप आर्टिस्ट बनकर ही अपना कॅरियर संवारें। अगर आप भी खुद को खूबसूरती की इस दुनिया में स्थापित करना चाहते हैं तो इसके लिए आप अन्य कई राहों को चुन सकते हैं। तो चलिए आज हम आपको इनमें से कुछ के बारे में बताते हैं-

मेकअप आर्टिस्ट

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

ब्यूटी ब्लॉगर

अगर आप अपने टैलेंट व स्किल को दुनिया के सामने लाना चाहते हैं तो इसमें इंटरनेट की मदद लें। आप बतौर ब्यूटी ब्लॉगर खुद को स्थापित कर सकते हैं। आप लेखन या वीडियोज के जरिए अपने स्किल्स को लोगों के साथ बांट सकते हैं। अगर आप सच में मेकअप व ब्यूटी केयर की गहरी समझ रखते हैं तो यकीनन लोग आपको काफी पसंद करेंगे। आप अपने ब्लॉग में किसी मेकअप प्रॉडक्ट का रिव्यू करने से लेकर ब्यूटी व मेकअप करने की तकनीक, मेकअप ट्यूटोरियल, ब्यूटी टिप्स व टेंड के बारे में बता सकते हैं। बस आप अपना ब्लॉग या चैनल शुरू करें और अपना ज्ञान दूसरों के साथ बांटें। बतौर ब्यूटी ब्लॉगर आप खुद को काफी फेमस भी कर सकते हैं।

हेयर स्टाइलिस्ट

कभी भी मेकअप तभी अच्छा लगता है, जब हेयरस्टाइलिंग भी अच्छी हो। जहां कुछ समय पहले तक मेकअप आर्टिस्ट ही हेयर स्टाइलिंग करते थे, वहीं अब अलग से प्रोफेशनल हेयर स्टाइलिस्ट की डिमांड होने लगी है। हेयर स्टाइलिस्ट बालों को कटिंग, ट्रिमिंग, स्टाइलिंग और अन्य तरीकों से आपको एकदम परफेक्ट लुक देते हैं। बतौर हेयरस्टाइलिस्ट आप एक्टर्स, थिएटर प्रॉडक्शन, टेलीविजन सेट्स या मेकअप आर्टिस्ट के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

नेल टेक्नीशियन

पिछले कुछ समय से नेल आर्ट का क्रेज काफी बढ़ गया है। आजकल नाखूनों को एक कैनवास के रूप में देखा जा रहा है, जिस पर आप अपनी क्रिएटिविटी को आसानी से उकेर सकते हैं। प्रोफेशनल नेल टेक्नीशियन की मार्केट में अलग से डिमांड है। यह नाखूनों पर बेहद खूबसूरत नेल डिजाइन्स बनाते हैं। बतौर नेल टेक्नीशियन आप खुद का नेल सैलून खोल सकते हैं या फिर अन्य सैलून, स्पा या रिसॉर्ट आदि में काम कर सकते हैं।

इन प्रश्नों की मदद से आप किसी की भी पर्सनैलिटी के बारे में जान सकते हैं

अक्सर हम किसी भी व्यक्ति की पर्सनैलिटी के विषय में जब जानना चाहते हैं तो हम उससे कुछ सवाल पूछते हैं। उन सवालों के आधार पर हम ये जानने और समझने का प्रयास करते हैं कि व्यक्ति की पर्सनैलिटी कैसी है। आइए जानते हैं उन सैम्पल प्रश्नों के विषय में जिन्हें आधार बनाकर किसी की पर्सनैलिटी के विषय में पता लगाया जा सकता है।

आपका रोल मॉडल कौन है?

यह प्रश्न आपको किसी व्यक्ति की प्राथमिकताओं, आकांक्षाओं और उद्देश्यों के बारे में बहुत कुछ बताएगा। आप लोगों की लिस्ट पेश करके पूछ सकते हैं कि आप किस व्यक्ति की सबसे अधिक सराहना करते हैं और आपका रोल मॉडल कौन है। प्रत्येक विकल्प किसी व्यक्ति के लिए एक निश्चित प्रवृत्ति या प्राथमिकता की ओर निर्देशित कर सकता है। इस प्रश्न के जरिए किसी की पर्नैलिटी का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

आपको सबसे बेहतर कौन जानता है?

व्यक्ति के खुलेपन और घनिष्ठ संबंध बनाने की इच्छा के बारे में बहुत कुछ जानना चाहते हैं तो यह प्रश्न उस व्यक्ति के बारे में यह बताएगा। यदि उनकी अपनी मां उन्हें सबसे अच्छी तरह से जानती है, तो आप एक अंतर्मुखी के साथ बात कर रहे हैं। यदि कोई कहता है कि उन्हें अपनी बहन और एक दोस्त सबसे अच्छी तरह से जानते हैं, तो आप शायद किसी ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हैं जो मतभेदों और असहमति के बावजूद लोगों को जानने और उनके साथ बंधने के लिए हमेशा तैयार रहता है।

आपने अपनी सबसे बड़ी असफलता से क्या सीखा?

यह प्रश्न बताता है कि क्या कोई व्यक्ति क्रिएटिव तरीके से अपनी असफलता से निपटता है। इन प्रश्न के उत्तर के बाद आप जान सकते हैं कि व्यक्ति पॉजिटिव पर्सनैलिटी का है या नेगेटिव पर्सनैलिटी का।

अगर आपके घर में कोई चीज टूट जाती है, तो आप सबसे पहले क्या करते हैं?

यह आपको दिखाएगा कि एक व्यक्ति समस्याओं से कैसे निपटता है और काम में बाधा आने पर उनके कार्य करने की संभावना कैसे होती है। पर्सनैलिटी जांचने के लिए यह सबसे बेहतर तरीका हो सकता है।

वह कौन सा तरीका है जो आपको शांत करने में मदद करता है?

किसी के व्यवहार के बारे में जानना है तो ये जरूर जानिए कि व्यक्ति विषम परिस्थितियों में खुद को शांत कैसे रखता है। जो व्यक्ति विषम परिस्थियों में खुद को शांत रख सकता है वह जीवन में कुछ भी कर सकता है।

एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है।

एमबीए की पढ़ाई की है तो ऐसे मिल सकता है मोटा वेतन

एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। कॅरियर की चाहे जितनी भी संभावनाएं सामने आ जाएँ, ट्रेडिशनल कोर्सेज का अपना स्वैग है। आप इतना जान लीजिए कि एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है। इसीलिए एमबीए करने वाले लड़कों को अच्छी खासी सैलरी भी मिलती है। हालांकि अगर आप अपने कॅरियर से लापरवाही बरतते हैं, इंटरव्यू को लेकर लापरवाही बरतते हैं, तो आप सैलरी के मामले में पिछड़ सकते हैं। आइए जानते हैं कि एमबीए करते समय और उसके पहले क्या सावधानियां आपको अच्छा खासा वेतन दिला सकती हैं।

विषय का रखें ध्यान

जी हां! 12वीं के तत्काल बाद आपको विषयों के चुनाव में सावधानी बरतना चाहिए। अगर आप बाद में एमबीए करना चाहते हैं, तो ग्रेजुएशन में ही उन विषयों को चुनकर रखना चाहिए, जो बाद में एमबीए करने में आपकी मदद करें। साथ ही इंग्लिश पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि मल्टीनेशनल कंपनियां इंग्लिश को अच्छा खासा प्रेफरेंस देती हैं, तो शुरु से ही अगर आप इसकी तैयारी करते हैं, तो बाद के दिनों में आप इसमें महारत हासिल कर सकते हैं।

बिजनेस वर्ल्ड पर नजर रखें

शेयर मार्केट की उठापटक, मार्केट ट्रेस करना, कंपनी को रिस्ट्रक्चर किस तरह से किया जाता है, कंपनी के संभालने-रजिस्ट्रेशन इत्यादि से संबंधित कानून इत्यादि बिजनेस वर्ल्ड की तमाम बातों को आप अनदेखा ना करें, बल्कि उन पर केस स्टडी करें। ऑनलाइन तमाम मैटेरियल अवेलेबल हैं, किंतु आप अपने दूसरे फ्रेंड्स, कलीग्स इत्यादि से भी इन विषयों पर गहराई से बात कर सकते हैं। यह आपके नॉलेज को बढ़ाने में अच्छा खासा सहायक सिद्ध होगा, क्योंकि आखिरकार आपको बिजनेस वर्ल्ड में ही जाना और उसके अनुरूप कार्य करना है। ध्यान रखिए एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। जाहिर तौर पर आप इस तरह की टीम स्पिरिट विकसित करके नेटवर्किंग बढ़ा सकते हैं, और इस मामले में अपनी स्किल को धार दे सकते हैं।

ग्रुप स्टडी

यह आपकी काफी मदद कर सकती है, क्योंकि एक विषय को जब आप पढ़ते हैं, तो आपका अपना एक नजरिया होता है, एक दिशा होती है, वहीं जब आप ग्रुप स्टडी करते हैं, तो कई सारे पक्ष आपके सामने आते हैं। इसके अलावा ग्रुप स्टडी का एक फायदा यह भी नजर आता है कि कई बार जो चीज आप नहीं पढ़े होते हैं, वह भी ग्रुप स्टडी में सुन-सुनकर आपका सबकॉन्शियस माइंड उन चीजों को ऐड कर लेता है।

लक्ष्य क्लियर रखें

ध्यान रखिए! प्रबंधन के विषयों में उद्देश्य समझना जरूरी है। आप क्या कर रहे हैं, क्यों कर रहे हैं, आप खुद से क्या चाहते हैं? अगर यह सारी चीजें आपके दिमाग में पहले से क्लियर हैं, तो उन उद्देश्यों को पाने से आपको कोई नहीं रोक सकता, किंतु अगर आप खुद ही क्लियर नहीं हैं, तो आप मुश्किल में पड़ने वाले हैं, और आप को नहीं समझ में आएगा कि आप जिंदगी से वास्तव में चाहते क्या हैं? सोचिये-समझिये कि आप अपने कॅरियर से चाहते क्या हैं और अपना लक्ष्य क्लियर रखें, और उसी के अनुरूप तैयारी करें। इसी के माध्यम से अगर आप इन विषयों में महारत हासिल कर लेते हैं, तो दुनिया की कोई ताकत आपको मोटा वेतन से और एक सफल कैरियर बनाने से नहीं रोक सकती। जहाँ तक एमबीए में प्रवेश के लिए योग्यता की बात है तो आपको ग्रेजुएशन में डिग्री के साथ-साथ कम से कम 50% मार्क्स होने आवश्यक हैं और अलग-अलग पैटर्न के एग्जाम देकर आप इस में प्रवेश ले सकते हैं।

मुख्य रूप से एमबीए इन फाइनेंस, एमबीए इन मार्केटिंग, एमबीए इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस, एमबीए इन ऑपरेशन मैनेजमेंट, एमबीए इन इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के कोर्स मौजूद हैं। इसके लिए ऊपर बताये गए पॉइंट्स को अवश्य ही ध्यान में रखें और तभी आपका कांसेप्ट क्लियर रहेगा और आप एक सफल कॅरियर और मोटी तनख्वाह की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे।

मोहनलाल के साथ अपनी 100वीं फिल्म करेंगे प्रियदर्शन

प्रियदर्शन ने बतौर निर्देशक 'पूचक्कोरु मूक्कुथी' से डेब्यू किया था। अब प्रियदर्शन अपनी 100वीं फिल्म लेकर आ रहे हैं। अपनी 100वीं फिल्म में प्रियदर्शन उसी अभिनेता के साथ काम करेंगे, जिनके साथ उन्होंने अपनी डेब्यू फिल्म की थी।

प्रियदर्शन और मोहनलाल की जोड़ी बहुत खास है, क्योंकि मोहनलाल ने प्रियदर्शन की पहली फिल्म 'पूचक्कोरु मूक्कुथी' में भी मुख्य भूमिका निभाई थी। अब उनकी 100वीं फिल्म में भी मोहनलाल हीरो होंगे।

किस पर आधारित होगी फिल्म

प्रियदर्शन की 100वीं फिल्म का नाम अभी नहीं तय हुआ है। यह कॉमेडी नहीं, बल्कि एक म्यूजिकल फिल्म हो सकती है। फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने की उम्मीद है। हो सकता ही कि इस फिल्म की शूटिंग 2026 में ही शुरू हो जाए। इस फिल्म को एंटनी पेरुंबावूर की कंपनी बनाएगी। बिनु जॉर्ज अलेक्जेंडर इसके सह-निर्माता हैं।

मोहनलाल का पोस्ट

मोहनलाल ने इंस्टाग्राम पर इस फिल्म को लेकर एक भावुक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने लिखा कि यह पल सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि सभी लोगों का है जो इस सफर के गवाह बने। उन्होंने प्रियदर्शन को बधाई दी और कहा कि 100 फिल्में सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि जुनून, लगन और सिनेमा के जादू की पूरी जिंदगी हैं। वह इस ऐतिहासिक फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत खुश और सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

प्रियदर्शन की डेब्यू फिल्म 'पूचक्कोरु मूक्कुथी'

साल 1984 में 'पूचक्कोरु मूक्कुथी' नाम की कॉमेडी फिल्म से प्रियदर्शन ने निर्देशक के तौर पर डेब्यू किया था। अपनी पहली ही फिल्म में उन्होंने मोहनलाल को हीरो चुना था। उस दिन से मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में दोनों का साथ शुरू हुआ, जो अब उनकी 100वीं फिल्म तक जा पहुंचा है।

कंफर्ट जोन से बाहर आकर एक्शन-कॉमेडी फिल्में करना चाहती हैं शालिनी पांडे

अभिनेत्री शालिनी पांडे ने अपने करियर में अलग-अलग जॉनर की फिल्मों और सीरीज में काम किया है। अब अभिनेत्री की इच्छा एक्शन फिल्म में काम करने की है। 'धुरंधर' को अपनी मौजूदा पसंदीदा फिल्म बताते हुए शालिनी ने इन दो कलाकारों को अपना फेवरेट बताया और काम करने की इच्छा जताई। एक्ट्रेस ने अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर भी बात की। बातचीत में शालिनी पांडे ने कहा कि मैं इतनी महत्वाकांक्षी हूं कि मुझे लगता है कि मैं बहुत कुछ करना चाहती हूं। मैंने जीवन भर खेल खेले हैं और मुझे खेल बहुत पसंद हैं, इसलिए मुझे लगता है कि मैं एक एक्शन फिल्म में काम करना चाहूंगी। मुझे एक्शन पसंद है। मुझे इसका रोमांच बहुत अच्छा लगता है। इसलिए एक्शन ही वह चीज है जो मैं करना चाहती हूं।

अभिनेत्री ने आगे कॉमेडी जॉनर को लेकर कहा कि कॉमेडी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसे मैं पूरी तरह से एक्सप्लोर करना चाहती हूं क्योंकि एक दर्शक के रूप में मुझे ये चीजें पसंद आती हैं। मुझे लगता है कि एक्शन और कॉमेडी दोनों ही तरह के रोल मुझे पसंद हैं। मैं ऐसे लोगों के साथ काम करना चाहती हूं जो एक एक्टर के रूप में मुझे प्रेरित करें, जो मुझे मेरे कंफर्ट जोन से बाहर निकलने के लिए प्रेरित करें। ऐसा नहीं है कि मैं जहां भी हूं वहां बहुत सहज होने की कोशिश नहीं करती, लेकिन एक एक्टर के रूप में मैं खुद को आगे बढ़ाना चाहती हूं। मैं ऐसी जगह नहीं रहना चाहती, जहां मेरा विकास बिल्कुल न हो रहा हो।

ऋतिक और रणवीर को बताया अपना फेवरेट एक्टर

किस तरह के कलाकार के साथ काम करने के सवाल पर शालिनी ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि मुझे किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने का मौका मिले जो मेरा पूरक हो और मैं उस व्यक्ति का पूरक बन सकूं। वहीं एक्टर को लेकर उन्होंने कहा कि मुझे सबसे पहले रणवीर सिंह एक अभिनेता के रूप में बहुत पसंद हैं। मैंने 'धुरंधर' देखी है, जो मेरी हाल की पसंदीदा फिल्मों में से एक है, इसलिए मुझे लगता है कि वह हर तरह की भूमिका में अच्छे हो सकते हैं। इसके अलावा ऋतिक रोशन भी इस लिस्ट में हैं, क्योंकि मैंने उन्हें बचपन से ये सब करते देखा है। मुझे लगता है कि सबसे पहले इन्हीं दो लोगों का नाम आता है।

आखिरी बार इस सीरीज में नजर आई थीं शालिनी

वर्कफ्रंट की बात करें तो तेलुगु फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली शालिनी ने बॉलीवुड में डेब्यू रणवीर सिंह के ही साथ किया। 2022 में रणवीर के साथ फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' से उन्होंने हिंदी फिल्मों में कदम रखा है। वो आखिरी बार इसी साल आई फिल्म 'राहु केतु' और सीरीज 'बैंडवाले' में नजर आई हैं।

वामिका गब्बी बनीं मेकर्स की पहली पसंद

अक्षय कुमार के साथ 'भूत-बंगला' से सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली वामिका गब्बी के लिए साल 2026 बेहतरीन होने वाला है क्योंकि अभिनेत्री सिर्फ हिंदी सिनेमा में ही नहीं, बल्कि मलयालम और तमिल सिनेमा में भी धूम मचाने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री की एक नहीं, बल्कि 7 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर इस साल दस्तक दे सकती हैं, जो कॉमेडी से लेकर एक्शन के जॉनर में होने वाली हैं। इन सभी फिल्मों में अभिनेत्रियों का अलग-अलग अवतार फैंस को देखने को मिलने वाला है। वामिका 'भूत-बंगला' के साथ 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। फिल्म हॉरर और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल होने वाली है। फिल्म को प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं, और ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि दर्शक डरने के साथ पेट पकड़कर हंसने भी वाले हैं। वामिका 4 साल बाद मलयालम सिनेमा में वापसी के लिए तैयार हैं। वह 'टिकी टाका' फिल्म में अभिनेत्री आसिफ अली के साथ लीड रोल में दिखने वाली हैं। फिल्म पहली 2025 में दिसंबर के महीने में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब फिल्म मई के महीने में रिलीज हो सकती है। फिल्म का निर्देशन रोहित वीएस कर रहे हैं, जो पहले से ही अपनी एक्शन से भरपूर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। सिर्फ मलयालम में ही नहीं, वामिका तमिल सिनेमा में फेंटसी फिल्म 'जिनी' में महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाली है। फिल्म का निर्देशन अर्जुनन जूनियर कर रहे हैं और फिल्म में वामिका के अलावा, जयम रवि और कल्याणी प्रियदर्शन भी लीड रोल में हैं। अभी तक फिल्म का पोस्टर सामने आया है जिसमें सभी लोग काल्पनिक किरदारों में दिख रहे हैं। फिल्म इसी साल, 2026, में रिलीज होगी। इसके अलावा वामिका 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' और 'पति पत्नी और वो दो' में दिखने वाली हैं। 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' रोमांटिक और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल है, जबकि 'पति पत्नी और वो दो' में जबरदस्त कॉमेडी और रिश्तों की नोक-झोंक दिखने वाली है। दोनों ही फिल्में इसी साल पर्दे पर रिलीज होने वाली हैं। 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' की शूटिंग भी लगभग पूरी हो चुकी है। वामिका 'किकली' के जरिए पंजाबी सिनेमा में भी एक्शन करती नजर आने वाली है। 'किकली' आगामी एक्शन-थ्रिलर फिल्म में मंदी तखर और जोबनप्रीत लीड रोल में हैं। फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन माना जाता है कि फिल्म इस साल के आखिर तक रिलीज हो जाएगी। वहीं, अभिनेत्री एक्शन और थ्रिलर से भरी फिल्म 'जी-2' में भी दिखने वाली है। कहा जाता रहा है कि फिल्म मई के आखिर में रिलीज हो सकती है।

ओटीटी पर स्ट्रीम होगी मोना सिंह और मिहिर आहूजा की नई वेब सीरीज 'मां का सम'

मोना सिंह और मिहिर आहूजा वेब सीरीज 'मां का सम' में एक साथ नजर आने वाले हैं। मोना और मिहिर के अलावा इस सीरीज में अंगिरा धर और रणवीर बराड़ भी अहम किरदार में नजर आएंगे। जानें किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी सीरीज?

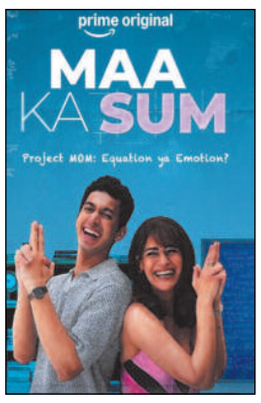

'मां का सम' एक नई वेब सीरीज है। जिसका निर्देशन निकोलस खारकोंगोर ने किया है। इस सीरीज में मोना सिंह के साथ मुख्य भूमिका में मिहिर आहूजा नजर आएंगे। यह सीरीज 3 अप्रैल 2026 को प्राइम वीडियो रिलीज हो रही है। इस सीरीज की कहानी अगस्त्य नाम के एक होनहार टीनएज लड़के की है, जिसे मिहिर आहूजा ने निभाया है। अगस्त्य बहुत अच्छा मैथ्स का स्टूडेंट है। वह पूरी दुनिया को नंबर्स, ग्राफ और लॉजिक के नजरिए से देखता है। उसकी सिंगल मां विनीता का रोल मोना सिंह ने निभाया है।

अदिवी ने की को-स्टार मृणाल ठाकुर की तारीफ

अदिवी शेष की फिल्म 'डकैत' इन दिनों चर्चा में है। हालांकि, फिल्म जितनी अपनी कहानी को लेकर सुर्खियों में है, उससे ज्यादा इसकी कास्टिंग में आए बदलाव को लेकर भी चर्चा बनी हुई है। शुरुआत में इस फिल्म का हिस्सा रहीं श्रुति हासन बीच में ही बाहर हो गईं, जिसके बाद मृणाल ठाकुर की एंट्री हुई। मृणाल ठाकुर की एंट्री पर अदिवी शेष बताते हैं, 'श्रुति के जाने के बाद हमने मृणाल को फिल्म सुनाई। सुबह 10 बजे हमने उन्हें पिच किया और दोपहर 1 बजे तक उन्होंने हाँ कह दी। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। आमतौर पर जवाब आने में हफ्ते या महीने लग जाते हैं, लेकिन उन्होंने तुरंत दिल से कहा कि उन्हें फिल्म बहुत पसंद आई।' वह कहते हैं, 'मृणाल बहुत खूबसूरत, टैलेंटेड और बेहद डाउन टू अर्थ हैं। उनसे बात करना बहुत आसान है, वो बहुत स्वीट हैं। मैं कहूंगा कि फिल्म में वो इसकी सोल हैं, जबकि मैं गुस्सा और फ्यूरी वाला हिस्सा हूं।'

सेट पर चोटिल हो गए थे अदिवी-मृणाल

एक किस्सा शेयर करते हुए वह बताते हैं, 'एक एक्शन सीन के दौरान हम दोनों को चोट लग गई थी। सीन में मुझे उन्हें उठाकर चलना था, लेकिन मैं पत्थर पर ट्रिप कर गया और हम दोनों गिर गए। उन्हें बैक स्प्रेन हो गया और मुझे भी चोट आई। आज भी वो मजाक में कहती हैं, 'देखो आपने क्या किया...'और अपना निशान दिखाती हैं। अब वो मजाक लगता है, लेकिन उस वक्त हम काफी डर गए थे। शूटिंग कुछ समय के लिए रुक गई थी और रिलीज प्लान भी आगे बढ़ाना पड़ा था।'

करण कुंद्रा और तेजस्वी की गुपचुप शादी पर ट्वीट्स वायरल

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश की गुपचुप शादी की खबरें आ रही हैं। सोशल मीडिया पर कई ट्वीट्स वायरल हैं, जिनमें यूजर्स कपल को बधाई दे रहे हैं। हालांकि, फैंस कन्फ्यूज हैं। अभी करण और तेजस्वी ने भी रिएक्ट नहीं किया है। वहीं, भारती ने हाल ही बताया था कि उन्हें करण पर क्रश था। करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश टीवी के पॉपुलर कपल हैं और चार साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। फैंस काफी समय से उनकी शादी का इंतजार कर रहे थे, और दावा किया जा रहा है कि उन्होंने गुपचुप शादी कर ली है। सोशल मीडिया और ङ्क पर कई पोस्ट वायरल हैं, जिनमें दावा किया गया है कि करण और तेजस्वी ने गुपचुप शादी कर ली है। यूजर्स भी कपल को बधाई दे रहे हैं। हालांकि. कुछ फैंस ऐसे भी हैं जो ऐसे ट्वीट्स देख कन्फ्यूज हो गए हैं। वो पूछ रहे हैं कि आखिर सब करण और तेजस्वी को शादी की बधाई क्यों दे रहे हैं? क्या उन्होंने वाकई गुपचुप शादी कर ली है? वहीं, प्रिंस नरूला ने भी एक बार एक इंटरव्यू में करण और तेजस्वी की शादी कन्फर्म की थी।

करण कुंद्रा 'बिग बॉस 15' में नजर आए थे, और उसी शो के दौरान उनकी तेजस्वी प्रकाश के साथ लव स्टोरी शुरू हुई। करण कुंद्रा और तेजस्वी चार साल से डेट कर रहे हैं, और फैंस उनकी शादी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अब गुपचुप शादी की खबरों से सोशल मीडिया पटा पड़ा है, पर कपल की तरफ से कोई बयान नहीं आया है। वैसे यूजर्स पर कपल को बधाई दे रहे हैं। वायरल ट्वीट्स आप यहां देख सकते हैं:

करण और तेजस्वी के साथ भारती सिंह का बॉन्ड

भारती ने आगे बताया, 'मेरी बहन तो करण के लिए इतनी पागल थी कि बर्तन धोते हुए भी बीच में ही छोड़कर आ जाती थी ताकि करण को टीवी पर देख सके।' और अब भारती और करण 'लाफ्टर शेफ्स' में गर्दा उड़ा रहे हैं। दोनों की केमिस्ट्री और मस्ती-मजाक दर्शक खूब पसंद करते हैं। भारती का करण और तेजस्वी के साथ काफी करीबी बॉन्ड भी है।

करण कुंद्रा का करियर

करण कुंद्रा की बात करें, तो उन्होंने साल 2009 में टीवी शो 'कितनी मोहब्बत है' से एक्टिंग डेब्यू किया था, और छा गए थे। वह देखते ही देखते घर-घर मशहूर हो गए थे। इसके बाद उन्होंने 'कितनी मोहब्बत है 2', 'दिल ही तो है', 'ये कहां आ गए हम' और अब 'नागिन 7' में काम किया। वहीं, भारती ने साल 2008 में रियलिटी शो 'द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज' से शुरुआत की थी। इसमें वह बतौर कंटेस्टेंट शामिल हुई थीं। लल्ली के किरदार ने भारती सिंह को मशहूर कर दिया था।

प्रिंस नरूला ने कन्फर्म की थी करण-तेजस्वी की शादी

वहीं, प्रिंस नरूला ने एक बार नयनदीप रक्षित को दिए इंटरव्यू में करण-तेजस्वी की शादी कन्फर्म की थी। जब पूछा गया कि उनके करीबी दोस्त करण कब शादी करेंगे, तो प्रिंस ने कहा था, 'वो एक शो के बाद करेंगी शादी, एक कमिटमेंट है उसके बाद।' तभी युविका चौधरी बोल पड़ी थीं- कहीं शो पर तो शादी नहीं कर रहे हैं? तो प्रिंस ने जवाब दिया था, 'पता नहीं, हो भी सकता है।'

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप की राह पर यूरोपीय संघ

लंदन, एजेंसी। यूरोपीय संघ भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राह पर चल पड़ा है। 27 देशों के इस समूह में ट्रंप की आव्रजन नीतियों की सार्वजनिक रूप से आलोचना हुई थी और अब यह समूह प्रवासियों का पता लगाने, उनके खिलाफ छापेमारी व उन्हें निर्वासित करने की अपनी शक्तियों का विस्तार कर रहा है। यह समूह प्रवासियों को अफ्रीका और अन्य जगहों के तीसरे देशों में स्थित वापसी केंद्रों में भेजेगा। 2024 में कुछ देशों में दक्षिणपंथी दलों के सत्ता में आने के बाद से यूरोपीय संघ प्रवासन नीतियों को और सख्त कर रहा है। यूरोपीय आयोग अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा है कि नए उपायों से सीरिया में गृहयुद्ध के कारण 2015 में उत्पन्न संकट की पुनरावृत्ति को रोका जा सकेगा।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने मदद के लिए पीएम मोदी का जताया आभार

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने श्रीलंका में ईंधन आपूर्ति बाधाओं को दूर करने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया है। पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत ने शनिवार को कोलंबो में 38,000 मीट्रिक टन ईंधन की खेप भेजी। दिसानायके ने सोशल मीडिया पर भारत की त्वरित सहायता की सराहना की और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बेहतर समन्वय के लिए भी उनका आभार व्यक्त किया।

चीन के जातीय एकता कानून से तिब्बत में पहचान का संकट

बीजिंग, एजेंसी। चीन द्वारा लागू किए गए नए जातीय ढांचे ने तिब्बत में सांस्कृतिक और भाषाई अस्तित्व पर गंभीर संकट पैदा कर दिया है। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) के प्रतिनिधियों ने चेक गणराज्य में उच्च स्तरीय बैठकों के दौरान इस मुद्दे को उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने चेतावनी दी कि यह कानून तिब्बती भाषा, धार्मिक प्रथाओं और पहचान को मिटाकर जबरन आत्मसात करने की कोशिश है। चेक गणराज्य के सांसदों और अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों ने तिब्बत की जमीनी स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समर्थन का आश्वासन दिया है।

बैक टू द फ्यूचर फेम अभिनेता जेम्स टोल्कन का 94 वर्ष की आयु में निधन

न्यूयॉर्क , एजेंसी। टॉप गन और बैक टू द फ्यूचर जैसी फिल्मों में यादगार भूमिकाएं निभाने वाले दिग्गज अभिनेता जेम्स टोल्कन का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके एजेंट जॉन अल्कांतार ने शनिवार को बताया कि टोल्कन ने न्यूयॉर्क के लेक प्लेसिड स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। हालांकि मौत के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन बैक टू द फ्यूचर की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार उनका निधन प्राकृतिक तरीके से हुआ।

खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांत में भारी बारिश का कहर

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांत में भारी बारिश और तेज हवाओं ने कहर मचा दिया है। अलग-अलग हादसों में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। रेस्क्यू अधिकारियों के मुताबिक, सबसे ज्यादा नुकसान खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू इलाके में हुआ, जहां तेज बारिश के कारण कई इमारतें गिर गईं। बन्नू के कोटका गुलाम कादिर इलाके में एक मस्जिद का बरामदा गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। ये लोग बारिश से बचने के लिए वहां रुके हुए थे। वहीं, एक अन्य घटना में जर्जर घर की छत गिरने से तीन बच्चों की जान चली गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पंजाब के लाहौर के बादामी बाग इलाके में भी एक घर की छत गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। इसके अलावा बहावलपुर में एक 70 साल के बुजुर्ग की फिसलकर गिरने से मौत हो गई। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिनों तक तेज हवाएं, गरज-चमक और भारी बारिश जारी रह सकती है। इससे बाढ़ जैसे हालात बनने का खतरा भी बढ़ गया है, इसलिए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

ग्रेटर नॉर्थ अमेरिका रणनीति : देश की सुरक्षा का जिक्र कर बोले हेगसेथ, कहा- हमारा दायरा ग्रीनलैंड से गुयाना तक !

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने रविवार को उत्तरी गोलार्ध में सुरक्षा ढांचे को फिर से परिभाषित करने वाला नया 'ग्रेटर नॉर्थ अमेरिका' रणनीति का एलान किया। उन्होंने इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में क्षेत्रीय सुरक्षा की नई दिशा बताया। हेगसेथ ने फ्लोरिडा के डोरल स्थित यूएस सदर्न कमांड मुख्यालय में कहा कि इस रणनीति का दायरा ग्रीनलैंड से अमेरिका की खाड़ी और फिर पनामा नहर तक है। इसमें भूमध्य रेखा के उत्तर में स्थित सभी स्वतंत्र देशों और क्षेत्रों को 'तत्काल सुरक्षा सीमा' में शामिल किया गया है।

ईरान के तेल पर अमेरिका की नजर, खार्ग द्वीप पर कर सकता है कब्जा, राष्ट्रपति ट्रंप ने दिए संकेत

वाशिंगटन , एजेंसी। पिछले एक महीने से जारी जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह ईरान का तेल लेना चाहते हैं और देश के प्रमुख तेल निर्यात केंद्र खार्ग द्वीप पर कब्जा कर सकते हैं। फाइनेंशियल टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'सच कहूं तो मेरी पसंदीदा चीज ईरान का तेल लेना है।' उन्होंने इसकी तुलना वेनेजुएला से की, जहां वाशिंगटन जनवरी में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हटाने के बाद कथित तौर पर तेल उद्योग पर लंबे समय तक नियंत्रण रखना चाहता है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान का तेल लेने का मतलब होगा खार्ग द्वीप पर कब्जा करना, जिसके जरिए ईरान के 90 प्रतिशत से ज्यादा तेल का निर्यात होता है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि इस तरह के हमले से हताहतों की संख्या बढ़ने और युद्ध लंबा खिंचने का खतरा है। रिपोर्ट में ट्रंप के हवाले से कहा गया, 'हो सकता है हम खार्ग द्वीप पर कब्जा कर लें, हो सकता है न करें। हमारे पास बहुत सारे विकल्प हैं।' उन्होंने कहा, 'इसका यह भी मतलब होगा कि हमें वहां कुछ समय तक रहना पड़ेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने आगे कहा कि उनका मानना है कि द्वीप पर ईरान की सुरक्षा व्यवस्था बहुत कम या बिल्कुल भी नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम बहुत आसानी से इस पर कब्जा कर सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका मध्य

पूर्व में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा रहा है और ईरान से लगभग 1,000 पाउंड यूरेनियम निकालने के लिए संभावित सैन्य अभियान पर विचार कर रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप की सोच से परिचित एक अज्ञात सूत्र का हवाला देते हुए बताया गया है कि उन्होंने अपने सलाहकारों को इस बात के लिए दबाव डालने को भी कहा है कि ईरान युद्ध खत्म करने की शर्त के तौर पर यह सामग्री सौंपने पर राजी हो जाए।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पेंटागन इस क्षेत्र में 10,000 तक अतिरिक्त सैनिक तैनात कर रहा है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने शनिवार को घोषणा की कि 2,500 मरीन सहित 3,500 से ज्यादा सैनिक मध्य पूर्व पहुंच चुके हैं। इस खतरे के बावजूद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान के जरिए चल रही अप्रत्यक्ष बातचीत में प्रगति हो रही है। उन्होंने कहा, 'बहुत जल्द कोई समझौता हो सकता है। गौरतलब है कि इजरायल और अमेरिकी की ईरान के साथ लड़ाई को एक महीने से अधिक समय हो गया है। 28 फरवरी को यह जंग शुरू हुई थी। इसके बाद दुनियाभर में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। मार्च में ब्रेंट क्रूड की कीमत बढ़कर 119.5 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई, जो जून 2022 के बाद से सबसे ज्यादा है।

इजराइल ने हाइफा शहर पर दागे गए 5 रॉकेट मार गिराए : इजराइल की सेना ने बताया कि शहर हाइफा को निशाना बनाकर दागे गए 5 रॉकेट्स को हवा में ही रोक लिया गया। सभी रॉकेट इंटरसेप्ट कर दिए गए और किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। इसके अलावा, दक्षिण के महत्वपूर्ण शहर इलात के ऊपर दो ड्रोन भी मार गिराए गए।

ईरान ने मिसाइल हमलों का एआई वीडियो जारी किया : ईरान के सरकारी मीडिया ने एक नया एआई से बना वीडियो जारी किया है, जिसमें नई मिसाइल हमलों की लहर दिखाई गई है। यह वीडियो मेहर न्यूज एजेंसी ने जारी किया गया। वीडियो में एक सैन्य बैठक दिखाई गई है, जिसमें सुप्रीम कमांडर अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई को दिखाया गया है। इसके बाद मिसाइल लॉन्च, शहरों में धमाके और ईरानी सैनिकों को यरुशलम के अल-अक्सा मस्जिद की ओर बढ़ते हुए दिखाया गया है। यह पहली बार नहीं है। पिछले हफ्ते भी ईरान के सरकारी मीडिया ने 'वन वेंजेंस फॉर ऑल' नाम का एक वीडियो जारी किया था, जिसमें अमेरिका से जुड़े युद्धों हिरोशिमा, वियतनाम, यमन, अफगानिस्तान, इराक, गाजा और फिलिस्तीन को दिखाया गया था।

ईरान ने खाड़ी देशों पर हमले तेज किए : खाड़ी देशों में पिछले कुछ घंटों में हमलों की संख्या बढ़ गई है, जिससे क्षेत्र में तनाव और गहरा हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुबई में सायरन बजने की आवाजें सुनी गईं और हमलों को हवा में ही रोकते हुए वीडियो भी सामने आए हैं। बहरीन में भी कई बार अलर्ट जारी हुआ और लोगों ने कई धमाकों की आवाज सुनी। सऊदी अरब ने बताया कि उसके पूर्वी इलाके में 5 बैलिस्टिक मिसाइल और 1 क्रूज मिसाइल को हवा में ही मार गिराया गया। वहीं कुवैत के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उनके हवाई क्षेत्र में 14 मिसाइल और 12 ड्रोन देखे गए, जबकि इससे एक रात पहले 17 बैलिस्टिक मिसाइलों का पता चला था।

फिलीपींस रूस से 25 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदेगा : फिलीपींस की एकमात्र तेल रिफाइनरी कंपनी पेट्रोन कॉर्प ने रूस से करीब 25 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदने का फैसला किया है। कंपनी ने फिलीपींस स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के बाद से करीब 40 लाख बैरल तेल की सप्लाई रद्द हो चुकी थी। इसके बाद मजबूरी में रूस से तेल खरीदने का निर्णय लिया गया।

मस्जिद के बाद इजरायल ने चर्च पर लगाया ताला ! कार्डिनल की एंट्री रोक से भड़के ईसाई

येरुशलम, एजेंसी। इजरायली पुलिस ने रविवार को वेटिकन के बड़े कार्डिनल पियरबतिस्ता पिज्जाबल्ला को यरूशलम के चर्च ऑफ द होली सेपल्चर में प्रवेश करने से रोक दिया, जहां वे पाम संडे मास (संडे प्रार्थना सभा) में भाग लेने जा रहे थे। यह घटना सदियों में पहली बार हुई जब किसी कार्डिनल को चर्च में प्रवेश से रोका गया।

चर्च के अधिकारियों के अनुसार, कार्डिनल पिज्जाबल्ला, जो पिछले साल पोप बनने के संभावित दावेदारों में से एक थे, बिना किसी जुलूस या औपचारिक अनुष्ठान के निजी तौर पर प्रवेश कर रहे थे। वे फादर फ्रांसेस्को इलपो के साथ थे, जब सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए उन्हें रोक दिया गया।

विवाद बढ़ने के बाद झुकी नेतन्याहू सरकार : हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रात में कार्डिनल को चर्च में प्रवेश की अनुमति दे दी। उन्होंने कहा, 'हालांकि मैं इस चिंता को समझता हूं, लेकिन जैसे ही मुझे कार्डिनल पिज्जाबल्ला के साथ हुई घटना के बारे में पता चला, मैंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पैट्रिआर्क को उनकी इच्छा के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान करने की अनुमति दी जाए।' नेतन्याहू ने कहा कि रोक के पीछे सुरक्षा कारण थे, खासकर ईरान के हमलों के बीच सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया। इजरायल ने युद्ध शुरू होने के बाद से सभी बड़े धार्मिक जमावड़ों पर प्रतिबंध लगा रखा है, जिसमें मस्जिद अल-अक्सा में नमाज पर भी पाबंदी शामिल है।

इटली के साथ कूटनीतिक तनाव : इजरायल के इस कदम से इटली के साथ कूटनीतिक तनाव पैदा हो गया। इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने कहा कि उन्होंने इस घटना पर इजरायल के राजदूत को तलब किया है। वेटिकन ने भी कार्डिनल के प्रवेश से रोके जाने की निंदा की है और कहा है कि यह कदम ईसाई धर्म के पवित्र स्थलों की स्वतंत्र धार्मिक प्रथाओं के अधिकार के खिलाफ है।

ईसाई समुदाय इजरायल के खिलाफ गुस्सा : दुनियाभर के ईसाई समुदाय में इजरायल के खिलाफ गुस्सा देखा गया है। यरूशलम का चर्च ऑफ द होली सेपल्चर ईसाई धर्म के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है।

जिस एयरपोर्ट पर खड़ा था डोनाल्ड ट्रंप का विमान, मच गई अफरा-तफरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार क अफरा-तफरी मच गई और एफ-16 विमानों को तैनात कर दिया गया। उस समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यहीं मौजूद थे और उनका एयरफोर्स वन विमान वॉशिंगटन डी के लिए उड़ान भरने वाला था।वाइट हाउस के मुताबिक एक सिविलियन एविएशन प्लेन से संपर्क कटने के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दोपहर करीब 1 बजे के आसपास एक विमान ने टेंपररी फ्लाइट रेस्ट्रिक्शन का उल्लंघन किया।

इसके बाद उस विमान को सुरक्षित रूप से वहां से अल ले जाया गया। जानकारी के मुताबिक विमान के पायलट से संपर्क स्थापित करने के लिए फ्लेयर्स का इस्तेमाल किया गया। फ्लेयर्स को आसमान में छोड़ा जाता है और ये वहीं जलकर खाक हो जाते हैं। जमीन पर इससे किसी को कोई नुकसान नहीं होता है। वाइट हाउस और सीक्रेट सर्विस ने इस बात की पुष्टि की है कि इस घटनाक्रम को कोई प्रभाव डोनाल्ड ट्रंप और उनके विमान पर नहीं पड़ा है। वाइट हाउस ने बताया कि एक विमान का संपर्क अचानक एटीसी से टूट गया था। हालांकि थोड़ी देर में फिर सेसंपर्क स्थापित हो गया। एयरपोर्ट पर किसी प्रकार की ड्रोन गतिविधि नहीं देखी गई है। कुछ लोगों ने कहा कि एयरपोर्ट पर ड्रोन की गतिविधियां देखी जाने के बाद ग्राउंड स्टॉप किया गया था। सिक्योरिटी स्टाफ के मुताबिक इस घटनाक्रम के बाद कुछ हेलिकॉप्टरों के जरिए एयरस्पेस की भी जांच करवाई गई है। वहीं सीक्रेट सर्विस के प्रवक्ता ने कहा कि किसी डर की वजह से हेलिकॉप्टर नहीं उड़ाए गए थे। जानकारी के मुताबिक पाम बीच एयरपोर्ट पर अब संचालन सामान्य है। सऊदी अरब, मिस्त्र, तुर्किये और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों ने चतुष्पक्षीय शिखर सम्मेलन के दौरान रविवार को इस्लामाबाद में पश्चिम एशिया संघर्ष पर चर्चा की ताकि तनाव कम करने का रास्ता खोजा जा सके। पश्चिम एशिया सघर्ष ने क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में गंभीर व्यवधान पैदा किया है।

अफगानिस्तान- पाकिस्तान में फिर संघर्ष, 1 की मौत, 12 घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान की सरकार ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान की सेना ने रविवार को देश के कुनार प्रांत के असदाबाद शहर के बाहरी इलाकों पर गोलाबारी की, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 12 से ज्यादा लोग घायल हो गए। दोनों देशों के बीच फरवरी से टकराव बढ़ा हुआ है। इसे पिछले कई दशकों में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सबसे गंभीर टकराव माना जा रहा है। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान अपनी जमीन पर आतंकवादियों को पनाह दे रहा है, जो पाकिस्तान के अंदर हमले करते हैं। खास तौर पर पाकिस्तान तालिबान का जिक्र किया जाता है। यह समूह अफगान तालिबान से अलग है, लेकिन दोनों के बीच करीबी संबंध माने जाते हैं। अफगान तालिबान ने 2021 में अमेरिका के नेतृत्व वाली सेना की वापसी के दौरान सत्ता संभाली थी। हालांकि काबुल इन आरोपों को लगातार खारिज करता रहा है। इस महीने की शुरुआत में अफगानिस्तान ने दावा

किया था कि पाकिस्तान के एक हवाई हमले में काबुल के एक नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाया गया, जिसमें 400 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा है कि उसने किसी आम नागरिक को निशाना नहीं बनाया, बल्कि एक हथियारों के गोदाम पर हमला किया था।

मोर्टार और भारी हथियारों से हमला : फितरत ने कहा कि पाकिस्तानी सैन्य शासन ने रविवार दोपहर कुनार प्रांत के असदाबाद शहर के बाहरी इलाकों में ग्रामीण क्षेत्रों और आम नागरिकों के घरों पर मोर्टार और अन्य भारी हथियारों से हमला किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घायल बच्चों की तस्वीरों के साथ पोस्ट लिखी है, जिसमें हमले की जानकारी दी। पाकिस्तान ने अभी तक हमले को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान में क्यों तनाव : पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हाल के दिनों में दशकों की सबसे भीषण लड़ाई हुई है। पाकिस्तान आरोप लगाता है कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार पाकिस्तानी तालिबान (ञ्ञ्क्) जैसे चरमपंथी समूहों को सुरक्षित पनाह दे रहे हैं, जो पाकिस्तान के अंदर हमले करते हैं। अफगान तालिबान ने अपनी जमीन पर किसी समूह को शरण देने से इनकार किया है और टीटीपी को पाकिस्तान की अंदरूनी समस्या बताता है।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान संघर्ष : अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच चल रही लड़ाई में बार-बार सीमा पार झड़पें हुई हैं। इसके साथ ही पाकिस्तानी वायु सेना ने अफगानिस्तान के अंदर हवाई हमले किए हैं, जिसमें राजधानी काबुल पर हमले भी शामिल हैं। इस महीने की शुरुआत में अफगानिस्तान ने कहा था कि पाकिस्तान ने एक हवाई हमले में काबुल स्थित एक नशामुक्ति के अस्पताल को निशाना बनाया। इसमें 400 लोगों की मौत हुई थी।संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के कार्यालय ने कहा है कि अभी कुल मरने वालों की संख्या की पुष्टि की जा रही है। पाकिस्तान ने मौतों के दावे को गलाता बताया है और आम नागरिकों को निशाना बनाने से इनकार किया है। पाकिस्तान का कहना है कि उसे गोला बारूद के एक गोदाम पर हमला किया था।

ईरान के कुवैत स्थित प्लांट पर हमले में भारतीय की मौत, संघर्ष में अब तक 8 भारतीयों की जान गई

कुवैत सिटी , एजेंसी। कुवैत सरकार ने घोषणा की कि सोमवार तड़के ईरान द्वारा किए गए हमले में कुवैत के एक बिजली और जल विलवणीकरण (डिसेलिनेशन) संयंत्र पर काम कर रहे एक भारतीय कर्मचारी की मौत हो गई। इस घटना के साथ ही पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष में मारे गए भारतीय नागरिकों की संख्या बढ़कर कम से कम आठ हो गई है। कुवैत के बिजली और जल मंत्रालय ने सोशल साइट एक्स पर पुष्टि की कि ईरान के हमले में संयंत्र की एक सेवा इमारत को भी नुकसान पहुंचा और इसे खाड़ी राष्ट्र के खिलाफ 'ईरानी आक्रमण' के रूप में कड़ा निंदा की। मंत्रालय ने अरबी में कहा- 'इस हमले में एक कर्मचारी (भारतीय नागरिक) की मृत्यु हुई और भवन को गंभीर क्षति पहुंची।' अधिकारियों ने बताया कि आपातकालीन और तकनीकी प्रतिक्रिया टीमों को तुरंत मौके पर भेजा गया ताकि स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। साथ ही, नुकसान को कम किया जा सके और संयंत्र के संचालन में बड़े व्यवधान से बचा जा सके। मंत्रालय ने जोर दिया कि 'बिजली और जल अवसंरचना की सुरक्षा और स्थिरता सर्वोच्च प्राथमिकता हैं' और तकनीकी टीमें किसी भी आगे के जोखिम की आशंका के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही हैं ताकि आवश्यक सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। यह घटना संयुक्त अरब अमीरात में हाल ही में हुई एक दुखद घटना के कुछ दिन बाद आई है, जिसमें पिछले गुरुवार को अबू धाबी में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई थी, जब एक बैलिस्टिक मिसाइल को इंटरसेप्ट किया गया और मलबे की वजह से वह घायल हो गया था।

तत्कालीन समय में भारतीय दूतावास ने कहा था कि वह 'यूएई अधिकारियों के साथ निकटता से काम कर रहा है ताकि प्रभावित लोगों को सभी संभव समर्थन और सहायता प्रदान की जा सके।' शुक्रवार को हुई एक अंतर-मंत्रालयीय समीक्षा बैठक के बाद सरकार ने कहा था कि अब तक मध्य पूर्व संघर्ष में सात भारतीय नागरिक मारे गए हैं और एक व्यक्ति लापता है। सोमवार की घटना के बाद मृतकों की संख्या बढ़ गई है। यह संघर्ष अब अपने पांचवें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है और यह तब शुरू हुआ जब संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़रायल ने ईरान पर समन्वित हमले किए, जिससे क्षेत्र में व्यापक तनाव बढ़ गया। इसके बाद, ईरानी बलों ने इज़रायल और खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य स्थलों को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइल हमले किए, जिससे क्षेत्र में जनहानि हुई और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचा।

अंडरग्राउंड मुजतबा खामेनेई ने इराक भेजा खास मैसेज, अमेरिका की बढ़ी टेंशन

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और इजरायल के हमलों के बीच, ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने एक नया लिखित संदेश जारी किया है। ईरानी मीडिया ने रविवार को बताया कि इस संदेश में उन्होंने इराक के लोगों का धन्यवाद किया, जिन्होंने ईरान के खिलाफ आक्रामकता के समय उनका समर्थन किया। मुजतबा अपने पिता और ईरानी क्रांति के संस्थापक आयतुल्लाह अली खामेनेई की मृत्यु के बाद से तीसरे सर्वोच्च नेता बने हैं। हालांकि, वे अब तक सार्वजनिक रूप से नहीं दिखाई दिए हैं और केवल कुछ लिखित बयान ही सामने आए हैं। उनके सार्वजनिक रूप से नहीं दिखने के कारण अमेरिकी मीडिया और डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन उनकी हालत और स्थान को लेकर अटकलें लगा रहे हैं।

मुजतबा ने की इराकी जनता की तारीफ : ईरानी सरकारी टेलीविजन और कुछ अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि वे हवाई हमले में लगी चोटों से उबर रहे हैं। ढ्ढस्ह्व न्यूज एजेंसी ने बताया कि संदेश में मुजतबा खामेनेई ने इराक में सर्वोच्च धार्मिक नेता और आम जनता के प्रति अपनी सराहना जताई। उनका इशारा ग्रैंड अयातुल्ला अली सिस्तानी की ओर था, जो शिया इस्लाम में अत्यंत सम्मानित व्यक्तित्व हैं। यह संदेश इराक की इस्लामिक सर्वोच्च परिषद और बगदाद में ईरानी राजदूत के बीच हुई बैठक के बाद जारी किया गया। हालांकि, संदेश किस माध्यम से भेजा गया, इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई। ईरानी मीडिया समय-समय पर उनकी तस्वीरें प्रकाशित करता रहता है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं करता कि ये तस्वीरें हाल की हैं या पुरानी। उनके आधिकारिक टेलीग्राम और एक्स अकाउंट भी सक्रिय हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि वाशिंगटन ईरान के किसी शीर्ष अधिकारी से बातचीत कर रहा है, लेकिन यह व्यक्ति सर्वोच्च नेता नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें मुजतबा खामेनेई के जीवित होने की पुष्टि नहीं है और। इन संकेतों से प्रतीत होता है कि ईरान का नया नेता किसी सुरक्षित और गुमनाम स्थान पर इलाज करा रहे हैं या सुरक्षा कारणों से सार्वजनिक नहीं हुए हैं, क्योंकि इजरायल ने उनकी हत्या की धमकी भी दी थी। साथ ही, अमेरिका और ईरान के बीच परोक्ष बातचीत चल रही है, जिसमें पाकिस्तान के दूत मध्यस्थता कर रहे हैं। ट्रंप ने मीडिया को बताया कि यह वार्ता सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। हालांकि, उन्होंने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर किसी संघर्ष-विराम समझौते के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी साझा नहीं की।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार अचानक फिसलकर गिर पड़े

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान खुद को ईरान और अमेरिका के बीच शांति कराने वाले देश के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा था। इसी मकसद से इस्लामाबाद में एक बड़ी कूटनीतिक बैठक आयोजित की गई, जिसमें सऊदी अरब, तुर्की और मिस्त्र के विदेश मंत्री शामिल हुए। माहौल गंभीर था और सबकी नजरें इस अहम बातचीत पर टिकी थीं। लेकिन तभी कुछ ऐसा हुआ जिसने पूरी चर्चा का फोकस बदल दिया। बैठक से पहले मेहमानों का स्वागत करते समय पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार अचानक फिसलकर गिर पड़े। यह घटना कैमरे में कैद हो गई और देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। हालांकि उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार का क्या है कहना? पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने बताया कि ईरान अब पाकिस्तान के 20 जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति देगा। यानी हर दिन दो जहाज इस अहम रास्ते से सुरक्षित निकल सकेंगे। डार ने इसे शांति की दिशा में बड़ा कदम बताते हुए कहा कि इससे पूरे क्षेत्र में स्थिरता बढ़ेगी। उन्होंने यह भी साफ किया कि ऐसे फैसले दिखाते हैं कि बातचीत और कूटनीति ही आगे बढ़ने का सही रास्ता है। अपनी बात को और मजबूत करने के लिए उन्होंने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो, पश्चिम एशिया के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ईरानी अधिकारी अराघची को भी टैग किया। कुल मिलाकर, डार का संदेश साफ था- तनाव के बीच भी बातचीत से ही हल निकल सकता है, और यही रास्ता आगे की शांति तय करेगा।

पाकिस्तान पर पूरी तरह भरोसा करना मुश्किल : एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान पर पूरी तरह भरोसा करना मुश्किल है। वजह है उसका ए क्यू खान नेटवर्क से जुड़ा पुराना रिकॉर्ड- यह वही

नेटवर्क (ग्लोबल न्यूक्लियर स्मगलिंग चेन) था जिसने ईरान, लीबिया और नॉर्थ कोरिया जैसे देशों को परमाणु तकनीक पहुंचाई थी। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि जब पाकिस्तान खुद को मध्यस्थ (गार्डियन) के रूप में पेश कर रहा है- जैसे ईरान तक अमेरिका का प्रस्ताव पहुंचाने या बातचीत करवाने की कोशिश- तो क्या उस पर भरोसा किया जा सकता है या नहीं। अधिकारियों ने बाद में बताया कि डार को कोई चोट नहीं आई है और बैठक बिना किसी रुकावट के तय कार्यक्रम के अनुसार जारी रही। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल रहा है और लोग इस वीडियो को लेकर मजेदार रिएक्शन दे रहे हैं। इससे पहले पाकिस्तान में रविवार को एक अहम चार-पक्षीय बैठक का आयोजन किया गया जिसमें मिस्त्र, तुर्की और सऊदी अरब के विदेश मंत्रियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान पश्चिम एशिया संघर्ष पर चर्चा हुई है ताकि तनाव कम करने का रास्ता खोजा जा सके। एक अधिकारी ने बताया कि विदेश मंत्रियों ने क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा की और सुरक्षा मुद्दों पर विचार-विमर्श करते हुए क्षेत्र में व्यापक शांति के विकल्पों पर मंथन किया। यह शिखर सम्मेलन अमेरिका और ईरान के बीच सीधी वार्ता में देरी के बीच हुई है। हालांकि बैठक के बाद कोई बयान जारी नहीं किया गया। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय के अनुसार, मिस्त्र और तुर्किये के विदेश मंत्री शनिवार को इस्लामाबाद पहुंच चुके थे, जबकि सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान अल सऊद रविवार को पहुंचे। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा था कि दौरे पर आए विदेश मंत्री 'क्षेत्र में तनाव कम करने के प्रयासों सहित कई मुद्दों पर गहन चर्चा' करेंगे।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)